6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

अमृत विचार

कानपुर

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष तृतीया 07:25 उपरांत चतुर्थी विक्रम संवत 2082

रविवार, 23 नवंबर 2025, वर्ष 4, अंक 93, पृष्ठ 16+4 ■ मूल्य 5 रुपये

■ शीतकालीन सत्र के लिए 10 विधेयक सूचीबद्ध, उच्च शिक्षा आयोग विधेयक भी शामिल- 14

■ श्रम संहिता से मजबूत होगा देश का निर्यात तंत्र -14

■ अमेरिका की अड़चन के बावजूद जारी किया गया जी-20 घोषणा पत्र -15

■ गुवाहाटी टेस्ट में कुलदीप यादव ने कराई भारत की वापसी -16

शुभकामना संदेश

दैनिक **अमृत विचार** के छह वर्ष पूर्ण होना केवल एक औपचारिक पड़ाव नहीं, बल्कि निरंतर उत्कृष्टता, मेहनत और जनविश्वास की एक उल्लेखनीय यात्रा है। इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई।

कम समय में आपने जिस निष्ठा और संतुलन के साथ पत्रकारिता के अपने कर्तव्य को निभाया है, वह प्रशंसनीय है। समाचारों की सत्यता, विचारों की सार्थकता और जन सरोकारों के प्रति आपकी प्रतिबद्धता ने आपको पाठकों का भरोसेमंद मंच बनाया है। आज बरेली, लखनऊ, कानपुर, मुरादाबाद, हल्द्वानी और अयोध्या में प्रकाशित होकर आप एक व्यापक पाठक वर्ग के लिए विश्वसनीय सूचना का स्रोत बने हैं।

लोकतंत्र में मीडिया केवल सूचना का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को सही दिशा देने वाली महत्वपूर्ण शक्ति है। जनहित के मुद्दों को तथ्यपरक और रचनात्मक ढंग से उठाने में आपकी भूमिका सराहनीय रही है। सुशासन, पारदर्शिता और विकास के मुद्दों पर आपकी दृष्टि ने संवाद की गुणवत्ता को मजबूत किया है।

मुझे विश्वास है कि इसी भावना के साथ आगामी समय में भी आप सकारात्मक और निर्भीक पत्रकारिता के माध्यम से समाज और राष्ट्र के विकास में अपनी भूमिका और सशक्त करते रहेंगे।

अमृत विचार के सम्पूर्ण परिवार को भविष्य के लिए . शुभकामनाएँ। सतत प्रगति करें और नई ऊंचाइयों को स्पर्श करें।

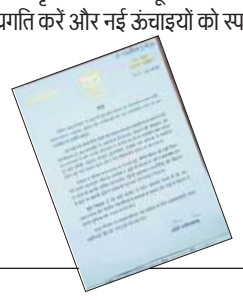

योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश

घुसपैठियों पर सख्त कार्रवाई की तैयारी

जिलाधिकारियों को सीएम योगी के निर्देश- जिले में बनाएं निरुद्ध केंद्र

● कहा- कानून-व्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा को सर्वोच्च स्थान पर रखें

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में सरकार घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू करने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं कि घुसपैठियों की पहचान कर उन पर त्वरित और सख्त कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने घुसपैठियों को हिरासत में रखने के लिए सभी जिलों में अस्थाई निरुद्ध केंद्र भी बनाने का निर्देश दिया है।

मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों को जारी निर्देश में कहा है कि प्रदेश की कानून-व्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक समरसता सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और राज्य में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आधिकारिक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक जिले का प्रशासन अपने क्षेत्र में मौजूद घुसपैठियों की पहचान सुनिश्चित करें और उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई शुरू करें। अवैध घुसपैठियों को हिरासत में लेने और निरुद्ध करने के लिए मुख्यमंत्री ने प्रत्येक जिले में अस्थाई निरुद्ध केंद्र बनाने के भी निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को प्रयागराज में संगम क्षेत्र का निरीक्षण किया।

विदेशी नागरिकता वाले अवैध प्रवासियों को इन निरुद्ध केंद्रों में ही रखा जाएगा और सुनिश्चित किया जाएगा कि आवश्यक सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने तक वे वहीं रहें। मुख्यमंत्री ने कहा कि डिटेंशन सेंटरों में रखे गए अवैध घुसपैठियों को तय प्रक्रिया के तहत उनके मूल देश वापस भेजा जाएगा।

माघ मेले में 15 करोड़ श्रद्धालु करेंगे स्नान : योगी

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को यहां कहा कि प्रयागराज में तीन जनवरी से प्रारंभ हो रहे माघ मेले का दायरा 2024 के मेले की तुलना में बढ़ाया गया है और इस बार मेले में 12 से 15 करोड़ श्रद्धालुओं के स्नान करने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने मेला प्राधिकरण के सभागार में समीक्षा बैठक के बाद कहा, प्रदेश के सभी विभागों को आयोजन से जोड़ा गया है। लोक निर्माण विभाग संपर्क मार्गों के साथ सात अस्थाई पुल का निर्माण करेगा। जल निगम 242 किमी लंबी पेयजल पाइप लाइन और 85 किमी की सीवर लाइन बिछाएगा ताकि एक बूंद भी दूषित जल गंगा या यमुना में ना जाने पाए। 20-20 बिस्तरों के दो अस्पताल बनाए जा रहे हैं, 12 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भी बनाए जाएंगे। क्षेत्र में 17 थाने, 42 पुलिस चौकियां, 20 दमकल गाड़ियां, सात अग्निशमन चौकियां और 20 अग्निशमन निगरानी टावर, एक जल पुलिस थाना, एक जल पुलिस नियंत्रण कक्ष और चार जल पुलिस उप नियंत्रण कक्ष होंगे।

मुख्यमंत्री के निर्देश

- सभी जिलों में प्रशासन करेगा अवैध घुसपैठियों की पहचान और सत्यापन।
- प्रशासन, पुलिस व खुफिया विभाग को संयुक्त अभियान चलाने का निर्देश।
- प्रत्येक जिले में अस्थाई डिटेंशन सेंटर (निरुद्ध केंद्र) स्थापित किए जाएंगे।
- सभी डिटेंशन सेंटरों में अनिवार्य रूप से होंगी सुरक्षा व बुनियादी सुविधाएं।
- फर्जी दस्तावेज और नेटवर्क चलाने वालों पर भी कड़ी कार्रवाई का निर्देश।

इस साल भी नहीं बढ़ेंगी बिजली दरें

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के साढ़े तीन करोड़ बिजली उपभोक्ताओं के लिए राहत की खबर है। राज्य में इस वर्ष भी बिजली की दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं की जाएगी। यह लगातार छठा वर्ष है जब उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ नहीं डाला गया है। नियामक आयोग के अनुसार अभी वर्तमान दरें ही यथावत रहेंगी।

● नियामक आयोग ने खारिज किया प्रस्ताव, यथावत रहेंगी वर्तमान दरें

यूपी पावर कॉरपोरेशन ने इस बार बिजली की नई दरें बढ़ाने का प्रस्ताव नियामक आयोग के सामने रखा था। यूपी विद्युत नियामक आयोग ने इस प्रस्ताव को पूरी तरह खारिज कर दिया। आयोग के इस निर्णय के बाद उपभोक्ताओं को राहत मिली है। नियामक आयोग ने बहुमंजिला इमारतों और टाउनशिप से जुड़े मामलों के समाधान के लिए एक अलग कंसल्टेशन पेपर भी जारी किया है, ताकि इनसे संबंधित जटिलताओं का ठोस समाधान निकाला जा सके।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, ये विरासत भी न हो जाए गुमनाम व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

विकास मानदंडों पर पुनर्विचार करे दुनिया

मोदी ने जोहानिसबर्ग में जी- 20 सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को किया संबोधित

जोहानिसबर्ग, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक विकास मानदंडों पर गहन पुनर्विचार का शनिवार को आह्वान करने के साथ मादक पदार्थ-आतंकवाद गठजोड़ का मुकाबला करने के लिए जी-20 पहल तथा एक वैश्विक स्वास्थ्य सेवा प्रतिक्रिया दल बनाने का प्रस्ताव रखा। मोदी ने जी-20 नेताओं की बैठक के उद्घाटन सत्र में कहा कि जी-20 ने लंबे समय से वैश्विक वित्त और विकास को आकार दिया है, लेकिन प्रचलित मॉडलों ने बड़ी आबादी को संसाधनों से वंचित किया है और प्रकृति के अति-दोहन को बढ़ावा दिया है और ये चुनौतियां अफ्रीका में तीव्रता से महसूस की जा रही हैं।

मोदी ने 'एकात्म मानववाद' के सिद्धांत को भी प्रस्तुत किया और इसे भारत के सभ्यतागत मूल्यों का हिस्सा बताया। उन्होंने कहा कि यह विकास और प्रकृति के बीच संतुलन बनाने का मार्ग दिखाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाने पर ध्यान केंद्रित करना अधिक उपयुक्त है, क्योंकि यह महाद्वीप प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन का शिकार रहा है। प्रधानमंत्री ने इस दौरान वैश्विक पारंपरिक ज्ञान भंडार, जी-20-अफ्रीका कौशल विकास पहल, जी-20 वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल प्रतिक्रिया टीम और मादक पदार्थ-आतंकवाद गठजोड़ का मुकाबला करने पर जी-20 पहल समेत चार अग्रणी नई पहलों की रूपरेखा भी प्रस्तुत की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जोहानिसबर्ग में अपनी इतालवी समकक्ष जॉर्जिया मेलोनी समेत कई वैश्विक नेताओं से मुलाकात की।

आइए मिलकर भयावह नशा आतंक गठजोड़ को करें कमजोर

प्रधानमंत्री ने कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी, विशेषकर फेंटानिल जैसे अत्यंत खतरनाक पदार्थों के प्रसार की चुनौती से निपटने के लिए भारत ने मादक पदार्थ-आतंकवाद गठजोड़ का मुकाबला करने के लिए जी-20 पहल का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने कहा, आइए मिलकर इस भयावह नशा आतंक गठजोड़ को कमजोर करें। मोदी ने कहा, इस पहल से तस्करी नेटवर्क को ध्वस्त करने, अवैध वित्तीय प्रवाह को रोकने और आतंकवाद के लिए प्रमुख वित्तपोषण स्रोत को कमजोर करने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री ने कहा, स्वास्थ्य आपात स्थितियों और प्राकृतिक आपदाओं का सामना करते समय जब हम मिलकर काम करते हैं, तो हम और भी मजबूत होते हैं। हमारा प्रयास साथी जी20 देशों से प्रशिक्षित चिकित्सा विशेषज्ञों की टीम तैयार करना होना चाहिए, जो किसी भी आपात स्थिति में तुरंत तैनाती के लिए तैयार रहें।

मोदी ने 'समावेशी और सतत आर्थिक विकास, जिसमें कोई पीछे न छूटे' विषय पर आयोजित सत्र में कहा, अब हमारे लिए अपने विकास मानदंडों पर पुनर्विचार करने और समावेशी एवं सतत विकास पर ध्यान केंद्रित करने का सही समय है। भारत के सभ्यतागत मूल्य, विशेष रूप से 'एकात्म मानववाद' का सिद्धांत, आगे बढ़ने का मार्ग प्रदान करता है। उन्होंने इस बात को स्वीकार किया कि विश्वभर में अनेक समुदाय पर्यावरण-संतुलित, सांस्कृतिक रूप से समृद्ध तथा सामाजिक रूप से एकजुट जीवनशैली को संरक्षित रखते हैं।

इससे पहले जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने वाले शासनाध्यक्षों ने शनिवार को अमेरिका की अड़चन के बावजूद एक घोषणापत्र को सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया। दक्षिण अफ्रीका के अंतरराष्ट्रीय संबंध एवं सहयोग मामलों के मंत्री रोनाल्ड लामोला ने सरकारी प्रसारक 'एसएबीसी' के साथ बातचीत में इस घोषणापत्र को बहुपक्षवाद की पुष्टि करार दिया।

पारंपरिक ज्ञान भंडार के निर्माण का प्रस्ताव

प्रधानमंत्री मोदी ने जी-20 के अंतर्गत एक वैश्विक पारंपरिक ज्ञान भंडार के निर्माण का प्रस्ताव रखा। उन्होंने सभी क्षेत्रों में प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित करने के दृष्टिकोण के साथ जी20-अफ्रीका कौशल विकास का भी प्रस्ताव रखा, जिसे सभी जी20 भागीदारों द्वारा समर्थित और वित्तपोषित किया जाएगा। उन्होंने कहा, हमारा सामूहिक लक्ष्य अगले दशक के भीतर अफ्रीका में 10 लाख प्रमाणित प्रशिक्षक तैयार करना होना चाहिए।

रामाफोसा ने नमस्ते कहकर किया स्वागत

इससे पहले, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने शिखर सम्मेलन स्थल पर मोदी का 'नमस्ते' कहकर स्वागत किया। मोदी को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर, इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस जैसे वैश्विक नेताओं के साथ अनौपचारिक रूप से बातचीत करते देखा गया।

तौकीर के करीबी आरिफ का अवैध कॉम्प्लेक्स और शोरूम जमींदोज

जगतपुर रोड पर मो. आरिफ का अवैध कॉम्प्लेक्स ध्वस्त करती बीडीए की टीम।

कार्यालय संवाददाता, बरेली

● पीलीभीत रोड पर तिमंजिले शोरूम और पुराना शहर में दो मंजिला कॉम्प्लेक्स पर चला बुलडोजर
● बीडीए ने 11 अक्टूबर जारी किया था नोटिस, समयसीमा खत्म होते ही की ध्वस्तीकरण की कार्रवाई

अमृत विचार : शहर में दो माह पहले हुए बवाल के मुख्य आरोपी आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के करीबी फाहम लॉन के मालिक मो. आरिफ की करोड़ों रुपये की सील संपत्तियों को शनिवार को बीडीए ने बुलडोजरों से जमींदोज करना शुरू कर दिया। अधिकारियों और भारी पुलिस बल की मौजूदगी में पीलीभीत रोड स्थित तिमंजिला शोरूम और पुराना शहर में दो मंजिला कॉम्प्लेक्स पर शाम तक बुलडोजर चला।

बीडीए की टीम पहले जगतपुर स्थित मो. आरिफ के दोमंजिला अवैध कॉम्प्लेक्स पर पहुंची। यहां दो मंजिला कॉम्प्लेक्स में बिना नक्शा पास कराए 16 दुकानें बनाई गई थीं। बीडीए ने 11 अक्टूबर को नोटिस जारी किया था, लेकिन आरिफ ने कोई जवाब नहीं दिया। नोटिस की अवधि समाप्त होने के बाद शनिवार को पुलिस बल के साथ तीन बुलडोजर लेकर पहुंची बीडीए की प्रवर्तन टीम ने ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी। इस दौरान एडीएम सिटी सौरभ दुबे, एसडीएम रत्निका श्रीवास्तव, सीओ पंकज श्रीवास्तव मौके पर मौजूद रहे।

दूसरी ओर पीलीभीत बाईपास रोड स्थित आरिफ के ही तीन मंजिला शॉपिंग कॉम्प्लेक्स पर भी तीन बुलडोजर के साथ बीडीए की टीम पहुंची। पीएसी और पुलिस ने पूरे एरिया को घेर लिया। इस दौरान शोरूम में दुकानें चलाने वाले भी पहुंच गए। उन्हें दुकानों से सामान निकालने की मोहलत दी गई। दुकानों से सामान निकालने में करीब दो घंटे का वक्त लगा जिसके बाद बीडीए टीम ने बुलडोजर से पहले शटर तोड़ा और फिर पूरी इमारत को ढहाना शुरू कर दिया।

ब्रीफ न्यूज

पुंछ में खाई में गिरने से जेसीओ की मौत

मेंढर/जम्मू। जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में सेना के एक जूनियर कमीशन्ड अधिकारी (जेसीओ) की गलती से फिसलकर गहरी खाई गिर जाने से मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि सूबेदार शुक्रवार शाम को बेहरामगल्ला के सेरी मस्तान इलाके में एक तलाश अभियान दल का नेतृत्व कर रहे थे तभी एक खड़ी ढलान पर चढ़ते समय उनका संतुलन बिगड़ गया और वह खाई में गिर गए। उन्होंने बताया कि सेना के जवानों ने राहत अभियान शुरू किया और जेसीओ को मृत पाया। कानूनी और चिकित्सीय औपचारिकता पूरी होने के बाद जेसीओ के शव को अंतिम संस्कार के लिए उनके गृह नगर भिजवा दिया गया।

ब्राजील: पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो गिरफ्तार

साओ पाउलो। ब्राजील की संघीय पुलिस ने शनिवार को पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो को गिरफ्तार कर लिया। यह कदम ऐसे समय उठाया गया, जब तख्तापलट की कोशिश के लिए उनकी 27 साल की जेल की सजा अगले सप्ताह शुरू होने वाली थी। बोल्सोनारो (70) के एक करीबी सहयोगी ने बताया कि पूर्व राष्ट्रपति को राजधानी ब्रासीलिया में पुलिस फोर्स मुख्यालय ले जाया गया। बोल्सोनारो का नाम लिए बिना फोर्स ने एक बयान में कहा कि उसने ब्राजील के उच्चतम न्यायालय के आदेश पर कार्रवाई की। बोल्सोनारो 2019 से 2022 तक ब्राजील के राष्ट्रपति रहे थे।

तेलंगाना:37 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

हैदराबाद। तेलंगाना के डीजीपी बी शिवधर रेड्डी के समक्ष शनिवार को 37 माओवादियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। इनमें से तीन शीर्ष स्तर के माओवादी थे। रेड्डी ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों में तीन राज्य समिति के सदस्य कोय्यदा सांबैया (49) उर्फ आजाद, अप्पासी नारायण उर्फ रमेश (70), और मुचाकी सोमादा हैं। सांबैया और नारायण तेलंगाना समिति से संबंधित हैं, जबकि सोमादा माओवादियों की दंडकारण्य विशेष क्षेत्रीय समिति का हिस्सा था। इन माओवादियों ने एक एके-47 राइफल, दो एसएलआर राइफल, चार 303 राइफल, एक जीउ राइफल और 346 राउंड गोलियां सौंपी।

दिल्ली में आईएसआई से जुड़े हथियार तस्कर किए गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

● उत्तर भारत में संगठित गिरोहों को करते थे उच्च गुणवत्ता वाले विदेशी हथियारों की आपूर्ति

दिल्ली पुलिस ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह नेटवर्क पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए आने वाले विदेशी हथियारों की आपूर्ति दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश तथा पंजाब में संगठिक आपराधिक गिरोहों को करता था। इन शामिल तुर्किये निर्मित पीएक्स-5.7 मॉडल का इस्तेमाल सिर्फ स्पेशल फोर्स करती हैं।

पुलिस के अनुसार, हथियारों की तस्करी पाकिस्तान से विशेष ड्रोन के जरिए की जा रही थी जो रडार से बचने के लिए कम ऊंचाई पर उड़ने में सक्षम थे। सीमा के उस पार स्थित तस्कर हथियारों की खेप रात के समय पंजाब में अंतरराष्ट्रीय सीमा के संवेदनशील हिस्सों में पूर्व-निर्धारित जीपीएस स्थानों पर गिराते थे। इस खेप को उठाकर सुरक्षित ठिकानों तक ले जाया जाता था और फिर उसकी आपूर्ति पूरे देश के अपराध नेटवर्क को की जाती थी।

ऐतिहासिक होंगे ये पल | रामनगरी में कल प्रधानमंत्री मोदी, संघ प्रमुख भागवत, राज्यपाल, मुख्यमंत्री समेत 7500 मेहमान बनेंगे गवाह

वेद मंत्रों के साथ शिखर पर स्थापित होगा केसरिया ध्वज

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: रामनगरी में 25 नवंबर का दिन सुनहरा इतिहास बनने जा रहा है। राम मंदिर के शिखर पर 25 नवंबर को अभिजीत मुहूर्त में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ केसरिया ध्वज स्थापित किया जाएगा। ध्वज-दंड पर ध्वज चढ़ते ही 10 सेकेंड तक शंखनाद की ध्वनि गूंजेगी। जिसके बाद पूरे परिसर में आसमान से फूलों की वर्षा होगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित करीब 7500 खास मेहमान इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बनेंगे। राम मंदिर के शिखर पर ध्वज स्थापना के लिए शनिवार को एक बार फिर ध्वज आरोहण का अंतिम ट्रायल किया गया। राम मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में विशेष सजावट के साथ सुरक्षा व्यवस्थाएं की गई हैं। पूरा आयोजन वैदिक विधि-विधान के साथ सम्पन्न होगा। राम मंदिर ट्रस्ट व्यवस्था प्रमुख गोपाल जी राव ने इसे रामलला के महाप्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रमों की शृंखला का महत्वपूर्ण हिस्सा बताते हुए कहा कि यह क्षण न केवल मंदिर निर्माण यात्रा का मील का पत्थर होगा, बल्कि दुनिया भर के राम भक्तों के लिए भावनात्मक और आध्यात्मिक उर्जा का केंद्र भी बनेगा। राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपतराय ने कहा कि ध्वजारोहण कार्यक्रम की तैयारियां बहुत अच्छी चल रही है। ध्वज चढ़ाने का ट्रायल सफल हो गया है।

द्वितीय दिवस पूजन में श्रीराम सहस्त्रनामार्चन

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र में होने वाले ऐतिहासिक ध्वाजारोहण कार्यक्रम के लिए शनिवार को दूसरे दिन विधि विधान से पूजन किया गया। एक हजार तुलसी पत्र से भगवान श्रीराम का सहस्त्र नामार्चन हुआ। आचार्यों द्वारा पहले दिन की भांति ही गणपति पूजन, पंचांग पूजन, षोडष मातृका पूजन के बाद मंडप प्रवेश पूजन कराया गया। इसके बाद योगिनी पूजन, क्षेत्रपाल पूजन, वास्तु पूजन, नवग्रह पूजन, और प्रधान मंडल के रूप में रामभद्र मंडल व अन्य मंडलों का आह्वान पूजन हुआ। यजमान ट्रस्ट के डॉ. अनिल मिश्र व अन्य यजमानों ने पूजन किया। मुख्य आचार्य चंद्रभान शर्मा, उपाचार्य रविंद्र पैठणे, यज्ञ के ब्रह्मा व आचार्य पंकज शर्मा ने पूजन कराया। पूजन व्यवस्था प्रमुख आचार्य इंद्रदेव मिश्र व आचार्य पंकज कौशिक की देखरेख में अनुष्ठान हुए।

विश्वस्तरीय होगी यूपी की चिकित्सा व्यवस्था

स्वास्थ्य सेवाओं में बेहतरी, लोगों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने, हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और सुदूर क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए योगी सरकार 8.5 वर्षों से मिशन मोड में काम कर रही है। 'स्वास्थ्य सबका अधिकार' नारा नहीं, बल्कि डबल इंजन सरकार की प्राथमिकता है। प्रदेश में 9 करोड़ से भी अधिक लोगों को आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पांच लाख रुपये का चिकित्सा सुविधा दिया गया है, ताकि समाज के अंतिम पायदान पर स्थित लोग पैसे के अभाव में इलाज से वंचित न रहें। 'एक जिला-एक मेडिकल कॉलेज' के संकल्प के तहत प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों का विस्तार किया गया है। हर जिले में डायलिसिस, सी.टी. स्कैन की सुविधा उपलब्ध कराने के साथ हेल्थ एटीएम स्थापित किये गये हैं। इसी क्रम में प्रदेश में मेडिकल डिवाइस पार्क, बल्क ड्रग पार्क व मेडटेक पार्क मूर्त रूप ले रहे हैं। प्रदेश अपनी सुदृढ़ रणनीतियों, नीतिगत पहल एवं प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से एक नवीन युग की ओर तेजी से अग्रसर है। यह परिवर्तन आकस्मिक नहीं, बल्कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में राज्य सरकार की दूरदर्शिता, मजबूत प्रतिबद्धता तथ जनहितैषी दृष्टिकोण का सशक्त प्रतिफल है। सरकार के प्रयासों से उत्तर प्रदेश आज बेहतर स्वास्थ्य सेवा देने में अग्रणी राज्य बन चुका है।

विकसित उत्तर प्रदेश समर्थ उत्तर प्रदेश 2047

प्रदेश के विकास के लिए अपने विचार और संकल्प साझा करने के लिए अभी क्यूआर कोड स्कैन करें या इस वेबसाइट पर विजिट करें।

http://samarthuttarpradesh.up.gov.in

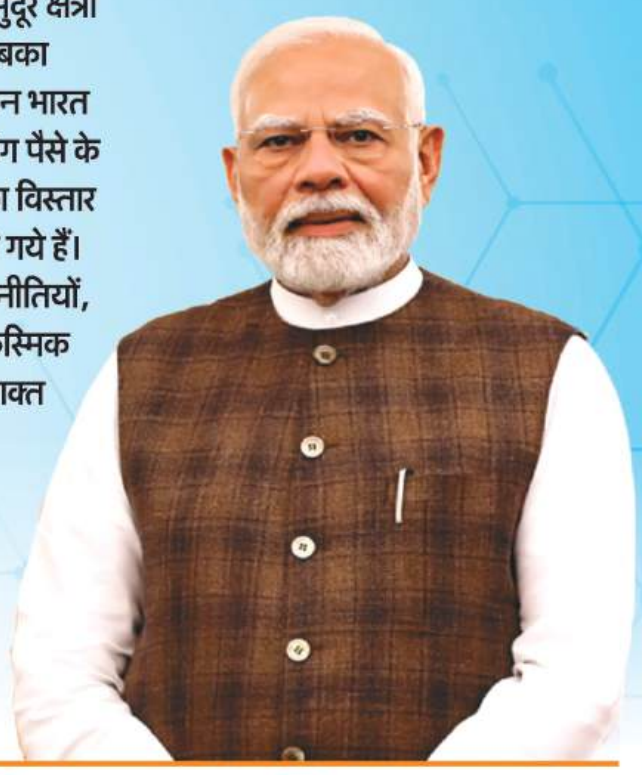

वर्ष 2047 तक स्वास्थ्य के क्षेत्र में रणनीतिक लक्ष्य

- सार्वभौमिक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा की उपलब्धता
- स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के नेटवर्क का सुदृढ़ीकरण
- फार्मा और मेडटेक हब का विकास
- स्वास्थ्य कार्यबल का समग्र विकास
- स्वास्थ्य में एआई और जीनोमिक्स का प्रयोग
- डिजिटल स्वास्थ्य प्रणालियों का क्रियान्वयन

8.5 सालों में बेहतर होती स्वास्थ्य सुविधाएं

हर गरीब परिवार को 5 लाख रुपये तक का नि:शुल्क सुरक्षा कवच मिला। अब तक 56.30 लाख लाभार्थियों को मिला उपचार लाभ

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत देश में सर्वाधिक 5.21 करोड़ लाभार्थियों के कार्ड बनाये गये, अब तक लगभग 9 करोड़ से अधिक लाभार्थी आच्छादित

एडवांस लाइफ सपोर्ट सेवा की 250, नेशनल एंबुलेंस सेवा की 2,270 एवं 108 सेवा के तहत 2,200 एंबुलेंस संचालित

प्रदेश के सभी पीएचसी में हेल्थ एटीएम की स्थापना	प्रदेश में 5,000 नये स्वास्थ्य उप केंद्रों की स्थापना	राज्य में 13.18 करोड़ आभा हेल्थ अकाउंट के निर्माण के साथ उत्तर प्रदेश देश में है प्रथम स्थान पर

- आयुष्मान भारत योजना प्रदेश के अंतर्गत प्रदेश में 5,834 अस्पताल (जिसमें 2,949 सरकारी और 2,885 निजी अस्पताल शामिल) सूचीबद्ध
- राज्य कर्मचारियों एवं पेंशनर्स के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय कैशलेस चिकित्सा योजना लागू
- राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत 6.81 लाख क्षय रोगी पंजीकृत, निक्षय पोषण योजना अंतर्गत इन रोगियों के इलाज के साथ 500 रुपये प्रतिमाह का हो रहा भुगतान
- प्रदेश के दूरदराज के मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा टेली कंसल्टेशन की व्यवस्था, अब तक 3.64 करोड़ मरीज लाभान्वित
- प्रदेश के 75 जनपदों में जिला चिकित्सालयों में डायलिसिस की नि:शुल्क सुविधा उपलब्ध
- मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेलों में अब तक 13.50 करोड़ मरीजों का उपचार
- नि:शुल्क डायग्नोस्टिक सेवा के अंतर्गत प्रदेश के 74 जनपदों में सी.टी. स्कैन सेवा उपलब्ध

चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ते कदम

- 'एक जिला एक मेडिकल कॉलेज' नीति के अंतर्गत प्रदेश में 80 मेडिकल कॉलेज संचालित
- गोरखपुर में योग एवं नैचुरोपैथी में उत्कृष्ट शोध को बढ़ावा देने हेतु महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय की स्थापना
- गोरखपुर और रायबरेली में एम्स का संचालन
- अयोध्या में राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय की स्थापना
- वाराणसी में राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज की स्थापना
- लखनऊ में अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय संचालित

- प्रदेश में वर्तमान में 2,110 आयुर्वेदिक, 254 यूनानी एवं 1,585 होम्योपैथिक चिकित्सालयों के साथ ही 8 आयुर्वेदिक कॉलेज एवं उनसे संबद्ध चिकित्सालय, 2 यूनानी कॉलेज एवं उनसे संबद्ध चिकित्सालय तथा 9 होम्योपैथिक कॉलेज एवं उनसे संबद्ध हुई चिकित्सालय संचालित
- एमडी, एमएस और डिप्लोमा सीटों की संख्या 900 से बढ़ाकर 1,871 हुई, निजी क्षेत्रों में कुल 2,100 पीजी सीटें हैं उपलब्ध
- सरकारी क्षेत्रों में 5,250 एम.बी.बी.एस. सीट, निजी क्षेत्र में 6,550 एम.बी.बी.एस. सीट तथा पीपीपी मोड के मेडिकल कॉलेजों में एम.बी.बी.एस. की 350 सीटें उपलब्ध
- नर्सिंग में 7,000 सीट्स और पारामेडिकल क्षेत्र में 2,000 सीटों की वृद्धि
- प्रदेश में कुल 31 नर्सिंग महाविद्यालयों की स्थापना की गई

ADVERTORIAL

माo श्री नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री भारत सरकार

माo श्री योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश

फार्मर रजिस्ट्री

उत्तर प्रदेश राज्य में किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में फार्मर रजिस्ट्री की शुरुआत की गई है। इस प्रणाली के तहत प्रत्येक किसान का एक विशिष्ट किसान आई.डी. ध्फार्मर आईडीऋ बनाया जाएगा जिसका उद्देश्य किसान की पहचान एवं उनकी जानकारी को सुरक्षित रखना है।

फार्मर रजिस्ट्री से होने वाले लाभ

- कृषि उत्पादों का सुविधाजनक वितरण
- राज्य की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ साम
- किसानों को कृषि ऋण (KCC) का त्वरित वितरण

फार्मर रजिस्ट्री कराने के तरीके

- कृषक द्वारा स्वयं के मोबाइल से।
- ग्राम स्तरीय कैम्प के माध्यम से।
- अपने नजदीकी जनसेवा केन्द्र के माध्यम से।
- यू0पी0 फार्मर सहायक ऐप द्वारा।

फार्मर रजिस्ट्री करवाने हेतु आवश्यक सामिग्री

1. कृषक का आधार
2. आधार से लिंक मोबाईल
3. जमीन का दस्तावेज (खसरा/खतौनी)

पुलकित गर्ग
जिलाधिकारी ,चित्रकूट

अमृत पालकौर
मुख्य विकास अधिकारी चित्रकूट

राजकुमार
कृषि उप निदेशक, चित्रकूट

अमृत विचार की 6 वीं वर्षगांठ के शुभ अवसर पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं

महत्वपूर्ण लिंक

https://upfr.agristack.gov.in/farmer-registry-up/#/

अमृत विचार की 6 वीं वर्षगांठ के शुभ अवसर पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं

रामप्रकाश सिंह
एआरटीओ, चित्रकूट

पुलकित गर्ग
जिलाधिकारी, चित्रकूट

112 आपातकालीन पुलिस सेवा

परिवहन विभाग हेल्पलाइन 1800-1800-151

परिवहन विभाग, चित्रकूट

कार्यालय जिला पंचायत, चित्रकूट

6 वीं अमृत विचार की वर्षगांठ के शुभ अवसर पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं

जिला पंचायत के प्रमुख कार्य जिले के विकास से संबंधित योजनाओं का समन्वय और कार्यान्वयन, ग्राम और जनपद पंचायतों का पर्यवेक्षण, और स्वास्थ्य, स्वच्छता, शिक्षा तथा सामाजिक कल्याण जैसे क्षेत्रों में विकास कार्य करना है। यह योजनाएं बनाती है, उन्हें लागू करती है, वित्तीय संसाधन जुटाती है और पंचायतों के बीच तालमेल बिठाती है।

जिला पंचायत की प्रमुख भूमिकाएँ हैं:-

पंचायत क्षेत्रों में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता तथा सरकार द्वारा कार्यान्वित संबद्ध योजनाओं की निगरानी करना, जन स्वास्थ्य, अस्पतालों, स्वास्थ्य केंद्रों, स्वच्छता, जल आपूर्ति, टीकाकरण, परिवार नियोजन आदि से संबंधित सिफारिशें करना।

जनता से अपील

1– जिला पंचायत के विभव एवं संपत्ति कर को समय से जमा कराएं।
2– चित्रकूट जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में व्यवसाय करने वाले व्यक्तियों से अनुरोध है कि जिला पंचायत से लाइसेंस प्राप्त कर अपना व्यवसाय कर सकते हैं।
3– जिला पंचायत के ग्रामीण क्षेत्रों में व्यवसायिक निर्माण हेतु जिला पंचायत से नक्शा पास कराने के बाद ही निर्माण कार्य कराएं।
4– जिला पंचायत चित्रकूट विकास की ओर लगातार अग्रसर है और यह सरकार और आपकी संपत्ति है इसको सहेजकर रखें और नुकसान न पहुंचाएं।
5– चित्रकूट के पांचों ब्लाकों के ग्रामीण इलाकों में अब तक जिला पंचायत द्वारा करोड़ों के काम कराए जा चुके हैं जिन्हें काम कराए गए जगहों में जाकर शिलापट के माध्यम

सुधीर कुमार
जिला पंचायत अधिकारी

पुलकित गर्ग
जिलाधिकारी, चित्रकूट

अशोक जाटव
जिला पंचायत अध्यक्ष
चित्रकूट

अमृत विचार

कानपुर, रविवार 23 नवंबर 2025

कन्नौज-फर्रुखाबाद

न्यूज ब्रीफ

छात्र व छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

छिबरामऊ। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर हीरालाल वीएन इंटर कॉलेज में तहसील स्तरीय निबंध, चित्रकला एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता में तहसील के विभिन्न विद्यालयों से 21 प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। स्वतंत्रता आंदोलन में सरदार पटेल का योगदान विषय पर निबंध प्रतियोगिता में उदय प्रताप सिंह (हीरालाल इंटर कॉलेज) प्रथम, रिमझिम गुप्ता (भारतीय शिक्षा सदन, सिकंदरपुर) द्वितीय एवं वैष्णवी पाठक (हीरालाल इंटर कॉलेज) तृतीय रहे। सरदार पटेल का व्यक्तित्व एवं कृतित्व चित्रकला प्रतियोगिता में नव्या दुबे (भारतीय शिक्षा सदन) प्रथम, दिव्य ज्योति (जेडी जनता इंटर कॉलेज) द्वितीय एवं इशरत परवीन (हीरालाल इंटर कॉलेज) तृतीय स्थान पर रहीं। सरदार पटेल-भारत के एकीकरण के शिल्पकार) विषय पर वाद विवाद प्रतियोगिता में स्वाति पाल व प्रांजल सिंह ठाकुर की जोड़ी प्रथम, सूर्यांश दीक्षित व स्नेहा मिश्रा द्वितीय तथा सृष्टि यादव व इरम फातिमा तृतीय रही।

हादसे में घायल युवक की मौत,कोहराम

कन्नौज। अनियंत्रित बाइक की टक्कर से युवक घायल हो गया। उपचार के लिये जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से मेडिकल कालेज रेफर किया गया। जहां उसकी मौत हो गई। शनिवार सदर कोतवाली क्षेत्रके गांव मोहनपुर निवासी संतोष (30) पुत्र रामप्रकाश सरायमीरा में सड़क पार कर रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार बाइक ने उसे टक्कर मारदी थी। इससे वह गंभीर रुप से घायल हो गया।उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।जहां उपचार के बाद भी लाभ न मिलने पर मेडिकल कालेज रेफ़र कर दिया गया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

जरूरतमंद बच्चों को बांटे कपड़े

छिबरामऊ। भारतीय समाज सशक्तिकरण संगठन द्वारा प्राथमिक विद्यालय भरौली में जरूरतमंद बच्चों को सर्दी से बचाव के लिए इनर और पजामा वितरित किए गए। मुख्य अतिथि एवं संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेन्द्र शर्मा ने कहा कि शिक्षा के प्रति जागरूक समाज ही सच्ची तरक्की कर सकता है। अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को नियमित विद्यालय भेजें और उनकी शिक्षा पर पूरा ध्यान दें। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ शिक्षक कुलदीप यादव ने किया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं एसएमसी अध्यक्ष मुनीष गुप्ता, समाजसेवी विजय गिहार, रवि यादव, जितेंद्र कुमार, शिवदीप, सूरज तिवारी, सुखराज सिंह, सृष्टि माथुर आदि मौजूद रहे।

40 लीटर शराब और 250 किलो लहन नष्ट

कायमगंज। कायमगंज में अवैध शराब के खिलाफ चल रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत आबकारी विभाग ने शनिवार को नरसिंहपुर गांव में कार्रवाई की। आबकारी आयुक्त के आदेश और जिलाधिकारी के निर्देश पर जिला आबकारी अधिकारी जीपी गुप्ता के पर्यवेक्षण में क्षेत्र-2 के आबकारी निरीक्षक सुधांशु चौधरी ने टीम के साथ दबिश दी। दबिश के दौरान 40 लीटर अवैध कच्ची शराब और 250 किलोग्राम लहन बरामद किया गया, जिसे मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। विभाग का कहना है कि जनपद में अवैध मदिरा के निर्माण, बिक्री और परिवहन की रोकथाम के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा। इस मौके पर कई लोग मौजूद रहे।

खराब कार्य करने पर दी चेतावनी बेहतर मिले बीएलओ को सम्मान

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के तहत तीनों विधानसभा क्षेत्र में चिह्नित किए गए बीएलओ

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। जिला निर्वाचन अधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के तहत खराब कार्य करने वाले बीएलओ को चेतावनी पत्र जारी करने के निर्देश दिए हैं। दूसरी ओर बेहतर कार्य करने पर सम्मानित भी किया गया है।

बताया गया है कि 196-छिबरामऊ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में प्राथमिक विद्यालय पृथ्वीपुर खुबरियापुर कक्ष नंबर 01 की बीएलओ दुर्गेश दीक्षित (अनुदेशक) एवं प्राथमिक विद्यालय पुराबोझ की बीएलओ मित्रसेन वर्मा (शिक्षामित्र) व रामकृष्ण आर्य म्यूनिसिपल कक्ष इण्टर कॉलेज गुरसहायगंज कक्ष नम्बर 02 की बीएलओ पूनम गुप्ता (अनुदेशक) की ओर से गणना प्रपत्र में धीमी प्रगति पायी गई। इसी प्रकार 197- तिर्वा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में प्राथमिक विद्यालय नगला सहोरा की बीएलओ सुमन (आंगनवाड़ी कार्यकत्री) एवं प्राथमिक विद्यालय पूराराय की बीएलओ कुलदीप सिंह (रोजगार सेवक) व प्राथमिक विद्यालय मनिकापुर की बीएलओ अनुज कुमार (सहायक अध्यापक) के गणना प्रपत्रों में प्रगति कम मिली। 198- कन्नौज विधानसभा क्षेत्र में कन्या प्राथमिक विद्यालय बेहटा कक्ष नम्बर 03 की बीएलओ सुनीता कटियार (आंगनवाड़ी कार्यकत्री) एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय अनौगी कक्ष नम्बर 02 की बीएलओ वन्दना (आंगनवाड़ी कार्यकत्री) व कम्पोजिट विद्यालय सिकरोरी की बीएलओ मन्नो देवी के गणना प्रपत्र का काम कम मिलने पर उपरोक्त सभी बीएलओ को चेतावनी जारी करने के निर्देश दिये।

बीएलओ को सम्मानित करते एसडीएम तिर्वा राजेश कुमार, बीईओ उमर्दा विपिन कुमार व बीडीओ सोनिया श्रीवास्तव। अमृत विचार

> पुनरीक्षण कार्य में बीएलओ महत्वपूर्ण कड़ी है। ऐसे में जो भी बीएलओ उत्कृष्ट कार्य करते हैं, उन्हें सम्मानित करना अत्यंत आवश्यक है।
>
> **-आशुतोष मोहन अग्निहोत्री**
> जिला निर्वाचन अधिकारी

इनको किया गया सम्मानित: उत्कृष्ट कार्य करने वाले 196-छिबरामऊ विधानसभा क्षेत्र में कन्या प्राथमिक विद्यालय सिलुआपुर कक्ष नम्बर 02 के बीएलओ रंजीत सिंह पाल (स.अ.), प्राथमिक विद्यालय पिडारी खेड़ा बूथ संख्या-296 की बीएलओ विमला देवी व प्राथमिक विद्यालय टिकुरियन की बीएलओ गीता (आंगनवाड़ी कार्यकत्री) ने सर्वाधिक गणना प्रपत्र भरवाये। 197- तिर्वा विधानसभा क्षेत्र में कम्पोजिट विद्यालय नया भवन उमरन कक्ष नम्बर 02 के बीएलओ लल्लन बाबू (रोजगार सेवक), कम्पोजिट विद्यालय नया भवन उमरन कक्ष नम्बर 03 के बीएलओ राजीव यादव (अनुदेशक) व प्राथमिक विद्यालय अमृतपूर्वा के बीएलओ देवेश कुमार (रोजगार सेवक) ने सर्वाधिक गणना प्रपत्र भरवाये हैं। इसी क्रम में 198-कन्नौज विधानसभा क्षेत्र में प्राथमिक विद्यालय नेरा की बीएलओ मैसर बानो (आंगनवाड़ी कार्यकत्री) एवं कम्पोजिट विद्यालय महमूदपुर बीजा की बीएलओ ओमप्रभा (आंगनवाड़ी कार्यकत्री) व प्राथमिक विद्यालय मित्रसेनपुर की बीएलओ रामा देवी (शिक्षामित्र) ने मतदाताओं के सर्वाधिक गणना प्रपत्र भरवाने की वजह से अंगवस्त्र और माला पहनाकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर एसडीएम तिर्वा राजेश कुमार, बीईओ उमर्दा विपिन कुमार व बीडीओ सोनिया श्रीवास्तव मौजूद रहीं।

सपाइयों ने जयंती पर धरती पुत्र मुलायम को किया याद

कार्यालय संवाददाता कन्नौज/ छिबरामऊ/तिर्वा

अमृत विचार। सपा संस्थापक और प्रदेश के पूर्व मुख्य मंत्री स्व. मुलायम सिंह यादव की जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्यालय में सपाइयों ने केक काट कर व चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। पूरे जिले में आयोजन हुए।

शनिवार को सपा कार्यालय में सपाइयों ने सबसे पहले पार्टी संस्थापक व पूर्व रक्षा मंत्री के चित्र पर पुष्प अर्पित किये। केक काटी गई और मुलायम के जीवन पर प्रकाश डाला गया। जिलाध्यक्ष कलीम खां की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में प्रवक्ता विजय द्विवेदी ने कहा कि नेता जी की जयंती पर सभी को मिल कर 2027 में सरकार बनाने का संकल्प लेना चाहिये। इसके अलावा एसआईआर के तहत सभी मतदाताओं को अपने फार्म भरवा कर जमा करना चाहिये। इस मौके पर पूर्व विधायक कल्यान सिंह दोहरे, हसीब हसन, दरोगा कटियार, यश दोहरे, गणेश दुबे, नेम सिंह यादव, श्याम सिंह यादव, मसूद भुट्टो, वजरंग सिंह चौहान, राघव तिवारी, रजनी कांत यादव, समेत कई सपाई मौजूद रहे।

छिबरामऊ प्रतिनिधि के अनुसार पूर्व सपा विधायक अरविन्द सिंह यादव ने अपने कैंप कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में कहा, नेताजी की जयंती हम सबके लिए 'समाजवादी मूल्यों' के प्रति अपने संकल्पों को दोहराने का 'शपथ-दिवस' है। कहा आज जन-जन में जो सामाजिक चेतना और जागरूकता आई है, उसकी ज़मीन नेताजी और उनके साथ के समर्पित लोगों ने ही तैयार की थी। इस अवसर पर प्रदेश महासचिव प्रताप सिंह यादव, विधानसभा अध्यक्ष उमेश पाल, आदिल परवेज, राशिद फारुकी, संतोष गुप्ता, राय सिंह, मोनू चौहान, अलोक दुबे, गोविंद एडवोकेट, मीडिया प्रभारी अंकुर सिंह यादव, स्वदेश पाल, हिमांशु सिंह, मुकेश शाक्य व भोला यादव आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

छिबरामऊ में मुलायम सिंह की जयंती मनाते पूर्व विधायक अरविंद सिंह यादव व अन्य।

तिर्वा प्रतिनिधि के अनुसार जयंती पर इंदरगढ़ के त्रिलोकपुर स्थित क्रांतिकारी शिक्षा सदन इंटर कॉलेज में सेवानिवृत सैनिकों के सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के आयोजक तिर्वा विधान सभा से सपा के प्रत्याशी रहे इं. अनिल पाल ने क्षेत्र के सभी सेवानिवृत सैनिकों को सम्मानित किया। इसी प्रकार कस्बा के निजी प्रतिष्ठान पर जयंती मनाई गई। प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर अवनीश यादव, मेराज खान, जयप्रकाश, राजीव यादव, रोहित, जुबेर, सभासद अवनीश पटेल, बिट्टू सिद्दीकी, प्रदीप, जानू पाल, पुष्पेंद्र एवं अनिल सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आधी-अधूरी तैयारी से बनाई जा रही वोटर लिस्ट : अखिलेश

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। शादी समारोह में शामिल होने आये सपा सांसद व पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि आधी अधूरी तैयारी के बीच चुनाव आयोग नई वोटर लिस्ट तैयार करा रहा है। इससे हजारों की तादाद में मतदाताओं के वोट कट जायेंगे।

वह कन्नौज में एक कार्यकर्ता के शादी समारोह में शामिल होने आये थे। इस दौरान पत्रकारों से उन्होंने कहा कि भाजपा 2024 के लोक सभा चुनाव में जिन विधान सभा में हारी वहां पर 50-50 हजार वोट काटने का काम किया जा रहा है। पश्चिम बंगाल में भी चुनाव आयोग यही करने की तैयारी कर रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में चुनाव आयोग की गाइड लाइन के अनुसार काम नहीं किया जा रहा है। बीएलओ व बीएलए को ट्रेनिंग ही नहीं दी गई है। उनको काम सौप दिया गया है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को भेजा गया है कि प्रदेश में 99.48 फीसदी फार्म बांटने की सूचना दी गई है। जबकि हकीकत में फार्म बांटे ही नहीं गये हैं। बीएलओ व बीएलए को जानकारी ही नहीं दी गई है कि फार्म को किस तरह भरवा कर जमा कराना है। यदि फार्म में गलती हुई तो मतदाता का पहचान पत्र ही नहीं बनेगा। इससे वह वोट डालने का हकदार नहीं होगा। इस मौके पर पूर्व चेयरमैन सुनील गुप्त मुन्ना भइया, जिलाध्यक्ष कलीम खान, सयुस प्रदेश उपाध्यक्ष हसीब हसन, पूर्व विधायक कल्यान सिंह दोहरे, राजेश यादव, श्याम सिंह, योगेश शर्मा, मनोज दीक्षित, नितिन यादव शिब्बू तिवारी समेत कई सपाई मौजूद रहे।

शहर में एक शादी समारोह में आये कन्नौज सांसद अखिलेश यादव व मौजूद सपाई।

बच्चों ने सीखा कौशल निखारने का 'हुनर'

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। जिलेभर के उच्च प्राथमिक स्कूल, कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय और कंपोजिट विद्यालयों में कक्षा 06 से 08 तक के बच्चों के लिए शनिवार का दिन उत्साह, मस्ती व कौशल बढ़ाने के नाम रहा। आनंदमय वातावरण में उन्होंने अपना हुनर दिखाया। विशेषज्ञों ने भी विद्यार्थियों को बारीकियां बताईं।

सदर ब्लॉक क्षेत्र के मित्रसेनपुर गांव स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में कार्यक्रम की शुरुआत बीएसए संदीप कुमार की देखरेख में हुई। छात्राओं ने जहां कपड़ों में रंग भरने की बारीकियां सीखकर दूसरों को बताईं तो कढ़ाई कला भी सीखी। साथ ही बैंड बजाकर अतिथियों व अधिकारियों का स्वागत किया। आंवला का मुरब्बा व आर्ट भी बनाकर दिखाई। बालिकाओं ने बताया कि उनको अच्छी तरह से शिक्षा दी जा रही है इससे सीखने का मौका मिल रहा है।

कबाड़ से कठपुतली बनाकर छात्राओं ने सहपाठियों को हंसाया। नोडल आशुतोष दुबे ने बताया कि बीएसए की देखरेख में प्रशिक्षण देने के लिए टीम सक्रिय की गई है। ट्रेनर में प्रधानाध्यापक गुंजन भदौरिया, सहायक अध्यापक स्नेहलता द्विवेदी, रितम चतुर्वेदी, अतुल दीक्षित, सुमित गुप्ता, संदीप यादव व रोशनी दुबे शामिल हैं। इस मौके पर सहायक वित्त एवं लेखाधिकारी अमित कुमार, डॉ. पवन श्रीवास्तव, डीसी बालिका रोहित तिवारी, प्रधानाचार्य रमा दीक्षित व प्रभारी वार्डन नीरज दीक्षित मौजूद रहीं।

रंग भरने के बाद कपड़े दिखातीं छात्राएं, साथ में खड़े बीएसए संदीप कुमार व अन्य लोग। अमृत विचार

इस वजह से हो रहे हैं आयोजन

- बीएसए संदीप कुमार ने बताया कि स्कूल शिक्षा महानिदेशक मोनिका रानी ने पत्र जारी कर कहा है कि नवंबर के तीसरे व चौथे शनिवार, दिसंबर के पहले, दूसरे, तीसरे व चौथे, जनवरी के तीसरे व चौथे और फरवरी के पहले व दूसरे शनिवार को बैगलेस दिवस मनेगा। पुस्तकों के बिना बैग के राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत कुल 10 दिवस विद्यार्थियों में कौशल निर्माण, श्रम की गरिमा एवं भारतीय हस्तशिल्प कला को प्रोत्साहन दिया जाएगा। साथ ही ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं पर्यटन महत्व के स्थानों के बारे में जागरूक किया जाएगा। बताया गया है कि आनंदमय वातावरण, अनुभवात्मक शिक्षा, समग्र विकास, कौशल विकास, सामुदायिक जुड़ाव, व्यवसायिक उन्मुखीकरण व राष्ट्रीय संकल्पना के तहत जानकारी दी।

बूथ एजेंट की सूची देने में बसपा सबसे आगे

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। फतेहगढ़ में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 (एसआईआर) के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। इस बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

बैठक का मुख्य उद्देश्य बूथ लेवल एजेंटों की नियुक्ति और मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में सहयोग पर चर्चा करना था। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बैठक में उपस्थित सभी राजनीतिक दलों को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने मतदाताओं को जागरूक करने और उनसे गणना प्रपत्र भरवाकर बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को जमा कराने का अनुरोध किया। उप जिलाधिकारी, सदर ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को गणना प्रपत्र भरने की प्रक्रिया के बारे में पूरी जानकारी प्रदान की।

बैठक में मौजूद अधिकारी। अमृत विचार

यह सुनिश्चित किया गया कि सभी दल पुनरीक्षण कार्य को सही ढंग से समझें और उसमें सक्रिय रूप से भाग लें। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 21 नवंबर तक विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा बूथ लेवल एजेंटों की सूची कार्यालय में उपलब्ध करा दी गई है। समाजवादी पार्टी ने 781, भारतीय जनता पार्टी ने 1490, बहुजन समाज पार्टी ने 1531 और कांग्रेस पार्टी ने मात्र 56 बूथ लेवल एजेंटों की सूची सौंपी है। बैठक के अंत में, उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी राजनीतिक दलों से अधिक से अधिक बूथ लेवल एजेंट नियुक्त करने और विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्य में सक्रिय सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया।

नगर पालिका परिषद, औरैया

स्वच्छ भारत सुंदर औरैया

अमृत विचार की वर्षगांठ के शुभ अवसर 6 वीं पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं

नगर को स्वच्छ सुंदर व हरा-भरा बनाए रखने के लिए नगर की जनता से अपेक्षा करती है।

1- नगर स्वच्छ बनाए रखने हेतु कूड़ा, नाले/नालियों में न डालकर नियत स्थानों पर ही डाले।
2- नलों को खुला न छोड़ें, पानी को व्यर्थ न बहाएं, क्योंकि पानी अमूल और सीमित है।
3- अपने करों/शुल्कों की अदायगी समय से करें।
4- सड़कों/नालों एवं फुटपाथ पर अतिक्रमण न करें।
5- नये/पुराने भवनों में जल प्रभावित शौचालय का निर्माण करायें।
6- पार्कों को स्वच्छ बनाये रखें एवं पौधों को नुकसान न पहुंचाएं।
7- घरेलू पशुओं को आवारा न छोड़े और न ही सड़कों/फुटपाथों पर बांधे।
8- जन्म-मृत्यु का पंजीकरण अवश्य करायें।
9- स्वच्छ भारत मिशन के अंर्तगत अपने घरों के आसपास कूड़ा न फेंके एवं खुले में शौच न जाएं।
10- कूड़े को कद्यापि न जलाएं, जिससे वायु प्रदूषण से बचा जा सके।

राम असारे कमल
अधिशाषी अधिकारी

अनूप कुमार गुप्ता
नगर पालिका अध्यक्ष

समस्त सभासदगण

आयोजन | मेजर एसडी सिंह विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय फार्मेसी सप्ताह के अन्तिम दिन विशेष सत्र

विद्यार्थियों को एचपीटीएलसी के औषधीय महत्व को समझाया

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। मेजर एसडी सिंह विश्वविद्यालय के फार्मेसी संकाय में राष्ट्रीय फार्मेसी सप्ताह के समापन दिवस पर आयोजित विशेष सत्र में विद्यार्थियों को आधुनिक फार्मास्यूटिकल तकनीकों के बारे में अवगत कराया गया। कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं ने एचपीटीएलसी जैसी उन्नत विश्लेषणात्मक विधि के वैज्ञानिक महत्व, उसकी प्रक्रिया और औषधीय गुणवत्ता नियंत्रण में उसके व्यापक उपयोग को समझा।

फार्मेसी सभागार में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती लैंग्वेज यूनीवर्सिटी लखनऊ में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अमृता यादव ने कहा कि एचपीटीएलसी (हाई परफॉर्मेंस थिन लेयर क्रोमैटोग्राफी) आधुनिक फार्मास्यूटिकल साइंस की ऐसी प्रमुख विश्लेषणात्मक तकनीक है, जिसने औषधीय अनुसंधान, गुणवत्ता नियंत्रण और फाइटोकैमिस्ट्री में नवीन संभावनाओं के द्वार खोले हैं। उन्होंने कहा कि आज के समय में जड़ी-बूटी, कच्चे ड्रग, फार्मास्यूटिकल प्रॉडक्ट, न्यूट्रास्यूटिकल्स और कॉस्मेस्यूटिकल्स की गुणवत्ता सुनिश्चित करने में एचपीटीएलसी एक अत्यंत विश्वसनीय, तीव्र और लागत-प्रभावी तकनीक के रूप में उभरकर सामने आई है। डॉ. यादव ने विद्यार्थियों को बताया कि एचपीटीएलसी न केवल किसी भी सैंपल के केमिकल प्रोफाइल की स्पष्ट पहचान करती है, बल्कि यह विभिन्न घटकों के पृथक्करण, मात्रात्मक विश्लेषण और तुलना को भी बेहद सरल बनाती है। उन्होंने कहा कि यह तकनीक विशेष रूप से हर्बल और आयुर्वेदिक दवाओं के मानकीकरण के लिए सबसे प्रभावी मानी जाती है क्योंकि यह पौधों में उपस्थित जटिल रासायनिक मिश्रणों को अलग-अलग बैंड के रूप में स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करती है। डीन डॉ. बिन्दु राठौर ने अतिथि वक्ता डॉ.अमृता यादव का शाल ओढ़ाकर व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि डॉ. यादव सभागार के बाहर कॉरीडोर में विद्यार्थियों द्वारा बनाये गए फार्मेसी मॉडलों का भी अवलोकन किया। उन्होंने विभिन्न मॉडलों के कार्य उनके महत्व व अन्य विषयों पर प्रश्न पूछकर विद्यार्थियों की प्रतिभा को परखा। इस अवसर पर डीन डॉ. बिन्दु राठौर, डॉ.पुष्पेन्द्र बरदिया, रिंकेश कुमार, सुमित कुमार, विवेक आर्य, डॉ.नेहा सिंह, महेन्द्र शर्मा, सूर्यकांत शुक्ला, जयन्त मिश्रा आदि भी मौजूद रहे।

मॉडलों का डीन डॉ बिंदु राठौर के साथ अवलोकन करतीं मुख्य अतिथि डॉ अमृता यादव।

आज का मौसम

रविवार को मौसम खुला रहेगा तथा दिन का तापमान अधिक रहेगा।

25.0°	12.0°
अधिकतम तापमान	न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06 : 33	सूर्यास्त 05 : 18

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

अलग-अलग सड़क हादसों में दो युवकों की मौत

ठठिया थाना क्षेत्र के गांव मठकेपुर्वा के पास और सौरिख में हुईं दुर्घटनाएं

संवाददाता तिर्वा/सौरिख

अमृत विचार। ठठिया और सौरिख थाना क्षेत्रों में हुए अलग-अलग सड़क हादसों में दो युवकों की मौत हो गई। इससे परिजनों में कोहराम मच गया।

तिर्वा संवाददाता के अनुसार इंदरगढ़ थाना क्षेत्र के गांव पट्टी नेकरामपुर्वा उमर्दा निवासी मनीष कुमार उर्फ पिन्टू(22) पुत्र कायम सिंह शनिवार की सुबह अपनी बाइक लेकर उमर्दा से नहर मार्ग होते हुए उत्तरीपूरा मामा की तेरहवीं में शामिल होने जा रहा था। जैसे ही वह बाइक लेकर मठकेपुर्वा गांव के निकट पहुंचा उसी समय सामने से तेज रफ्तार से आ रही गैस सिलेंडर लदी पिकअप ने बाइक में टक्कर मार दी। इससे वह बाइक समेत सड़क पर गिर पड़ा। इससे वह गंभीर रुप से घायल हो गया। दुर्घटना देख आसपास के लोग मौके पर पहुंच गये। लोग जब तक उसे अस्पताल भेजने की व्यवस्था करते तब तक उसकी मौत हो गई। दुर्घटना की जानकारी स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की। इस के बाद मृतक के परिजनों को घटना की जानकारी दी। जानकारी पर परिजन मौके पर पहुंचे।

ठठिया थाना क्षेत्र में युवक की मौत के बाद घटना स्थल पर लगी लोगों की भीड़।

सौरिख संवाददाता के अनुसार थाना सकरावा क्षेत्र के गांव शरीफपुर गांव निवासी इदरीस अली पुत्र हैदर अली (35) मेहनत मजदूरी करके अपने परिवार का भरण पोषण करता था। शुक्रवार की सुबह मजदूरी करने जा रहा था। तभी ट्रैक्टर की ट्राली की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर आए जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में तिर्वा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। देर रात उपचार के दौरान मेडिकल कॉलेज में इदरीस अली ने दम तोड़ दिया। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में चीख पुकार मच गई।

महिला को कार ने मारी टक्कर, पैर टूटा

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

- श्यामपुर गांव जाते समय दौलतपुर तिराहे पर हुई दुर्घटना

अमृत विचार। ठठिया कस्बा के खैरनगर तिराहा, दौलतपुर में तेज रफ्तार चार पहिया वाहन ने सड़क किनारे खड़ी महिला को टक्कर मार दी। इससे महिला का एक पैर टूट गया। टक्कर मारने के बाद चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया।

ठठिया थाना क्षेत्रके गांव भिखनीपुरवा निवासी अफरोज अपने पति इकबाल के साथ थाना क्षेत्र के गांव श्यामपुर जा रही थी। ठठिया कस्बे के खैरनगर तिराहा दौलतपुर में इकबाल ने अपनी बाइक सड़क किनारे खड़ी कर दी और कुछ सामान की निकट में दुकान पर खरीददारी करने लगे। पत्नी अफरोज बाइक के पास ही सड़क किनारे खड़ी होकर पति की प्रतीक्षा करने लगी। इसी बीच खैरनगर की ओर से तेज रफ्तार आ रहे चार पहिया वाहन ने अफरोज को जोरदार टक्कर मार दी। इससे वह सड़क पर गिर गईं। दुर्घटना देख आसापास के लोग दौड़े लेकिन इससे पहले चार पहिया वाहन का चालक वाहन लेकर फरार हो गया। स्थानीय लोगों का कहना था कि वाहन अलियापुर गांव से जा रही एक बारात की सजी हुई कार बताईजा रही है। इस के बाद महिला के पति व लोगों ने घायल महिला को उठाया तो देखा कि उनका एक पैर टूट गया है। स्थानीय लोगों की मदद से अफरोज को राजकीय मेडिकल कॉलेज तिर्वा भेजा गया।

सफाई अभियान चला कर ली स्वच्छता की शपथ

जलालाबाद। स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत पीएमश्री उच्च प्राथमिक कम्पोजिट विद्यालय गुगरापुर में शिक्षकों एवं अभिभावकों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई।

शनिवार को हुए आयोजन में विद्यालय परिसर व बाहर सफाई अभियान चलाया। इंचार्ज प्रधानाध्यापक राकेन्द्र सक्सेना ने बताया कि छात्र, छात्राएं विद्यालय के साथ-साथ घर और मोहल्ले में भी स्वच्छ रका ध्यान रखें।इस अवसर पर एसएमसी अध्यक्ष राजनारायण सिंह, पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्यामप्रात सिंह भदौरिया, इंचार्ज प्रधानाध्यापक राकेंद्र सक्सेना, रामकिशोर सिंह, नीरज यादव, ऋषि कुमार, लोकेश कुमार, अनिल कुमार, अनामिका पाण्डेय, अभय कुमार, सुदेश कुमार सहित शिक्षक व अभिभावक रहे।

न्यूज ब्रीफ

दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद आरोपी गिरफ्तार

सौरिख। युवक ने महिला के घर में घुसकर उसके साथ दुष्कर्म किया। महिला की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करते हुए घटना के दूसरे दिन आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। थाना क्षेत्र के गांव काकरकुई निवासी अनीता देवी पत्नी अजय कुमार दिवाकर ने बताया, 20 नवंबर की रात करीब 11 बजे जब वह अपने घर पर लेटी थी तभी मकान की छत से गांव का सोनू ठाकुर पुत्र जगमोहन घर में आ गया। उसे जबरदस्ती पकड़ कर गलत काम करने लगा। जब वह चिल्लाई तो उसने जान से मारने की धमकी दी और वहां से भाग गया। पुलिस ने पीड़ित महिला की तहरीर पर मामला पंजीकृत करते हुए घटना के दूसरे दिन आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। मामले की जांच कर रही है।

गेंहू तथा सरसों के बीज का नि:शुल्क वितरण

तिर्वा। किसानों की आय बढ़ाने तथा आर्थिक रूप से सबल करने के उद्देश्य से शनिवार को विकास खंड स्थित राजकीय बीज गोदाम में किसानों की नि :शुल्क बीज वितरण का आयोजन किया गया। पहले आओ पहले पाओ की तर्ज पर लाटरी से किसानों का चयन किया गया। इसके बाद भाजपा के जिलाध्यक्ष वीर सिंह भदौरिया, ब्लाक प्रमुख अजय वर्मा ने 15 किसानों को 10 क्विंटल गेहूं तथा 25 किसानों को 50 किलोग्राम सरसों का बीज निशुल्क प्रदान किया। बीज गोदाम प्रभारी ने बताया कि उन्नत किस्म के गेहूं तथा सरसों के बीज पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। किसान बीज लेने के शीघ्र रजिस्ट्रेशन करवा लें। इस अवसर पर डिप्टी डायरेक्टर कृषि संतोष कुमार यादव, एडीओ एजी आलोक कुमार, बीज प्रभारी केशव दुबे, क्षेत्र पंचायत सदस्य एड. सतेंद्र राजपूत, दिनेश वर्मा मौजूद रहे।

अधिवक्ताओं ने पूर्व मुख्यमंत्री को याद किया

कन्नौज। तहसील सदर परिसर में अधिवक्ताओं व अन्य लोगों ने मिलकर पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की 85वीं जयंती मनाई। उनका चित्र रखकर पुष्पमलाएं अर्पित कीं। अधिवक्ता यादवेंद्र किशोर यादव की ओर से आयोजित हुए इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दरोगा कटियार व विशिष्ट अतिथि रुचि तिवारी एडवोकेट ने पूर्व मुख्यमंत्री के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर आराध्या तिवारी, महेंद्र सिंह, प्रताप सिंह, अंकित सिंह, अमित यादव व अंकित अवस्थी मौजूद रहे।

सौरिख थाने में शिकायत सुनते जिला अधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक।

गुरसहायगंज कस्बा प्रभारी को ज्ञापन सौंपते किसान नेता। अमृत विचार

अधिकारी नदारद, थाना प्रभारी ने सुनी फरियाद

कार्यालय संवाददाता कन्नौज/ सौरिख/गुरसहायगंज

- सौरिख थाना समाधान दिवस पर डीएम, एसपी ने जनता की सुनी फरियाद
- स्टेडियम में गंदगी देखकर भड़के जिलाधिकारी, नदारद मिले क्रीड़ा अधिकारी

अमृत विचार। थाना समाधान दिवस में अधिकारियों के न पहुंचने पर कोतवाल ने जनता की फरियाद सुनी। लेखपाल भी गायब रहे। जिलाधिकारी व एसपी ने सौरिख थाने में जनता की फरियाद सुनी। इसके बाद स्टेडियम का औचक निरीक्षण भी किया।

कन्नौज कोतवाली में किसी अधिकारी के न पहुंचने पर कोतवाली प्रभारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने फरियादियों की शिकायतें सुनी। किसी अधिकारी के न पहुंचने से फरियादी मायूस दिखे। उनका कहना था कि वह इससे पहले कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र दे चुके हैं पर अभी तक निस्तारण नहीं हुआ। इसीलिये अधिकारियों से गुहार लगाने आये थे पर वह नहीं मिले।

सौरिख प्रतिनिधि के अनुसार शनिवार को सौरिख थाने में ता डीएम आशुतोष मोहन अग्निहोत्री व एसपी विनोद कुमार ने फरियादियों की शिकायत सुनी। शिकायतों में भूमि विवाद, रास्ते के विवाद, घरेलू झगड़े, आदि से जुड़ी कई समस्याएं शामिल रहीं। डीएम ने मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी भी फरियादी को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए, प्रत्येक मामले का समयबद्ध निस्तारण किया जाये। उन्होंने राजस्व विभाग व पुलिस टीम को चेताया कि शिकायतों पर विलंब पाया गया तो संबंधित कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जायेगी। डीएम ने सौरिख के स्टेडियम का औचक निरीक्षण किया। इस में गंदगी व कई अनिमितितायें मिली। टूटी टिनशेड, फील्ड में घास व फैली गंदगी को देखकर साफ सफाई के दिशा निर्देश दिए। इस दौरान स्टेडियम में सिर्फ एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी था। क्रीड़ा अधिकारी नूर हसन तथा कोच मौजूद नहीं थे। फोन पर क्रीड़ा अधिकारी व्यवस्था को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। एसपी विनोद कुमार ने थाना स्टाफ को स्पष्ट निर्देश दिए कि थाना दिवस केवल औपचारिकता नहीं है, बल्कि इसका मकसद पीड़ितों को राहत देना है। थाना दिवस में आई 10 शिकायतों में 8 राजस्व की 2 पुलिस विभाग संबंधित शिकायतों में लगभग 05 शिकायतों का मौके पर निस्तारण हुआ। 05 शिकायतों के लिए संबंधित राजस्व विभाग के अधिकारियों व लेखपाल को दिशा निर्देश दिए गए।

गुरसहायगंज प्रतिनिधि के अनुसार भारतीय किसान यूनियन स्वराज युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह राठौर व भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति जिलाध्यक्ष हाशिम अली ने शनिवार को कार्यकर्ताओं के साथ थाना दिवस में पहुंच कर समस्याओं से संबंधित ज्ञापन कस्बा प्रभारी दीपक चौधरी को सौंपा। इस में कहा कि गुरसहायगंज सहकारी समिति पर दलालों का बोलबाला है। जो कि समिति के कर्मचारियों के साथ मिलीभगत कर खाद का स्टॉक अपने कब्जे में लेकर किसानों को मनचाहे दामों पर दे रहे हैं। ग्राम खाड़ेदेवर में नवीन परती की सरकारी भूमि पर भू माफिया किस्म के व्यक्ति द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर भवन निर्माण किया गया है। चकोर गली मोड़ पर जर्जर भवन कभी भी हादसे का कारण बन सकता है। राजस्व व पालिका द्वारा पुष्टि के बाद भी ध्वस्तीकरण नहीं किया जा रहा है। कोतवाली के निकट स्थित टैक्सी स्टैंड एवं उसके सामने सरकारी भूमि पर अवैध अतिक्रमण व कब्जा मुक्त कराने आदि की मांगे रखी।

टीम ने दो दिन में पकड़े 100 बंदर

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। लंबी प्रतीक्षा के बाद आखिरकार अभियान शुरू हो गया। दो दिन में टीम की ओर से करीब 100 बंदर पकड़े जाने की बात कही गई है।

बता दें कि इन दिनों जिले के शहरी से लेकर ग्रामीण तक इलाकों में बंदरों का खासा आतंक है। इससे लोग खासे परेशान हैं। सबसे ज्यादा दिक्कत रोडवेज बस स्टेशन, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, कलेक्ट्रेट रोड/परिसर, जिला अस्पताल कैंपस में है जहां बंदरों की टोली हर समय विचरण करतीं हैं। नगर पालिका परिषद की ओर से बंदरों को पकड़वाने की पहल की गई है। अधिशासी अधिकारी श्यामेंद्र मोहन चौधरी ने बताया कि टीम जिले में गुरुवार की शाम आ गई थी। शुक्रवार से बंदरों के पकड़ने का अभियान शुरू किया गया है। अब तक टीम ने पिंजरा लगाकर करीब 100 बंदरों को पकड़ लिया है। शनिवार को कलेक्ट्रेट परिसर, रोड, ट्रांजिट हॉस्टल और विनोद दीक्षित चिकित्सालय परिसर में टीम की ओर से अभियान चलाया गया। जब तक सभी बंदरों को नहीं पकड़ लिया जाता तब तक जिले में रहकर टीम अभियान चलाती रहेगी।

पिंजरे में बंद किए गए बंदर। अमृत विचार

पहल सीसी रोड किनारे लगाई गईं लाइटों वाले खंभो में त्रिशूल, डमरू व ऊं

दौलेश्वर मंदिर मार्ग पर दिखेंगे सजावटी लैम्प पोस्ट

बाबा दौलेश्वर मार्ग पर होता सीसी रोड का निर्माण कार्य। अमृत विचार

मार्ग किनारे लगी लाइटों में बने त्रिशूल, डमरू व ओम। अमृत विचार

संवाददाता, तिर्वा

अमृत विचार। कस्बा स्थित बाबा दौलेश्वर मंदिर की ओर जाने वाले मार्ग का निर्माण कार्य इन दिनों जोरों से चल रहा है। सीसी रोड किनारे लगाए गए लाइटों वाले खंभों में त्रिशूल, डमरू व ऊं की आकृतियां भी बनीं हैं। इससे धार्मिक छटा बिखरेगी।

मंदिर मार्ग कई सालों से टूटा फूटा था। बारिश में यहां जलभराव व कीचड़ हो जाता था। राहगीरों व श्रद्धालुओं को निकलने में मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा था। यह समस्याएं अब नहीं रहेंगी। सीसी रोड का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। नगर पंचायत अध्यक्ष मिताली गुप्ता के प्रतिनिधि सौरभ गुप्ता ने बताया कि करीब 400 मीटर का निर्माण कार्य दो-तीन दिनों में पूरा हो जाएगा। प्रस्ताव स्वीकृत होने के बाद सीसी रोड का निर्माण कार्य शुरू करा दिया गया है। कार्यदायी संस्था को गुणवत्ता पूर्ण तथा मानक के अनुसार कार्य निर्धारित समय में पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्माण कार्य शुरू होने पर नगर वासियों के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों में भी खुशी है। इसी मार्ग से लोग मंदिर आते-जाते हैं। बस्ती के लोगों को भी राहत मिल जाएगी। लाइटों के खंभे लगने से अब रोशनी रहेगी। इन खंभें में शिवजी का त्रिशूल व डमरू के अलावा उनको याद करने वाला ऊं शब्द भी लिखा है।

CHANDIGARH UNIVERSITY
Discover. Learn. Empower.
ONE YEAR MAKES NEWS.
THREE YEARS MAKE HISTORY.
India's No. 1 Private University for Three Consecutive Years
QS UNIVERSITY RANKINGS ASIA 2026
ASIA RANK #109
Cementing its illustrious legacy of academic excellence and cutting-edge research, Chandigarh University has proudly retained its prestigious distinction as India's No. 1 Private University for the third consecutive year in the coveted QS Asia University Rankings 2026. This momentous accomplishment reflects our sustained excellence across key ranking parameters such as Academic Reputation, Employer Reputation, and International Research Network, while also reaffirming our steadfast commitment to students' success.
PLACEMENT HIGHLIGHTS 2024-25
1100+ Companies Visited for Recruitment
9000+ Placement Offers
₹1.7 CRORE Highest Package (International)
₹54.75 LAKH Highest Package (National)
REGISTER FOR cucet COMMON ENTRANCE TEST https://cucet.cuchd.in
Chandigarh University Common Entrance Test (CUCET) is a national-level, merit-based scholarship-cum-entrance exam that is mandatory for admission to Engineering, MBA, Pharmacy, MCA, LLM, and Integrated Law programs at Chandigarh University. CUCET, offering scholarships worth ₹250 crore, also presents a significant opportunity for students across all programs to secure up to a 100% scholarship for their higher education.
SCHOLARSHIPS WORTH ₹250 CRORE
Scan QR Code to Avail Scholarship
CAMPUS: NH-05, Chandigarh-Ludhiana Highway, Gharuan, Mohali, Punjab
+91 99159-99224, 1800 1212 88800 | Website: www.cuchd.in
LUCKNOW CAMPUS: Lucknow-Kanpur Highway-27, Unnao, Uttar Pradesh | www.culko.in | 96460-01222

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन
Employees' Provident Fund Organisation
श्रम एवं रोजगार मंत्रालय
Ministry of Labour & Employment
भारत सरकार | Goverment of india
क्षेत्रीय कार्यालय, कानपुर Regional Office, Kanpur
भविष्य निधि भवन, सर्वोदय नगर कानपुर 208005
Bhavishya Nidhi Bhavan, Sarvodaya Nagar- Kanpur 208005
Phone: 0512-2217464
सत्यमेव जयते
चेहरे की पहचान के माध्यम से
जीवन प्रमाण
(लाइफ सर्टिफिकेट)
अमृत विचार की 6वीं वर्षगांठ की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
स्टेप-01 कोई भी 5 एमपी फ्रंट कैमरे वाला एंडरॉयड स्मार्टफोन इंटरनेट सहित इस्तेमाल करें
स्टेप-02 पेंशन वितरण प्राधिकारी (बैंक/डाकघर/अन्य) के साथ पंजीकृत आधार संख्या तैयार रखें।
स्टेप-03 गूगल प्ले स्टोर से 'AdharFaceRd ऐप और 'Jeevan Pramaan Face' एप्लिकेशन डाउनलोड और इंस्टाल करें।
स्टेप-04 ऑपरेटर प्रमाणीकरण और ऑपरेटर का चेहरा स्कैन करें (पेंशनर ऑपरेटर भी हो सकता है)
स्टेप-05 पेंशनभोक्ता के विवरण भरें।
स्टेप-06 फ्रंट कैमरा से फोटोग्राफ खींचकर सब्मिट करें।
आपको मोबाइल संख्या पर डीएलसी जीवन प्रमाण डाउनलोड करने के लिए लिंक सहित संदेश प्राप्त होगा।
epfindia.gov.in @socialepfo @social_epfo

अमृत विचार

कानपुर, रविवार 23 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

रेलवे स्टेशन फाटक पर लगा जाम।

रेलवे फाटक खुलते ही लगा भीषण जाम

अछल्दा। दिल्ली–हावड़ा रेल मार्ग पर स्थित 13–एस क्रॉसिंग पर शनिवार शाम लगभग 4 :32 बजे फाटक खुलते ही भीषण जाम लग गया। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लगने से यातायात व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई। सहालग व शादी–समारोहों के चलते बाजारों में उमड़ी भारी भीड़ ने स्थिति को और गंभीर बना दिया। 22 नवंबर को बड़ी सहालग होने के कारण कस्बे में असामान्य रूप से लोगों की भीड़ रही, जिसके चलते हरीगंज तिराहे से लेकर रेलवे फाटक तक और दूसरी ओर थाने के सामने तक वाहनों की लंबी लाइनें लग गईं। जाम में बाइक सवारों, चार पहिया वाहनों और पैदल राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। भीड़ में कुछ बाइक सवार ओवर टेक कर निकलने लगे, जिस पर पुलिस ने रोक लगाया। इस दौरान एक युवक से पुलिस कर्मियों की कहासुनी हो गई, जिसके बाद पुलिस युवक को उसकी बाइक सहित थाने ले गई। जाम की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक पंकज मिश्रा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

ट्रक ने कार को मारी टक्कर, कार क्षतिग्रस्त

फर्रुखाबाद। राजेपुर थाना क्षेत्र के इटावा–बरेली हाईवे पर डबरी के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने कार को टक्कर मार दी। इस हादसे में कार क्षतिग्रस्त हो गई, लेकिन उसमें सवार आधा दर्जन लोग बाल–बाल बच गए। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने ट्रक चालक को पकड़ लिया। बाद में उसे राजेपुर थाने ले जाया गया, जहां पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। कार चालक ने बताया कि तेज रफ्तार ट्रक ने सामने से उनकी कार में टक्कर मारी थी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार पलटते–पलटते बची। राजेपुर थाना अध्यक्ष सुदेश कुमार ने घटना की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि ट्रक और कार के बीच टक्कर हुई है और मामले की जांच की जा रही है।

कार ने बाइक में मारी टक्कर, दंपति घायल

कायमगंज। कंम्पिल थाना क्षेत्र के गांव पलीतपुरा निवासी ओमवीर (45) अपनी पत्नी मिथलेश (42) को बाइक पर बैठाकर अलीगंज जा रहा था। कटिया नहर के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दोनों उछल कर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं आसपास मौजूद लोगों की मदद से 108 एम्बुलेंस को सूचना दी गई। एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और दंपति को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कायमगंज में भर्ती कराया गया।

युवक ने खाया जहर हालत गंभीर

कायमगंज। कोतवाली क्षेत्र के गांव झब्बूपुर निवासी भूरेलाल (45) ने संदिग्ध हालत में कीटनाशक पदार्थ का सेवन कर लिया। जब उसकी तबीयत बिगड़ने लगी तब परिजनों को जानकारी हुई। तभी परिजनों ने उसे गंभीर हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कायमगंज में भर्ती कराया। जहां प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टर ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए लोहिया अस्पताल के लिए रेफर किया।

रिक्शे से टकराई बाइक, दंपति की मौत, दो बच्चों सहित तीन घायल

फफूंद–औरैया मार्ग पर गोपालपुर चौराहे के पास हुआ हादसा, दंपति इटावा जिले के रहने वाले थे

संवाददाता, फफूंद (औरैया)

अमृत विचार। फफूंद–औरैया मार्ग पर गोपालपुर चौराहे के पास शुक्रवार शाम हुए सड़क हादसे में बाइक सवार दंपति की मौत हो गई। इसमें पति ने मौके पर जबकि पत्नी ने अस्पताल पहुंचकर दम तोड़ दिया। इनके दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। दंपति इटावा जिले के निवासी थे। हादसे में दिव्यांग रिक्शा चालक भी घायल हो गया। जिनका अस्पताल में उपचार चल रहा है।

इटावा जनपद के भरथना के गांव नगला हीरालाल निवासी तीस वर्षीय सुरजीत अपनी पत्नी श्रीवती, 7 वर्षीय पुत्र ऋषभ और 5 वर्षीय पुत्री स्वीटी के साथ दौलतपुर अनंतपुर गांव में मौसा मोहर सिंह के यहां एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक गोपालपुर चौराहे पर बने कट के पास पहुंची, उसी दौरान हाथ रिक्शा लेकर जा रहा मुढ़ी निवासी दिव्यांग युवक संदीप अचानक सड़क पार करने लगा, जिससे सामने से बाइक की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर से सुरजीत उछलकर डिवाइडर से टकरा गया जबकि बाइक पर सवार पत्नी और बच्चे सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सुरजीत के सिर में गहरी चोट आने से उसकी मौत हो गई, जबकि पत्नी श्रीवती और दोनों बच्चों को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया। उपचार के दौरान चिकित्सकों ने पत्नी श्रीवती की भी मृत घोषित कर दिया। दोनों बच्चों की हालत गंभीर है। वहीं दिव्यांग के भी चोट आईं जिसे उसके परिजन अस्पताल ले गए।

घटना स्थल पर मौजूद लोगों की भीड़। अमृत विचार

हादसे के समय सुरजीत ने हेलमेट नहीं पहना था। हेलमेट बाइक के पीछे लटका हुआ मिला, जिससे सिर पर लगी चोट ही उसकी मौत का बड़ा कारण बनी। दुर्घटना के बाद चौराहे पर कुछ देर यातायात प्रभावित रहा। ग्रामीणों ने प्रशासन से गोपालपुर चौराहे पर ट्रैफिक नियंत्रण व्यवस्था व चेतावनी संकेत लगाए जाने की मांग की है, ताकि आगे ऐसे हादसे न हों।

मतदाता समय से जमा करें फार्म

अछल्दा। मतदाता सूची को शुद्ध एवं अद्यतन करने के उद्देश्य से आदर्श इंटर कॉलेज में मतदाता प्रगाढ़ अभियान (एसआईआर) की शुरुआत की गई है। अभियान के अंतर्गत हरीगंज बाजार क्षेत्र के बीएलओ पुष्पेंद्र कुमार और मोहित कुमार घर-घर जाकर एसआईआर सर्वे से जुड़े फॉर्म वितरित कर रहे हैं।

फॉर्म में मौजूद कई कॉलम आम लोगों की समझ से परे होने के कारण अधिकांश लोगों को फॉर्म भरने में दिक्कतें आ रही हैं। इसे देखते हुए दोनों बीएलओ स्वयं लोगों को फॉर्म भरवाने में सहायता कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, दोनों बीएलओ को 11-11 सौ फॉर्म आवंटित किए गए थे। वितरण के बाद शनिवार को आदर्श इंटर कॉलेज में शिविर लगाया गया। जिसमें लगभग 40 प्रतिशत फॉर्म जमा किए गए। शेष फॉर्मों को जमा कराने के लिए बीएलओ वार्डों के सभासदों के सहयोग से घर-घर संपर्क कर रहे हैं। बीएलओ पुष्पेंद्र कुमार ने बताया कि सभी भरे हुए फॉर्म 6 दिसंबर तक जमा करना अनिवार्य है।

शहीद जवान को श्रद्धांजलि देते बीएसएफ के जवान व लोग। अमृत विचार

नम आंखों से दी बीएसएफ के जवान को अंतिम विदाई

संवाददाता, फफूंद (औरैया)

- राजकीय सम्मान के साथ हुआ अंतिम संस्कार, सड़क हादसे में गई थी जान

अमृत विचार। बीएसएफ जवान (55) हलीम खान को शनिवार को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। हलीम खान छत्तीसगढ़ के दुर्ग कोंडल में एएसआई के पद पर तैनात थे। शुक्रवार सुबह सड़क हादसे में उनका निधन हो गया था।

छत्तीसगढ़ के दुर्ग कोंडल में एएसआई के पद पर तैनात हलीम खान छुट्टी पर घर आए हुए थे। शुक्रवार सुबह अपनी साली को छोड़ने औरैया जा रहे थे। कस्बे के मुरादगंज तिराहा पर स्कूटी का पहिया स्लिप होने से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए थे। सौ शैय्या अस्पताल में उन्हें मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम हाउस से शाम सात बजे पार्थिव शरीर घर आया तो परिजनों में कोहराम मच गया। शनिवार को बीएसएफ के जवानों ने उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर राजकीय सम्मान के साथ अंतिम सलामी दी। पीर बुखारी दरगाह के पास पार्थिव देह को दफन किया गया।

पदयात्रा निकाल दिया राष्ट्रीय एकता का संदेश

संवाददाता, बिधूना

अमृत विचार। राष्ट्रीय एकता, आत्मनिर्भरता और राष्ट्रप्रेम के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से शुक्रवार को बिधूना विधानसभा क्षेत्र में सरदार पटेल की जयंती कार्यक्रम के तहत यूनिटी मार्च निकाली गई।

पदयात्रा की शुरुआत छोटे सिंह सुमित्रा कुमारी इंटर कॉलेज, बंथरा बिधूना से हुई। इस राष्ट्रीय संदेश यात्रा में भाजपा नेताओं, कार्यकर्ताओं के अलावा बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों और युवाओं ने भाग लिया। एकता की भावना दर्शाते हुए, सहभागी लोग हाथों में लगभग 100 मीटर लम्बा तिरंगा लेकर चल रहे थे, जिसने पूरे वातावरण को राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत कर दिया। इस महत्त्वपूर्ण अवसर पर, प्रकाश पाल क्षेत्रीय अध्यक्ष, सुब्रत पाठक पूर्व सांसद कन्नौज और पूर्व प्रदेश महामंत्री ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने पदयात्रा का शुभारंभ किया और समापन पर अपने प्रेरक उद्बोधन से उपस्थित जनसमूह को राष्ट्रीय एकता और विकास के लिए प्रेरित किया। इस सफल आयोजन में डॉ. सर्वेश कठेरिया यात्रा प्रभारी और जिलाध्यक्ष भाजपा, जिला पंचायत अध्यक्ष कमल दोहरे , आनंद सिंह जिला प्रभारी भाजपा, मनोज राजपूत जिला प्रभारी ओबीसी मोर्चा, जिला महामंत्री कौशल राजपूत सहित कई गणमान्य नागरिकों ने हिस्सा लिया।

यात्रा के दौरान शामिल लोग।

कलश यात्रा में गूंजे जयकारे और मंगल गीत

कार्यालय संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। नौ कुण्डीय गायत्री महायज्ञ देव प्राण प्रतिष्ठा का द्वितीय वार्षिकोत्सव आयोजन की कलश यात्रा बड़ी धूमधाम से निकाली गयी। कलश यात्रा गायत्री शक्तिपीठ खानपुर से निकलकर बजरंग मंदिर, शिव मंदिर होती हुई महाकालेश्वर मंदिर देवकली पहुंची।

प्रत्येक मंदिर में वैदिक मंत्रोचार के द्वारा सभी देव शक्तियों का विधिवत पूजन किया गया। पीत वस्त्र धारी सभी नर नारियों ने हम बदलेंगे युग बदलेगा, नारी नर सब एक समान, एक पिता की सब सन्तान आदि नारों एवं मंगल गीतों के माध्यम से आध्यात्मिक वातावरण का सृजन किया। रास्ते में लोगों ने पुष्प वर्षा कर कलश यात्रा का स्वागत किया। खानपुर में लगभग 300 महिलाओं ने कलश यात्रा में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। 23 नवंबर को प्रातः 5 बजे ध्यान साधना एवं प्रज्ञा योग, प्रातः 8 बजे संस्कार परंपरा, गायत्री महायज्ञ ,अपराह्न 3 बजे संगीत, प्रज्ञा पुराण कथा, नारी सशक्तिकरण विषयक भावों का प्रवचन में आत्मसात किया जायेगा। इस मौके पर कृष्ण मुरारी गुप्ता, रमाकांत पोरवाल, शिव प्रकाश शर्मा, सुमन अवस्थी, नीलम यादव, स्नेह लता, श्रद्धा पोरवाल आदि रहे।

कलश यात्रा के दौरान शामिल श्रद्धालु। अमृत विचार

- 9 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ से पूर्व निकाली गई कलश यात्रा

बच्चों के विवाद में मां-बेटी से मारपीट रिपोर्ट दर्ज

फर्रुखाबाद। राजेपुर थाना क्षेत्र के जिठोली गांव में बच्चों के विवाद को लेकर एक महिला और उसकी बेटी के साथ मारपीट की गई। इस मामले में पुलिस ने दोनों का मेडिकल करवाकर तीन आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

पीड़ित महिला ने बताया कि वह बच्चों के विवाद की शिकायत करने कुछ ग्रामीणों के घर गई थी। इसी दौरान कुछ लोगों ने उसके और उसकी बेटी के साथ मारपीट की। इस घटना में महिला और उसकी पुत्री गंभीर रूप से घायल हो गईं। पीड़ित महिला ने थाने पहुंचकर लिखित तहरीर दी। इसके बाद राजेपुर थानाध्यक्ष सुदेश कुमार ने तत्काल कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया। घायल महिला और उसकी पुत्री का राजेपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मेडिकल परीक्षण भी कराया गया है। राजेपुर थानाध्यक्ष सुदेश कुमार ने बताया कि मामले में तीन आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। आगे की जांच जारी है।

मोहम्मदाबाद में समस्याएं सुनते डीएम व एसपी। अमृत विचार

डीएम-एसपी ने मोहम्मदाबाद कोतवाली में सुनीं समस्याएं

कार्यालय संवाददाता, फर्रुखाबाद

अमृत विचार। शनिवार को जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी एवं पुलिस अधीक्षक आरती सिंह ने संयुक्त रूप से 'थाना समाधान दिवस' पर थाना मोहम्दाबाद पहुंचकर जन-सुनवाई की व आये हुए शिकायतकर्ताओ की शिकायतें सुनीं व उनके समाधान के लिये संबधित को निर्देशित किया।

अपर पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह द्वितीय ने स्वयं थाना जहानगंज और थाना कमालगंज में जनसुनवाई की। इस दौरान उन्होंने शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं न्यायोपूर्ण कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सिंह ने उपस्थित पुलिसकर्मियों से कहा कि प्रत्येक शिकायत की निष्पक्ष जांच कर समयबद्ध निस्तारण किया जाए। उन्होंने जोर दिया कि इससे लोगों का पुलिस व्यवस्था पर विश्वास बना रहेगा। वहीं, थाना मऊदरवाजा में थाना प्रभारी लक्ष्मण सिंह ने जनसुनवाई की। यहां तीन शिकायत पत्र प्राप्त हुए, जो मुख्य रूप से खेती-पाती से संबंधित थे। इन शिकायतों को आगे की कार्रवाई के लिए लेखपालों को सौंप दिया गया।

शराबी युवकों ने महिलाओं से की मारपीट, जांच शुरू

कार्यालय संवाददाता, फर्रुखाबाद

अमृत विचार। खानपुर गांव में शराब के नशे में धुत दो युवकों ने घर में घुसकर दो महिलाओं के साथ मारपीट की। घटना के बाद पुलिस ने घायल महिलाओं का जिला अस्पताल लोहिया में मेडिकल परीक्षण कराया। यह घटना विकासखंड बढ़पुर क्षेत्र के थाना कादरीगेट अंतर्गत खानपुर गांव की है।

यहां 21 वर्षीय शारदा अपने घर में थीं, तभी पतन्ना और रोहित नामक दो युवक शराब के नशे में उनके घर में घुस आए और चारपाई पर लेट गए। शारदा ने जब दोनों युवकों को घर से जाने के लिए कहा, तो वे गाली-गलौज करने लगे। शारदा ने इसकी शिकायत अपनी पड़ोसी 42 वर्षीय ममता पत्नी अनिल कुमार से की। इसके बाद युवकों ने ममता को भी गाली देना शुरू कर दिया। जब महिलाओं ने इसका विरोध किया, तो दोनों युवकों ने ममता के सिर पर धारदार हथियार से हमला कर उन्हें घायल कर दिया। उन्होंने शारदा को भी लाठी-डंडों से पीटा। मारपीट में घायल होने के बाद दोनों महिलाएं, शारदा और ममता, थाना कादरीगेट पहुंचीं और युवकों के खिलाफ मारपीट की तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर कार्रवाई करते हुए शुक्रवार रात लगभग 10 बजे दोनों घायल महिलाओं का जिला अस्पताल लोहिया की इमरजेंसी में मेडिकल परीक्षण कराया।

थाना कादरीगेट के थानाध्यक्ष कपिल कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर घायल महिलाओं का मेडिकल परीक्षण कराया गया है। मामले की आगे जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

युवक को टोकने पर मारपीट, पुलिस ने कराया मेडिकल परीक्षण

फर्रुखाबाद। बढ़पुर क्षेत्र में एक 43 वर्षीय व्यक्ति को युवक को टोकना महंगा पड़ गया। युवक को कुछ लोगों ने पीटकर घायल कर दिया। पीड़ित को जिला अस्पताल में मेडिकल परीक्षण के लिए भर्ती कराया गया है। यह घटना शहर कोतवाली के मोहल्ला दरीबा पश्चिम में हुई। कैलाश चंद्र के पुत्र दीपू दुबे (43) ने देखा कि युवक आमिर खलीफा का पुत्र गली में खड़े होकर लोगों से बदतमीजी कर रहा था। दीपू दुबे ने उसे वहां से जाने के लिए कहा, जिसके बाद वह चला गया। कुछ देर बाद, जब दीपू दुबे सब्जी लेने दुकान पर गए, तो आमिर खलीफा, दिलशाद खलीफा और उनके कुछ साथी वहां आ गए। उन्होंने दीपू दुबे को लात-घूसों से पीटकर घायल कर दिया। दीपू दुबे ने इस मारपीट के संबंध में शहर कोतवाली पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर शुक्रवार रात लगभग 11 बजे जिला अस्पताल लोहिया में दीपू दुबे का मेडिकल परीक्षण कराया। शहर कोतवाल राजीव पांडे ने बताया कि पीड़ित दीपू दुबे की तहरीर पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

हिन्दी दैनिक अमृत विचार
की 6वीं वर्षगांठ पर
सभी जनपदवासियों
को हार्दिक शुभकामनाएं

आदित्य कांस्ट्रक्शन
शुक्ला कम्पाउण्ड
सिविल लाइन, फतेहगढ़, फर्रुखाबाद
प्रो० मनोज शुक्ला
(ए) क्लास राजकीय ठेकेदार

निर्देश आज एसआईआर अभियान के तहत मतदेय स्थलों पर लगेगा विशेष कैम्प

'सभी शिक्षक बीएलओ का सहयोग करें'

कार्यालय संवाददाता, औरैया

- प्रत्येक बूथ में प्रात : 9 बजे से सायं 5 तक चलेगा विशेष गणना प्रपत्र संकलन का कार्य
- ग्राम स्तरीय कर्मचारी वालंटियर के रूप में पहुंचें और कार्य में बीएलओ की करें मदद

अमृत विचार। जिलाधिकारी डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी ने कलेक्ट्रेट स्थित मानस सभागार में समस्त जनपद स्तरीय अधिकारियों/ कार्यालयाध्यक्षों की विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के तहत रविवार को आयोजित होने वाले विशेष अभियान/ कैम्प को जन सहभागिता/ वालंटियर की मदद से संचालित करने हेतु निर्देश दिए।

डीएम ने कहा कि प्रत्येक बूथ पर ग्राम स्तरीय कर्मचारी, रोजगार सेवक, आंगनबाड़ी सहायिका, सफाई कर्मी, बैंक सखी, जल सखी, विद्युत सखी, ग्राम सचिव, नलकूप संचालक सहित पंचायत सहायक आदि आयोजित होने वाले विशेष गणना प्रपत्र संकलन तथा प्रपत्र का डिजिटलाइजेशन के साथ-साथ मतदाताओं को गणना प्रपत्र भरने में सहायता करेंगे।

जिलाधिकारी ने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह अपने-अपने विभाग से संबंधित ग्राम स्तरीय कर्मचारियों को लिखित रूप में आदेशित करें कि वह स्वयं मतदेय स्थल पर उपस्थित होकर बूथ लेवल अधिकारी के निर्देशन में विशेष प्रगाढ़ मतदाता पुनरीक्षण के कार्यों का निष्पादन करें। मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देश दिए कि वह अपने अधीनस्थों को निर्देशित करें कि वह अपने कार्य क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मतदाताओं का गणना प्रपत्र त्रुटि रहित भरवाते हुए मतदेय स्थल पर बूथ लेवल अधिकारी को उपलब्ध कराएं। आवश्यकतानुसार आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करते हुए सहयोग करें। जिलाधिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत समस्त अध्यापक मतदेय स्थल पर अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करते हुए गणना प्रपत्र संकलन व डिजिटलाइजेशन में बीएलओ का सहयोग करें।

उक्त अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी संत कुमार, अपर जिलाधिकारी (विरा) अविनाश चंद्र मौर्य, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सुरेंद्र कुमार, जिला विकास अधिकारी सतीश कुमार पाण्डेय, जिला पंचायत राज अधिकारी श्रीकांत यादव, जिला पूर्ति अधिकारी, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी सहित जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

हिन्दी दैनिक अमृत विचार की 6वीं वर्षगांठ पर
सभी जनपदवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

मुन्ना लाल वार्ष्णेय (अलीगढ़ वाले)
महामंत्री – फतेहगढ़ व्यापार मण्डल
प्रतिष्ठान
- अलीगढ़ मिष्ठान भण्डार, कानपुर रोड, फतेहगढ़
- अलीगढ़ बेकरी, कानपुर रोड, फतेहगढ़
- भोले टेण्ट हाउस, फतेहगढ़

न्यूज ब्रीफ

परशुराम सेवा समिति का चलेगा सदस्यता अभियान

इकदिल। परशुराम सेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुशील सम्राट ने बताया कि परशुराम सेवा समिति की वार्षिक सदस्यता शीघ्र ही शुरू की जायेगी । परशुराम सेवा समिति की वर्ष 2026 की वार्षिक सदस्यता हेतु नये सिरे से सदस्यता अभियान चलाने के लिए सदस्यता प्रभारी नियुक्त किये जायेंगे। परशुराम सेवा समिति की वार्षिक सदस्यता एक दिसम्बर से शुरू की जायेगी जो 31 दिसम्बर तक चलेगी। सदस्यता अभियान पूर्ण होने के बाद समस्त प्रदेश, जिला व नगर इकाइयों का पुनर्गठन किया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष डॉ .सम्राट ने बताया कि समिति का सदस्य बनने के इच्छुक लोगों को वार्षिक सदस्यता शुल्क सौ रुपये व आधार कार्ड की फोटो कॉपी, दो पासपोर्ट साइज की फोटो के साथ सदस्यता फार्म भरकर प्रदेश कार्यालय मोहल्ला कायस्थान इकदिल में जमा करना होगा।

दंपती ने महिला को पीटा पुलिस को दी तहरीर

बसरेहर। चौबिया थाना क्षेत्र गांव बरालोकपुर में आज सुबह 10 :30 बजे घर पर काम कर रही महिला के साथ गांव के ही कुछ लोगों ने मारपीट की। वहीं पीड़ित महिला की पुत्री ने किसी तरह मारपीट का वीडियो बना लिया। वीडियो में महिला के साथ एक महिला व एक व्यक्ति बाल पड़कर खींचकर मारपीट करते हुए दिख रहा है। वहीं अमृत विचार अख़बार इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। जानकारी के अनुसार राजकुमारी पत्नी मुकेश कुमार शाक्य निवासी बरालोकपुर 10 :30 बजे अपने घर पर खाना बना रही थी । तभी कुछ लोगों ने आकर लाठी डंडे और लात घूंसे से मारपीट कर घटना को अंजाम दिया। मुकेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि मारपीट की सूचना करीं चौकी पर तैनात एक सिपाही को फोन कर दी तो उन्होंने घटनास्थल पर आने से मना कर दिया । पीड़ित राजकुमारी व उसके पति ने इटावा मुख्यालय पहुंचकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र दिया । वहीं अपने साथ हुई मारपीट की घटना की जानकारी पुलिस को दी । पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

किसान ज्ञान मेला एवं कृषक गोष्ठी 25 को

इटावा। उप कृषि निदेशक शोध आर .एन . सिंह ने बताया संम्भागीय कृषि परीक्षण एवं प्रदर्शन केन्द्र इटावा के कृषि शोध प्रक्षेत्र जौनई जसवन्तनगर पर 25 नवम्बर में प्रातः 11 बजे एक दिवसीय किसान ज्ञान मेला एवं कृषक गोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर कृषि विभाग तथा कृषि से सम्बन्धित अन्य विभागों के स्टॉल लगाकर एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जायेगा। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विधायक सदर सरिता भदौरिया द्वारा प्रतिभाग किया जायेगा। क्षेत्रीय कृषकों से अपील है कि उपरोक्त किसान ज्ञान मेला एवं कृषक गोष्ठी में भाग लेकर अधिक से अधिक लाभ उठायें।

मच्छर लोशन पीने से बच्चे की हालत बिगड़ी

बकेवर। लखना रोड स्थित पशु चिकित्सालय के नवनिर्माणाधीन भवन में श्रमिक के रुप में काम कर रहे झांसी के पिछोर निवासी युवक के डेढ़ वर्षीय बच्चे ने मच्छर लोशन पी लिया । इससे वह बेहोश हो गया। परिजन इलाज के लिए 50 शैय्या अस्पताल ले गए । जहां स्थानीय चिकित्सक ने इलाज किया हालत गम्भीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। श्रमिक रघुवंशी सिंह ने बताया कि वह काम कर रहे थे कि तभी उनके डेढ़ वर्षीय पुत्र मानव ने मच्छर लोशन की सीसी उठाकर पी ली जिससे बच्चा अचेत हो गया । परिजनों का रो रो कर बुरा हाल बना हुआ है।

छात्रा को सकुशल बरामद किया

चकरनगर। थाना क्षेत्र के एक गांव की नाबालिग छात्रा को दो दिन पूर्व कस्बा स्थित कालेज के बाहर से नामजद युवक जबरन अपने साथ ले गया था। अचानक लापता हुई छात्रा की तलाश में परिजनों ने पुलिस से गुहार लगाई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए चकरनगर पुलिस ने संभावित स्थानों पर खोजबीन शुरू कर दी। इसी दौरान भरथना जीआरपी पुलिस को रेलवे स्टेशन पर छात्रा और एक युवक संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिए। पूछताछ के दौरान मामले का खुलासा हुआ, जिसके बाद जीआरपी ने छात्रा को बरामद कर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। छात्रा के पिता की तहरीर पर चकरनगर थाना पुलिस ने आरोपी विकास पुत्र रविंद्र सिंह दोहरे , निवासी राजपुर के खिलाफ अपहरण सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

सड़क हादसों में दो की मौत, दस घायल

शवों को पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, मचा कोहराम

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार । जिले के अलग अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई जबकि दस लोग घायल हो गए। पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है, जबकि घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।

पहली घटना बकेवर क्षेत्र के हाईवे पर पूर्वी तिराहे के पास हुई जहां ग्राम नौधना निवासी केत पाल सिंह 72 वर्ष बकेवर से साइकिल से अपने गांव जा रहे थे जैसे ही वह आगरा कानपुर नेशनल हाईवे पूर्वी तिराहे पर पहुंचे तभी कानपुर की ओर से तेज गति से आ रही कार ने साइकिल में टक्कर मार दी, जिससे केत सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय चिकित्सक ने इलाज करने के बाद केत सिंह की गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। उपचार के दौरान वृद्ध की मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया।

दूसरी घटना में थाना भरथना क्षेत्र के अंतर्गत नगला चित्त निवासी शोभाराम 90 वर्ष पुत्र फतेह सिंह घर के सामने सड़क किनारे लघुशंका कर लौट रहे थे। इसी दौरान सड़क से गुजर रहे एक ऑटो का अचानक पहिया निकल गया। इससे ऑटो अनियंत्रित हो गया और शोभाराम से टकरा गए। टक्कर लगते ही वे सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही परिवारीजन तत्काल उन्हें पीजीआई सैफई लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित किया।

थाना जसवंतनगर क्षेत्र में दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पहली घटना राष्ट्रीय राजमार्ग पर मलाजनी गांव के पास हुई, जहां मैनपुरी जनपद के किशनी थाना क्षेत्र के कुसमरा निवासी वीरपाल इटावा से घर जाते समय अज्ञात वाहन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए। लोगों की मदद से उन्हें सीएचसी पहुंचाया गया, जहां से हालत नाजुक होने पर सैफई रेफर कर दिया गया। दूसरी घटना बलरई थाना क्षेत्र के जसवंतनगर बलरई मार्ग पर नगला रामसुन्दर मोड़ के पास हुई। बम्बा की सफाई के दौरान सड़क पर डाली गई मिट्टी और मूंज के सरकंडों से दृश्यता बाधित होने पर दो बाइकें आमने-सामने टकरा गई। हादसे में नगला रामसुन्दर निवासी तेजस और सरामई निवासी अंकित घायल हो गए। थाना बकेवर क्षेत्र अंतर्गत महेवा के आगे हाईवे पर बाइक सवार दंपती खड्ड में गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गए। थाना इकदिल क्षेत्र के आवास विकास कालोनी भाग एक निवासी हरिकृष्ण अपनी पत्नी इंद्रावती के साथ बाइक से इटावा से औरैया रिश्तेदारी में जा रहे थे, महेवा में हाईवे पर ग्राम टिलिटीला के पास बाइक अनियंत्रित होकर खड्ड में जा गिरी जिससे दंपती बुरी तरह घायल हो गए । पुलिस ने राहगीरों की मदद से दोनों को निकलवाकर जिला अस्पताल भिजवाया। थाना फ्रेंड्स कालोनी क्षेत्र के अंतर्गत हाईवे पर हुई सड़क दुर्घटना में सीमा पत्नी हरिओम और हरिओम निवासी औरैया, छाया पत्नी राहुल निवासी भडारीपुर औरैया, जगमोहन पुत्र प्रयाग नारायण निवासी पुर्वा सबकुछ औरैया घायल हो गए।

वहीं थाना इकदिल क्षेत्र के अंतर्गत चांदनपुर निवासी रंजीत पुत्र धर्म नारायण नगला ताल के पास सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया।

हाईवे पर कार में अचानक लगी आग, सवार बचे

इटावा। थाना फ्रेंड्स कॉलोनी क्षेत्र के अंतर्गत आगरा-कानपुर हाईवे पर एक कार में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाती तब तक कार पूरी तरह जलकर राख हो गई। कार स्वामी चमन कुमार सोनी पुत्र प्रताप राय सोनी निवासी पीली कोठी रोड सिविल लाइन रीवा मध्यप्रदेश अपने साथी के साथ कार द्वारा दिल्ली से अपने घर रीवा जा रहे थे। उन्हें कार का इंजन अधिक गर्म महसूस हुआ जिसके बाद उन्होंने नजदीकी एजेंसी के बारे में जानकारी की। इसी दौरान कार में धुआं उठना शुरू हो गया और कुछ ही क्षणों में आग भड़क उठी। कार सवारों ने तुरंत वाहन से उतरकर अपनी जान बचाई। सूचना पर पहुंची दमकल विभाग की गाड़ी ने आग पर काबू पाया लेकिन तब तक कार पूरी तरह जल चुकी थी। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है हालांकि प्रारंभिक जानकारी में शॉर्ट सर्किट अथवा गैस रिसाव की संभावना जताई जा रही है। दमकल विभाग और पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आग के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

रेल ट्रैक में फ्रैक्चर से ट्रेनों की आवाजाही हुई प्रभावित

कार्यालय संवाददाता इटावा

- **समस्तीपुर स्पेशल ट्रेन और अमृत भारत एक्सप्रेस 45 मिनट तक खड़ी रही**

अमृत विचार । दिल्ली-हावड़ा रेलमार्ग स्थित साम्हों रेलवे स्टेशन के पास शनिवार सुबह रेल ट्रैक में फ्रैक्चर होने के कारण भरथना रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित हुई और दो ट्रेनों को करीब 45 मिनट तक रोकना पड़ा। बाद में ट्रैक के सही होने के बाद ट्रेनों को रवाना किया गया।

जानकारी के अनुसार सुबह लगभग 5.56 बजे साम्हों रेलवे स्टेशन के निकट पोल संख्या 1126/8 पर डाउन लाइन में फ्रैक्चर की सूचना मिली। इसके बाद रेल प्रशासन तुरंत सतर्क हो गया। स्टेशन मास्टर ने कंट्रोल रूम और भरथना स्टेशन को अलर्ट भेजा। सुरक्षा कारणों से डाउन ट्रैक पर आ रही 09617 समस्तीपुर स्पेशल ट्रेन को भरथना स्टेशन की डाउन मेन लाइन पर रोका गया।

इसी तरह 19623 अमृत भारत एक्सप्रेस को प्लेटफॉर्म नंबर एक की डाउन लूप लाइन पर रोक दिया गया। दोनों ट्रेनें लगभग 45 मिनट तक स्टेशन पर खड़ी रहीं। घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे का पीडब्ल्यूडी स्टाफ मौके पर पहुंचा और ट्रैक की मरम्मत का काम शुरू किया। तकनीकी टीम ने फ्रैक्चर वाले हिस्से को समय रहते ठीक कर दिया और ट्रैक को सुरक्षित घोषित किया। इसके बाद दोनों ट्रेनों को 30 किमी. प्रति घंटे की गति सीमा कॉशन के साथ आगे रवाना किया गया।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार यह एक तकनीकी कमी थी जिसे समय रहते ठीक कर लिया गया जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। मरम्मत के बाद रेल सेवा पूरी तरह सामान्य हो गई।

जयंती पर मुलायम सिंह को किया याद

कार्यालय संवाददाता इटावा

नेताजी के चित्र पर माल्यार्पण करते सपा जिला अध्यक्ष व अन्य। अमृत विचार

- **सपा कार्यालय पर मनाई गई नेताजी मुलायम सिंह यादव की जयंती**

अमृत विचार । समाजवादी पार्टी कार्यालय पर सपा संस्थापक एवं भारत के पूर्व रक्षा मंत्री मुलायम सिंह यादव की जयंती पर सपा जिला अध्यक्ष प्रदीप शाक्य बबलू ने पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ नेताजी के चित्र पर माल्यार्पण किया। इसके बाद विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए सपा जिला अध्यक्ष प्रदीप शाक्य बबलू ने कहा कि नेताजी ने सदैव समाज के शोषित, वंचितों के हकों की लड़ाई सड़क से संसद तक लड़ने का काम किया, उनका सपना था कि जब तक आम व्यक्ति को शिक्षा दवा उपलब्ध न हो जाये तब तक समाजवाद अधूरा है, उन्होंने मुख्यमंत्री रहते तमाम ऐसी योजनाएं चलाई जिससे प्रदेश का आम नागरिक लाभान्वित हुआ और उनके चेहरे पर मुस्कान की किरण देखने को मिली। उन्हीं के पद चिन्हों पर चलकर अखिलेश यादव राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजवादी पार्टी समाजवाद को आगे बढाने का काम कर रहे हैं। नेताजी की जयंती के मौके पर हम सभी को संकल्प लेकर जाना है कि बूथ स्तर पर एसआईआर का काम करके 2027 में उत्तर प्रदेश की कमान अखिलेश यादव के हाथों में सौंपने का काम करेंगे।

विचार गोष्ठी में सपा जिला महासचिव वीरभान सिंह भदौरिया, एसआईआर प्रभारी उदयभान सिंह यादव, लाखन सिंह जाटव, पूर्व प्रत्याशी सर्वेश शाक्य, उपाध्यक्ष उत्तम सिंह प्रजापति, अनवर हुसैन, प्रवक्ता विक्की गुप्ता, विधानसभा अध्यक्ष उमेश राजपूत डुलले, मयंक विधौलिया, सीमा यादव जिलाध्यक्ष महिला सभा, नफीसुल हसन अंसारी, राकेश यादव, रिजवान कुरैशी, जैनुल आब्दीन, रामप्रसाद यादव, रामबाबू प्रधान, साजिद अली अशरफी, कमलेश यादव सैनिक प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष आदि उपस्थित रहे।

एसआईआर के धीमे कार्य पर भड़के माकपाई

इटावा। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने इन दिनों चल रही है ऐसा एसआईआर की धीमी प्रक्रिया पर आपत्ति दर्ज कराई है। इसकी अंतिम तिथि बढ़ाई जाने की मांग की है। जिला मंत्रिपरिषद के सदस्य डॉ. शौकीन सिंह ने बताया कि ऐसी शिकायतें मिल रही है कि बीएलओ ने अभी तक घरों में फॉर्म नहीं पहुंचाए है और 2003 की मतदाता सूची भी उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि बीएलओ ने कई जगह दो फार्म न देकर एक ही फॉर्म दिया है और कहा कि इसकी फोटो कॉपी कर लो। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने जिलाधिकारी से मांग की है कि इस प्रक्रिया में सुधार किया जाए और एसआईआर की प्रक्रिया की तारीख बढ़ाई जाए। माकपा की बैठक में प्रेम शंकर यादव, विश्राम सिंह यादव, निजामुद्दीन अंसारी, सकट नारायण, मनोज राठौर, नरेंद्र शाक्य व मोनू यादव ने भी अपने विचार रखे।

इंसानियत की मेराज का नाम है फातिमा जहरा : मौलाना फिरोज

कार्यालय संवाददाता इटावा

मजलिस में तकरीर करते मौलाना फीरोज हैदर कानपुर। अमृत विचार

- **शरीफ मंजिल में फातिमा जहरा की शहादत पर मजलिसें शुरू**

अमृत विचार । रसूले खुदा की इकलौती मजलूमा बेटी फातिमा जहरा की शहादत पर पांच दिवसीय मजलिसों का आयोजन शरीफ मंजिल सैदबाड़ा इटावा में शुरू हो गया।

शरीफ मंजिल में पहली मजलिस का शुभारंभ सलीम रजा व सफीर हैदर ने सोजख्वानी से किया। अश्शू रिजवी, सलमान रिजवी ने कलाम पेश किए। तनवीर हसन ने नोहा ख्वानी की। मजलिस में तक़रीर करते हुये जनपद कानपुर से आये मौलाना फिरोज हैदर ने कहा अल्लाह फरमाया कि मोहम्मद न होते तो कायनात में कुछ न होता, पूरी कायनात मोहम्मद के सदके में बनाई। अल्लाह फिर फरमाता है कि अगर फ़ातिमा न होतीं तो न रसूल होते, न अली होते और न ही कायनात होती। मौलाना फिरोज हैदर ने कहा कि घर मे अगर ए.सी., कूलर, लाइटें लगीं हैं मगर बिजली कनेक्शन नहीं है तो सब बेकार हैं इसी तरह जब तक एहलेबैत की मोहब्बत दिल में नहीं है तब तक सारी इबादतें बेकार हैं। रसूल अल्लाह की इकलौती बेटी और इंसानियत की मेराज का नाम फातिमा जहरा है। रसूल अल्लाह को फख्र था कि फ़ातिमा ज़हरा उनकी बेटी हैं। रसूल अल्लाह ने फरमाया है कि जिससे फातिमा खुश उससे हम खुश और जिससे फ़ातिमा नाराज उससे हम नाराज। उन्होंने कहा रसूल की उसी बेटी पर जालिमों ने बेपनाह जुल्म ढाए, फातिमा जहरा के घर में जालिमों ने आग लगा दी जिससे वह जख्मी हो गईं। इतना ही नहीं जालिमों ने उनका हक भी नहीं दिया। मजलिस में अल्हाज कमर अब्बास नक़वी करबलाई, हाजी अरशद मरगूब, शावेज़ नक़वी, हसन अब्बास, मो. मियां, तहसीन रजा आदि रहे।

पूर्व शहर अध्यक्ष कांग्रेस व उनके साथियों को मिला स्टे

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार । कांग्रेस पार्टी के पूर्व शहर अध्यक्ष पल्लव दुबे सहित आठ लोगों के खिलाफ चल रहे राजद्रोह के मामले में हाईकोर्ट के अधिवक्ता संजय मिश्रा की पैरवी के चलते यह स्थगन आदेश मिला है। उक्त मुक़द्दमे में पुलिस द्वारा चार्जशीट न्यायालय सीजेएम इटावा में दाखिल की गई थी। जिसमें न्यायालय द्वारा उनके तथा उनके साथियों के विरुद्ध वारंट जारी कर दिए गए थे। वारंट जारी होने के बाद उन्हें मजबूरन हाईकोर्ट की शरण में जाना पड़ा। संविधान और कानून में विश्वास के चलते उच्च न्यायालय द्वारा स्टे ऑर्डर पारित किया गया।

पूर्व शहर अध्यक्ष पल्लव दुबे तथा उनके आठ अन्य साथियों विष्णु कांत मिश्रा ,जितेन्द्र सिंह पाल, अमित अग्निहोत्री, शौजैब रिज़वी, शिशुपाल सिंह , रामजीवन कुशवाहा तथा विक्रम सिंह दिवाकर आदि के खिलाफ सन् 2017 में पुलिस ने राजद्रोह के अलावा अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया था। न्यायालय द्वारा उनके तथा उनके साथियों के विरुद्ध वारंट जारी कर दिए गए थे। उन्हें मजबूरन हाईकोर्ट की शरण में जाना पड़ा था। संविधान और कानून में अपने विश्वास के चलते सत्य की विजय हुई और उच्च न्यायालय द्वारा स्टे ऑर्डर पारित किया गया।

उन्होंने बताया कि इस भाजपा सरकार में जनहित के मुद्दे उठाकर सरकार का विरोध करना राजद्रोह हो गया है और सरकार के विरुद्ध नारे लगाना सरकारी कार्य में बाधा बन गया है । यह सरकार अपने विरोध को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करना चाहती है ।

एआरटीओ और खनन विभाग की टीम ने सीज किये दो डंपर

कार्यालय संवाददाता इटावा

सीओ के नेतृत्व में चेकिंग के लिए खड़ी संयुक्त टीम। अमृत विचार

- **चंबल पुल पर एआरटीओ और खनन विभाग ने की संयुक्त चेकिंग**

अमृत विचार । बढ़पुरा थाना क्षेत्र में अवैध खनन और ओवरलोड वाहन संचालन पर रोक लगाने के लिए शनिवार को प्रशासन ने चंबल पुल पर संयुक्त चेकिंग अभियान चलाया। अभियान में एआरटीओ टीम, खनन विभाग, सीओ आयुषी सिंह तथा बढ़पुरा और पछायगांव पुलिस की टीम शामिल रही।

चंबल पुल पर सुबह से दोपहर तक चली इस चेकिंग के दौरान कई वाहनों के कागज़ात और भार की जांच की गई। जांच में दो डंपर ओवरलोड और आवश्यक दस्तावेजों के बिना पाए गए, जिन्हें मौके पर ही सीज कर दिया गया। अधिकारियों ने इन डंपरों पर करीब साढ़े पांच लाख रुपये का चालान भी लगाया। सीओ आयुषी सिंह ने बताया कि अवैध खनन और ओवरलोडिंग के खिलाफ नियमित रूप से अभियान जारी रहेगा। ओवरलोड वाहन जहां सड़क सुरक्षा को खतरा पैदा करते हैं, वहीं सरकारी राजस्व की भी बड़ी हानि करते हैं। इसलिए सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। संयुक्त टीम ने चेतावनी दी कि बिना परमिट व नियमों का पालन किए खनन सामग्री का परिवहन करने पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। चेकिंग के दौरान कई वाहन चालकों को दस्तावेज पूरे रखने और निर्धारित भार सीमा में वाहन चलाने के निर्देश भी दिए गए।

तालाब गए किसान का पैर फिसला, डूबने से मौत

संवाददाता ऊसराहार इटावा

अमृत विचार । थाना क्षेत्र के उदेतपुर निवासी विद्याराम पुत्र रघुनाथ सिंह शाक्य 50 वर्ष शनिवार को गांव के समीप बने एक तालाब के पास बकरी चराने गए थे। किसान को शौच लगी तो वह तालाब के पास चले गए पानी लेने के लिए वह जैसे ही तालाब के पास पहुंचे उनका पैर अचानक फिसल गया और वह तालाब मे डूब गए।

ग्रामीणों के मुताबिक तालाब काफी गहरा था मौके पर विद्याराम के साथ कोई था नहीं इसलिए उनकी मदद के लिए तत्काल कोई नही पहुंच पाया। कुछ दूरी पर सड़क से गुजर रहे यात्री ने जब किसान को गोता खाते तालाब में देखा तो शोर मचाया। शोर सुन तमाम ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। तालाब काफी गहरा था। इसलिए तालाब मे कूदने की हिम्मत भी लोग नहीं जुटा पा रहे थे। कुछ ग्रामीणों ने हिम्मत दिखाई और तालाब में कूदकर विद्याराम को खोजना शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद विद्याराम को ग्रामीणों ने खोजकर बाहर निकाला लेकिन तब तक विद्याराम की मौत हो चुकी थी। परिजनों की सूचना पर चौकी इंचार्ज हाकिम सिंह थानाध्यक्ष बलराज भाटी मौके पर पहुंच गए शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। थानाध्यक्ष बलराज भाटी ने बताया कि विद्याराम पैर फिसलने के बाद तालाब में डूब गए। परिजनों की सूचना पर शव का पोस्टमार्टम कराया गया है प्रधान प्रतिनिधि हाकिम सिंह ने पीड़ित किसान के परिजनों को जिलाधिकारी से आर्थिक मदद दिए जाने की मांग की है।

धर्म -अध्यात्म | प्रदर्शनी पंडाल में चल रही श्री राम कथा में आचार्य शांतनु ने कराया रसपान

जीवन का चौथापन आते ही हरि भजन में लगायें मन

कार्यालय संवाददाता इटावा

राम कथा सुनाते शांतनु महाराज ।

अमृत विचार । प्रदर्शनी पंडाल में हो रही रघुकुल नन्दन श्री राम कथा के पंचम दिवस की कथा में प्रवचन करते हुए आचार्य शांतनु जी महाराज ने कहा कि जीवन का चौथापन आते ही पारिवारिक दायित्वों से मुक्ति लेकर व्यक्ति को हरि भजन में लग जाना चाहिए। शनिवार को हुई कथा में विधान परिषद के सभापति कुं. मानवेंद्र सिंह ने व्यासपीठ से आशीर्वाद लिया।

प्रसंग को आगे बढ़ाते हुए आचार्य श्री ने कहा कि अपने चारों पुत्रों का विवाह करके महाराज दशरथजी एक माह के बाद जनकपुर से लौटकर अयोध्या आए तो अवध में रिद्धि सिद्धि समृद्धि की बाढ़ आ गई। उसके एक माह के बाद जब राज्यसभा बैठी तो महाराज दशरथ ने भरी सभा में शीशे में अपना मुंह देखा। शीशा देखने के तात्पर्य को स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि ये दर्पण व्यक्ति का गुरु भी है और दुश्मन भी है, इसलिए शीशा जरूर देखना चाहिए। स्वयं के देखने से गुरु का काम करता है और यदि दूसरा दिखाएं तो दुश्मन का काम करता है। शीशा देखने का अर्थ आत्मावलोकन, आत्मचिंतन आत्म दर्शन, आत्म संवाद से है। जब महाराज दशरथ को अपने कान के पास सफेद बाल दिखाई पड़े तो उन्होंने राज्य राम को सौंपने का मन बनाया। ऐसे ही संकेत मिलता है, जब व्यक्ति का चौथापन आ जाए तो उसे धीरे-धीरे जिम्मेदारियों से हटकर भजन में मन लगाना चाहिए। वरदान के प्रसंग को सुनाते हुए महाराज श्री ने कहा कि कैकेई ने राम के वनवास का वरदान मांगा, इस बात को महाराज दशरथ बर्दाश्त नहीं कर पाए। उन्होंने उसे बहुत उलाहना भी दी और विनती भी की है लेकिन कैकेई ने एक नहीं सुनी। इसी कारण से कुसंग से बचना ही चाहिए। जबकि दूसरी ओर कौशल्या जैसी आदर्श मां भी है, जिसने अपने बेटे को वन जाने से नहीं रोका। भारत देश की माताओं की छाती में ही वह शक्ति है, क्षमता, पराक्रम, सहनशीलता है, जो इस देश की धर्म संस्कृति परंपराओं को जीवित रखे हुए है। कौशल्या पारिवारिक एकता का प्रतीक है। उधर छोटे भाई लक्ष्मण जी भी बड़े भाई की सेवा के लिए राम के साथ हो लिए। रघुवंश का भ्रातृ प्रेम पूरी सृष्टि में अनूठा और अद्वितीय है।

कथा के मुख्य यजमान मोहित दुबे एवं रूबी दुबे (ब्लॉक प्रमुख) ने व्यास पीठ की आरती की। इस अवसर पर सह यजमान पूर्व सांसद रघुराज शाक्य, सीमा शाक्य , विमल गुप्ता, निशा गुप्ता के अलावा संघ के विभाग प्रचारक यशवीर, अमित तिवारी मानू, दिबियापुर के चेयरमैन राघव मिश्रा, कार्यक्रम संयोजक डा. रमाकांत शर्मा, सह संयोजक विमल भदौरिया साथ रहे।

युवाओं को सही मार्गदर्शन की जरूरत

कार्यालय संवाददाता इटावा

कार्यक्रम में बोलते प्रभारी जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. मुकेश यादव। अमृत विचार

- **राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जौनानी में लगा करियर गाइडेंस मेला**

अमृत विचार । राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जौनानी चकरनगर में करियर गाइडेंस मेले का आयोजन किया गया, कार्यक्रम का उद्देश्य कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों को उनके भविष्य के करियर चुनाव में मार्गदर्शन प्रदान करना है।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि प्रभारी जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. मुकेश यादव ने सरस्वती मां के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर की। मुख्य अतिथि ने कहा कि आज का युवा बहुत प्रतिभाशाली है, जरूरत है तो बस उसे सही मार्गदर्शन की। विद्यालय के प्रधानाचार्य धर्मेन्द्र कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों की सोच को रफ्तार देते हैं और उन्हें सही दिशा चुनने में मदद करते हैं। मेले के दौरान छात्रों द्वारा करियर हब तैयार किया गया, विभिन्न स्टॉल भी लगाया गये एवं छात्राओं द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गए।

करियर मेले में राजकीय हाईस्कूल के प्रधानाचार्य पूरन सिंह पाल, राजकीय हाई स्कूल नगरिया कूकपुर की प्रधानाचार्या डा. बबिता सिंह, राजकीय हाईस्कूल बीबामऊ की, प्रधानाचार्य रीना कुमारी, आई. टी. आई साम्हों से फोरमैन मुकेश प्रजापति, अनुदेशक राहुल कुमार ने भविष्य में करियर का चयन कैसे करें, की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

न्यूज ब्रीफ

कल सुबह 1 घंटे बंद रहेगी बिजली आपूर्ति

सुमेरपुर। कस्बे के 132 केवी पावर हाउस में सोमवार को सुबह 7 :00 बजे से 8 :00 बजे तक 33 केवी बस सेक्शन दो में कार्य होने के कारण 11 सब स्टेशनों की आपूर्ति ठप रहेगी। विद्युत पारेषण खंड के अधिशाषी अभियंता विक्रम सिंह की ओर से जारी की गई सूचना के अनुसार सोमवार को सुबह 7 :00 बजे से 8 :00 बजे तक 33 केवी बस सेक्शन दो में कार्य होने के कारण पावर हाउस में जुड़े सभी उद्योग नगरी के फीडरों के अलावा सुमेरपुर, सिसोलर, पौथिया, पारा रैपुरा, लघु डाल नहर सहित 11 फीडरों की आपूर्ति ठप रहेगी।

समाधान दिवस में पसरा रहा सन्नाटा

बिवांर (हमीरपुर)। थाना के समाधान दिवस में जमीन से विवादित एक शिकायती पत्र आया है। समाधान दिवस में फरियादियों के न आने से सन्नाटा पसरा रहा। थानाध्यक्ष नंदराम प्रजापति के साथ राजस्व की कर्मियों ने दोपहर 2 :00 बजे तक फरियादियों की आने की प्रतीक्षा करते रहे। एसआई मोहम्मद सुल्तान ने बताया कि आए हुए एक शिकायती पत्र को निस्तारित किए जाने के लिए उसके गांव में तैनात लेखपाल को दे दिया गया है।

अधेड़ को गालीगलौज कर फोड़ दिया सिर

सुमेरपुर (हमीरपुर)। कस्बे के एक युवक ने पड़ोस में रहने वाले अधेड़ को अकारण गाली गलौज करते हुए लोहे की रॉड से सिर फोड़ दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। ऊंचा थोक निवासी राधेश्याम सविता ने मुकदमा दर्ज कराते हुए आरोप लगाया है कि वह शुक्रवार को दोपहर 2 :00 बजे पड़ोसी गुलाब भुर्जी के दरवाजे पर बैठा था तभी बाइक से उमेश भुर्जी आया और गाली गलौज करने लगा मना करने पर साथ लिए लोहे की राड मारकर सिर फोड़ दिया है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मारपीट का मुकदमा दर्ज किया है।

लेखपालों ने काली पट्टी बांध जताया विरोध

सुमेरपुर। माह के चौथे शनिवार को थाने में आयोजित समाधान दिवस में पहुंचे लेखपालों ने पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग को लेकर काली पट्टी बांधकर सांकेतिक विरोध प्रदर्शन किया। महीने के चौथे शनिवार को थाने में आयोजित समाधान दिवस में पहुंचे लेखपालों ने पुरानी पेंशन बहाली की मांग को काली पट्टी बांधकर कार्य किया। लेखपालों ने कहा कि जब तक सरकार की ओर से पुरानी पेंशन बहाली की घोषणा नहीं की जाएगी, तब तक उनका विरोध प्रदर्शन इसी तरह लगातार चलता रहेगा।

टैक्स चोरी का एक ट्रक धान पकड़ा

सुमेरपुर (हमीरपुर)। मंडी कर्मियों की मिली भगत से रात के अंधेरे में व्यापारी बगैर गेट पास एवं टैक्स के धान की गाड़ियां लेकर बाहर भेज रहे हैं। बीती रात मंडी सचिव ने छापा मारकर बगैर गेट पास एवं टैक्स के बाहर जा रहा एक ट्रक धान पकड़कर 25 हजार का जुर्माना वसूला है। इस कार्यवाही से धान खरीद कर रहे व्यापारियों में हड़कंप मच गया। कस्बे की नवीन गल्ला मंडी में कुछ व्यापारी धान की खरीद कर माल बाहर भेज रहे हैं। यह व्यापारी मंडी कर्मियों से सांठगांठ बनाकर रात के अंधेरे में बगैर गेट पास एवं टैक्स की धान गाड़ियां बाहर निकाल रहे थे। टैक्स चोरी करके गाड़ियां बाहर जाने की भनक मिलने पर मंडी सचिव ब्रजेश निगम ने छापा मारकर एक ट्रक धान बगैर कागजों के मंडी से बाहर जाते हुए पकड़कर 25 हजार का जुर्माना वसूल किया है। मंडी सचिव की इस कार्रवाई से धान खरीद कर रहे व्यापारियों में हड़कंप मच गया है।

राठ गल्ला मंडी में शुरू हो गई धान की खरीद

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

- 2210 क्विंटल आ चुका धान 28 फरवरी तक होगी खरीद

अमृत विचार। कस्बे की गल्ला मंडी में स्थित विपणन शाखा के धान खरीद केंद्र में धान की खरीद प्रारंभ हो चुकी है। तहसील क्षेत्र के सैकड़ों किसानों ने इस बार धान की फसल का उत्पादन किया है।

क्षेत्र में अभी तक धान की खेती का विशेष प्रचलन नहीं था, लेकिन दो-तीन वर्षों से क्षेत्र के किसान खरीफ में धान को प्राथमिकता देते हुए खेती करने लगे हैं। अभी तक सरकारी धान खरीद केंद्र में 2210 क्विंटल धान खरीदा जा चुका है। कृषि कार्य से जुड़े क्षेत्र के किसानों ने बताया कि धान की खेती मुख्य रूप से खरीफ मौसम में की जाती है, जिसमें नर्सरी जून के महीने में तैयार की जाती है और रोपाई जुलाई तक हो जाती है। कुछ किसान सीधी बुवाई के लिए मई के अंत से जून के शुरुआत में बुवाई करते हैं। विभिन्न किस्मों और क्षेत्रीय जलवायु के अनुसार रोपाई का समय थोड़ा भिन्न हो सकता है।

कस्बे की नवीन गल्ला मंडी में संचालित विपणन शाखा के धान खरीद केंद्र के प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि 1 नवंबर से धान खरीद केंद्र की शुरुआत हो गई थी, लेकिन 11 नवंबर से किसानों ने धान की बिक्री की शुरुआत की थी। बताया कि अभी तक 42 किसानों से 2210 क्विंटल धान खरीदा गया है। 38 किसानों का भुगतान भी उनके खातों में कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि 28 फरवरी 2026 तक धान खरीद केंद्र संचालित रहेगा।

हल्दी रस्म में महिला को पीट पर्स छीना

बिवांर। शादी समारोह में हल्दी रस्म के दौरान चार युवकों ने एक महिला के साथ अभद्रता कर मारपीट करते हुए पर्स छीन लिया। वहीं सोने का लॉकेट टूटने से गायब हो गया। महिला ने चारों युवकों के खिलाफ थाने में तहरीर दी है।

क्षेत्र के लोदीपुर निवासी राजेश कुमार की पत्नी अंगूरी ने तहरीर में बताया कि बहन की पुत्री की अतरार गांव में शादी थी। शुक्रवार रात हल्दी रस्म का कार्यक्रम चल रहा था, तभी शराब के नशे में बहन के परिवार के राजू, मुन्ना, कामता व धनीराम आए और अभद्रता करने लगे। विरोध पर चारों छीनाझपटी करते हुए मारपीट करने लगे और पर्स छीन लिया। पर्स में आधार, एटीएम कार्ड व दो हजार रुपये थे। छीनाझपटी में सोने का लॉकेट टूटने से खो गया। रिश्तेदारों ने बीच बचाव किया। थानाध्यक्ष नंदराम प्रजापति ने बताया कि जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

एसपी ने रिक्रूट को अनुशासन का पाठ पढ़ाया

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

- प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे पुलिस कर्मियों से समस्याएं भी पूछी
- पुलिस सेवा की कर्तव्यनिष्ठा और संवेदनशीलता के बारे में बताया

अमृत विचार। पुलिस अधीक्षक डॉ.दीक्षा शर्मा ने शनिवार को रिजर्व पुलिस लाइन में आरटीसी क्लास रूम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रशिक्षण व्यवस्था, उपलब्ध संसाधन, अनुशासन, उपस्थिति तथा प्रशिक्षणाधीन रिक्रूट आरक्षियों के लिए उपलब्ध कराए जा रहे सभी सुविधाजनक उपायों की गहनता से समीक्षा की।

एसपी ने प्रशिक्षण से जुड़े अधिकारियों एवं संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान करते हुए प्रशिक्षण की गुणवत्ता, नियमित तथा व्यावहारिक दक्षता बढ़ाने पर विशेष बल दिया गया। प्रशिक्षणाधीन रिक्रूट आरक्षियों से व्यक्तिगत रूप से वार्ता की गई। जिसमें उनकी दैनिक दिनचर्या, अध्ययन सामग्री, आवासीय सुविधाएं, भोजन व्यवस्था तथा प्रशिक्षण के दौरान आने वाली संभावित समस्याओं पर विस्तृत जानकारी प्राप्त की। रिक्रूटों को अपने प्रशिक्षण के प्रति पूरी निष्ठा, अनुशासन एवं सक्रियता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही उन्हें पुलिस सेवा के महत्व, कर्तव्यनिष्ठा, संवेदनशीलता एवं सार्वजनिक हित में किए जाने वाले कार्यों की जिम्मेदारियों से अवगत कराया। निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारी, प्रशिक्षण स्टाफ तथा अन्य संबंधित अधिकारी/कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

आरटीसी क्लास रूम का निरीक्षण करतीं एसपी डॉ .दीक्षा शर्मा। अमृत विचार

एएसपी ने मझगवां थाने का देखा हाल

- **हमीरपुर।** एएसपी मनोज गुप्ता ने शनिवार को मझगवां थाने में कार्यालय, लॉकअप, अपराध रजिस्टर, महिला हेल्पडेस्क, साइबर हेल्प डेस्क, सीसीटीएनएस कक्ष, विवेचना कक्ष, मालखाना और सीसीटीवी कैमरों का निरीक्षण किया।

दो निरीक्षक और दो एसआई बदले गए

- एसपी डॉ .दीक्षा शर्मा ने निरीक्षक आशुतोष कुमार सिंह को अपराध शाखा से मझगवां थाना प्रभारी बनाया है। दिनेश पाण्डेय को मझगवां से जरिया थाने भेजा है। एसआई अजीत सिंह को पुलिस लाइन से जलालपुर व मयंक चंदेल को जरिया से चिकासी की कमान सौंपी है।

ट्रक ने ई-रिक्शा में टक्कर मारी महिला की मौत, 4 यात्री घायल

चंडौत रोड पर झबरा गांव के पास हुआ हादसा, दो गंभीर घायल उरई रेफर किए गए

संवाददाता, सरीला (हमीरपुर)

- घायलों में ई-रिक्शा चालक भी शामिल, सीएचसी में भर्ती
- पुलिस ने ट्रक और उसके चालक को पकड़ थाने पहुंचाया

अमृत विचार। जरिया थाना क्षेत्र के चंडौत मार्ग पर झबरा और मंडी के बीच अनियंत्रित ट्रक ने ई रिक्शा में टक्कर मार दी। जिसमें ई रिक्शा में सवार 35 वर्षीय महिला की मौके पर मौत हो गई, जबकि चार अन्य सवारियां घायल हो गई। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस से सभी घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया। दो घायलों की हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने उरई रेफर किया है।

सुमन देवी।

शनिवार को कस्बा निवासी जितेन्द्र (30) पुत्र रामसनेही अपने ई रिक्शा में सन्तोष (40) पुत्र बालादीन निवासी बौखर, छोटेलाल (65) पुत्र सैयादीन निवासी निवाड़ी थाना कालपी जिला जालौन, जरिया निवासी पीआरडी गार्ड रमाकांत अहिरवार (42), बालादीन अपनी पत्नी सुमन देवी (36) के साथ अपने घर जा रहे थे। तभी चंडौत मार्ग पर मंडी के पास अनियंत्रित ट्रक ने ई रिक्शा में टक्कर मार दी, जिसमें सुमन देवी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ई रिक्शा में बैठा उसका पति रमाकांत, सन्तोष, छोटेलाल और ई रिक्शा चालक जितेन्द्र गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से घायलों को कस्बे की सीएचसी भेजा। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने संतोष व जीतेन्द्र की हालत गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज उरई रेफर किया गया है। महिला की मौत से परिजनों में कोहराम मचा है। मृतका अपने पीछे पति, बेटा दीपक (13) व बेटी ज्योति (10) को रोते बिलखते छोड़ गई है। चंडौत पुलिस चौकी प्रभारी रमाकांत शुक्ला ने बताया कि ट्रक व ट्रक चालक को पकड़ लिया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

सीएचसी में घायलों का इलाज करते डॉक्टर। अमृत विचार

ई रिक्शा चालक ने ट्रेन से कट दी जान

सुमेरपुर। शुक्रवार को देर शाम ई रिक्शा चालक ने चंदपुरवा गेट के समीप ट्रेन से कटकर जीवन लीला समाप्त कर ली। परिजन घटना का कारण नहीं बता पा रहे हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

चंदपुरवा बुजुर्ग निवासी दयाराम साहू का सबसे बड़ा पुत्र आशीष साहू (22) ई रिक्शा चलाकर परिवार का सहयोग करता था। शुक्रवार को देर शाम उसने चंदपुरवा गेट के समीप किसी ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली। परिजन घटना का कारण नहीं बता पा रहे हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मृतक तीन भाइयों एवं एक बहन में सबसे बड़ा और अविवाहित था। बहन की शादी हो चुकी है। अचानक हुई इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया है। माता-पिता भाइयों एवं बहन का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है।

आशीष साहू।

युवक ने गटका जहर रास्ते में थम गई सांस

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

अमृत विचार। कस्बे में एक युवक ने जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन सीएचसी ले गए, जहां हालत गंभीर होने पर सदर अस्पताल रेफर कर दिया। वहां से चिकित्सकों ने कानपुर रेफर कर दिया। कानपुर ले जाते समय युवक की रास्ते में मौत हो गई। कोतवाली पुलिस ने शव का पंचानामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कस्बे के मराठीपुरा टेमन बाबा निवासी भगवान दास (22) पुत्र स्व. चुनूबाद ने अपने घर में देर रात अज्ञात कारणों के चलते जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे कस्बे के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत में सुधार न होने पर सदर अस्पताल रेफर कर दिया। लेकिन सदर अस्पताल से चिकित्सकों ने कानपुर के लिए रेफर कर दिया। परिजन जब उसे कानपुर ले जा रहे थे तो रास्ते में युवक की मौत हो गई। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। मृतक अपने परिवार में दो भाई और तीन बहन थे। जिसमें दो बहनों की शादी हो चुकी है। परिजनों के अनुसार शुक्रवार की रात में सभी ने साथ में खाना खाया, लेकिन उसके बाद भगवान दास ने ऐसा क्यों किया कोई कुछ नहीं बता पा रहा। जबकि कुछ लोग मृतक की मौत का कारण आर्थिक तंगी बता रहे हैं। प्रभारी कोतवाली चंद्रशेखर गौतम ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

भगवानदास।

कॅरियर गाइडेंस मेले में प्रतियोगी परीक्षाओं के दिए गए खास टिप्स

संवाददाता, मौदहा

अमृत विचार। क्षेत्र के ग्राम रीवन स्थित राजकीय हाईस्कूल में कैरियर गाइडेंस मेले का आयोजन किया गया जिसमें छात्रों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की जानकारी के साथ रोजगार परक शिक्षा के बारे में विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रमोद केसरवानी रहे।

क्षेत्र के ग्राम रीवन के राजकीय हाईस्कूल में जिला विद्यालय निरीक्षक मनोज कुमार गुप्ता के निर्देश पर कैरियर गाइडेंस मेले का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि सांख्यिकी अधिकारी प्रमोद कुमार केसरवानी और विशिष्ट अतिथि ग्राम प्रधान ओम प्रकाश कुशवाहा रहे। कार्यक्रम के दौरान छात्रों द्वारा बनाए गए सामानों का अतिथियों ने गहनता से निरीक्षण कर सराहना की। साथ ही वक्ताओं ने छात्रों को कैरियर बनाने के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और रोजगार परक शिक्षा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही अतिथियों का सम्मान किया गया सम्मान समारोह के दौरान मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि के अलावा अब्दुल शमीम बीपीसीएम, सूरज, स्मृति आईटीआई मौदहा, आदित्य, अली अहमद, भरत आदि को सम्मानित किया गया। इस दौरान जिला समन्वयक यज्ञेश कुमार, प्रधानाचार्य राजेंद्र कुमार, नोडल प्रकाश गौरव गौतम, निवेदिता सिंह, संतोष कुमार वर्मा, पंख सहित अन्य जिम्मेदार अधिकारी और स्टाफ मौजूद रहा।

राजकीय हाईस्कूल में कॅरियर गाइडेंस मेले का आयोजन हुआ।

वीरांगना झलकारी बाई को किया याद

संवाददाता, सुमेरपुर

- वर्णिता संस्था की ओर से जयंती मनाई गई
- गोष्ठी में झलकारी बाई के योगदान पर चर्चा हुई

अमृत विचार। वर्णिता संस्था के तत्वावधान में विमर्श विविधा के अंतर्गत 'जिनका देश ऋणी है' के तहत संस्था के अध्यक्ष डा.भवानीदीन ने वीरांगना झलकारी बाई की जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि झलकारी बाई वास्तव में एक समर्पित युवा वीरांगना थीं। उनके योगदान को कतई भुलाया नहीं जा सकता है।

उन्होंने बताया कि झलकारी बाई का जन्म झांसी के निकट भोजला गांव में सरोवर सिंह और जमुना बाई की संतान के रूप में 22 नवंबर 1830 को हुआ था। उनके पति का नाम पूरन कोरी था। जलकारी बाई एक वीरांगना महिला थीं। वर्ष 1857 के आजादी के समर इनकी भूमिका महत्वपूर्ण थी। झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के साथ भितरघात होने पर झांसी पराजय के समय रानी को झांसी से बाहर जाने में झलकारी बाई की अहम भूमिका थी। वह रानी लक्ष्मीबाई की हमशक्ल थी, उन्होंने रानी लक्ष्मीबाई के वेश में गोरों के शिविर में पहुंच कर उन्हें भ्रम में डाल दिया था। उनकी मौत को लेकर दो मत है, एक स्वयं पहल कर सखी द्वारा मृत्यु और गोरों द्वारा दी गई मौत। 04 अप्रैल 1857 को यह शहीद हो गई थी। कार्यक्रम में सिद्धा, प्रेम, रामनारायण सोनकर, दयाराम सोनकर, रिचा, पंकज सिंह, सतेन्द्र और राहुल प्रजापति आदि लोग शामिल रहे।

मुलायम सिंह यादव को श्रद्धासुमन अर्पित करते सपा कार्यकर्ता। अमृत विचार

सपा ने मुलायम सिंह की जयंती मनाई

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

- राठ के यादव छात्रावास में सपा कार्यकर्ताओं का जमघट लगा

अमृत विचार। धरती पुत्र मुलायम सिंह यादव की 86वीं जयंती पर लोगों ने उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। पड़ाव स्थित यादव छात्रावास में सैकड़ों की संख्या में समाजवादी कार्यकर्ता पहुंचे।

इस मौके पर सपा के जिला महासचिव सुरेंद्र सिंह लोधी ने पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के चित्र पर माल्यर्पण करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान उन्होंने कहा कि नेता जी जन जन के मसीहा थे। उन्होंने सभी सपा कार्यकर्ताओं से मुलायम सिंह यादव के बताए गए मार्ग पर चलने का आवाहन किया।

इस मौके पर सपा नेता एवं पूर्व विधायक अनिल कुमार अहिरवार ने कहा कि आज संविधान विरोधी ताकतें हमारे देश को कमजोर करने में जुटी हैं। हमें सच्चे समाजवादी बनकर सजग प्रहरी की तरह संविधान बचने का कार्य करना होगा। डा. शमीम खान, गोकुल राजपूत ने भी अपने विचार रखे। इस मौके पर शिव सिंह यादव, देवकी नंदन यादव, नीलम यादव, अमर सिंह लोधी, राजपूत चंद्रवती, सत्यपाल यादव, अवधेश यादव, बबलू श्रीवास्तव, सपा नगर अध्यक्ष मेराज राइन, राम सजीवन यादव, विमलेश कुमारी, राकेश यादव, डा.शमीम, महेश यादव फौजी समेत अनेक लोग रहे।

प्रतियोगिता | वीरभूमि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में दो दिवसीय वार्षिक क्रीड़ा समारोह

एसडीएम ने अस्थाई रैनबसेरा का देखा हाल

संवाददाता, सरीला (हमीरपुर)

अमृत विचार। सर्दियों में यात्रियों व बेसहारों को ठंड से बचने व ठहरने के लिए सरीला नगर में अस्थाई रैन बसेरा बनाया गया है। शुक्रवार देर शाम एसडीएम ने निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया है।

सर्दियों को देखते यात्रियों को ठहरने के लिए नगर में अस्थाई रैन बसेरा बनाया गया है। रैन बसेरा में दस बेड प्रत्येक बेड पर नये गद्दे, चादर, तकिया, कंबल एवं महिलाओं व पुरुषों के लिए अलग अलग शौचालय की व्यवस्था की गई है। शुक्रवार देर शाम को एसडीएम बलराम गुप्ता ने अस्थाई रैन बसेरा का निरीक्षण किया है। निरीक्षण में रैन बसेरा की रंगाई-पुताई, शौचालय में पानी सप्लाई के लिए सम्बंधित को निर्देशित किया गया है। पानी की अस्थाई व्यवस्था की है। लाइट पर्याप्त न होने के चलते पर्याप्त व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए गए हैं। एक केयरटेकर की तैनाती की गई है। दीवार पर केयर टेकर का मोबाइल नंबर लिखने के लिए कहा गया है। आगे कहा कि जो भी यात्री यहां आए किसी भी प्रकार की कोई समस्या न हो। रैन बसेरा के पास अलाव जलाने के लिए कहा है। इस मौके पर नगर पंचायत के कर्मी मौजूद रहे।

रैन बसेरा का निरीक्षण करते सरीला एसडीएम बलराम गुप्ता। अमृत विचार

तहसीलदार ने बूथों का किया निरीक्षण

- **सरीला।** तहसील में 149 बूथों के बीएलओ ने गणना पत्रक एकत्र किए। सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/तहसीलदार राममोहन कुशवाहा ने भी बूथ संख्या 86 करियारी, बूथ संख्या 119 जमखुरी, बूथ संख्या 122 बीरा, बूथ संख्या 16 बिरहट का निरीक्षण किया।

समाधान दिवस में तीन शिकायतें आईं

कुरारा। थाना परिसर में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक की अध्यक्षता में थाना समाधान दिवस का आयोजन हुआ, जिसमें राजस्व विभाग की तीन शिकायतों को दर्ज किया गया।

प्रभारी निरीक्षक रामआसरे सरोज के सामने जखेला गांव के प्रवीण पुत्र रामबहादुर ने शिकायती पत्र में बताया कि रामेश्वर यादव पानी का निकास नहीं कर रहा है, जिससे खेत में पानी भरा हुआ है। खेत बुवाई के लिए पड़ा है। बिलौटा के रामप्रकाश ने नए नलकूप का शिकायती पत्र दिया। भैंसापाली गांव के रामकरण ने ग्राम समाज की जमीन पर अवैध कब्जा की शिकायत करते हुए बताया कि वह अपने खेत नहीं जा पा रहा है। तीनों शिकायतों को राजस्व विभाग को भेज दी गई है।

जीवन की राह दिखाती कथा

संवाददाता, पौथिया

अमृत विचार। राठ मार्ग स्थित कीरतपुर बैठका धाम हनुमान मंदिर प्रांगण में श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन संगीतमय वातावरण में वृंदावन धाम से आईं कथावाचक स्तुति तिवारी ने धुंधकारी गोकर्ण और आत्मदेव की कथा का वर्णन किया। जिसे सुनकर उपस्थित श्रोता भाव विभोर होकर अपनी आंखों से अश्रुधारा बहाने लगे।

कथा व्यास ने बताया कि आत्मदेव ब्राह्मण का पुत्र धुंधकारी सांसारिक मोह और विषय वासना में लिप्त हो गया, परंतु उसका उद्धार सम्भव हुआ। अपने ही भाई गोकर्ण की भागवत श्रवण साधना से यह कथा दर्शाती है कि जीवन में चाहे कितना भी पतन हो जाए परंतु यदि सच्चे मन भक्ति और श्रवण का सहारा लिया जाए तो मुक्ति सम्भव है। भागवत पुराण में भक्ति ज्ञान और वैराग्य के महत्व को प्रतिपादित करता है। सभी ने कथा के अंत में प्रसाद प्राप्त किया। इस मौके पर बबलू मिश्रा, पवन यादव, संदीप दीक्षित, बाबू यादव, सुखदेव सिंह खंगार, रामबाबू, संत गोपालानंद महाराज उर्फ राजू महाराज आदि श्रोता उपस्थित रहे।

कथा सुनातीं स्तुति तिवारी।

प्रवेश प्रारम्भ

मेहेरवान महाविद्यालय जराखर-राठ (हमीरपुर)

महाविद्यालय में स्ववित्त पोषित योजना के अंतर्गत प्राचार्य/प्रवक्ता पदों की आवश्यकता है।

प्राचार्य – 01 पद, स्नातक स्तर पर विज्ञान संकाय– बी.एस.सी. **पाठ्यक्रम–** भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान एवं गणित प्रत्येक विषय में 04–04 पद।

वाणिज्य संख्याएं – कला संकाय– बी.ए. ,बी. एस. सी., **पाठ्यक्रम–** हिन्दी, अंग्रेजी, समाज शास्त्र, राजनीति शास्त्र, इतिहास एवं गृह विज्ञान प्रत्येक विषय में 04–04 पद ।

योग्यता – यू.जी.सी. बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झांसी एवं उ.प्र. सरकार के मानक के अनुसार।

नोट– 1 – आवेदन पत्र समस्त शैक्षणिक अभिलेखों की छाया प्रति, 04 पासपोर्ट फोटो, आधार कार्ड, पेन कार्ड संलग्न करते हुये स्वयं या पंजीकृत डाक के द्वारा विज्ञापन प्रकाशन तिथि के 7 दिनों के अन्दर प्रेषित करें। 2 – रिक्तियों की संख्या घट बढ़ सकती है।

प्रबन्धक– डॉ. स्वामीदीन गुप्त

मो.नं.–9450267272, 8299475607, 9452571705, 7007343465

न्यूज ब्रीफ

ट्रैक्टर पलटने से दब कर चालक की मौत

चित्रकूट। थाना पहाड़ी अन्तर्गत कस्बा के कर्वी पहाड़ी मार्ग स्थित साक्षी ढाबा के पास एक ट्रैक्टर पलट गया। इसके नीचे दबने से ड्राइवर की मौके पर मौत हो गई । लोगों के अनुसार मनोज 38वर्ष निवासी ग्राम बाघा थाना कागारोल जिला आगरा अपना निजी ट्रैक्टर लेकर पयार की कतराई करने चित्रकूट जनपद के पहाड़ी गांव अपने चचेरे भाई यदुबीर सिंह के साथ आज ही आगरा से आए थे। दिनभर कतराई करने के बाद शाम को वापस अपने ठिकाने जहां सभी लोग अस्थाई रूप से निवास बनाए हैं की ओर जा रहे थे। जैसे ही कस्बा पहाड़ी निकल कर साक्षी ढाबा के पास पहुंचे तभी ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित खाई में पलट गया और चालक ट्रैक्टर के नीचे दब गया। घटना की सूचना पर तत्काल प्रभारी थानाध्यक्ष सत्यनारायण सिंह सब इंस्पेक्टर राजेश यादव मय फोर्स मौके पर पहुंचे और ट्रैक्टर को सीधा कर चालक को बाहर निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहाड़ी लाए, जहां डाक्टरों ने देखते ही उसे मृत घोषित कर दिया।

थाना समाधान दिवस का हुआ आयोजन

चित्रकूट। थाना क्षेत्रों में शनिवार को थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। कोतवाली कर्वी में जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने लोगों की समस्याओं को सुना। नौ प्रकरणों में से तीन का मौके पर निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी ने कोतवाली प्रभारी को निर्देश दिए कि राजस्व व पुलिस से संबंधित शिकायतों का समयबद्ध व पारदर्शी तरीके से समाधान किया जाए। ।

उबलते पानी में गिर कर झुलसी मासूम

चित्रकूट। मानिकपुर क्षेत्र के छेरिहा खुर्द गांव में शनिवार दोपहर घर के आंगन में खेल रही डेढ़ वर्ष की मासूम बच्ची अनुष्का उबलते पानी से भरे बर्तन में गिर गई। इससे वह गंभीर रूप से झुलस गई। परिजन उसे स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। वहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। महिला ने बताया कि वह दूसरे बच्चे को बीमारी की वजह से भाप दे रही थी। इसी दौरान यह पीछे से आ गई और गर्म पानी में गिर गई। डाक्टरों के अनुसार, बच्ची का उपचार जारी रहेगा।

समझाने के बाद किया गया अंतिम संस्कार

चित्रकूट। खोह गांव में एक माह पूर्व हुई मारपीट में घायल व्यक्ति केवलराम की इलाज के दौरान मौत होने के बाद परिजनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए शव का अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया । केवलराम का शव गांव पहुंचने पर परिजनों ने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। उन्होंने मांग पूरी न होने तक शव का अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया ।प्रशासन और पुलिस अफसर गांव पहुंचे। अधिकारियों ने परिजनों को मांगे पूरा करने का आश्वासन दिया। इसके बाद परिजन अंतिम संस्कार करने को राजी हुए।

समाज कार्य के छात्रों ने किया भ्रमण

सीतापुर। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के समाजकार्य पाठयक्रम के विद्यार्थियों ने शनिवार को सतना में मातृ छाया और सेवा भारती का भ्रमण किया। कार्यक्रम संयोजक डा. अजय आर चौरे ने बताया कि विद्यार्थियों ने दोनों संस्थाओं के कामों को जाना। कारागार परिसर सतना का भी भ्रमण किया।

बार एसोसिएशन के अध्यक्ष के घर बम फेंकने में तीन गिरफ्तार

बार के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व महासचिव पर साजिश रचने का लगा आरोप

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

पुलिस की गिरफ्त में तीनों आरोपी और जानकारी देते अपर पुलिस अधीक्षक सत्यपाल सिंह। अमृत विचार

अमृत विचार। बार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष अशोक कुमार गुप्ता के घर पर बम फेंकने के आरोप में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अपर एसपी सत्यपाल सिंह ने बताया कि इन आरोपियों ने कुबूला है कि इन्होंने अधिवक्ता सुरेश तिवारी और एक अन्य अधिवक्ता नवीन त्रिपाठी के कहने पर यह हमला किया था। पुलिस ने दोनों अधिवक्ताओं के साथ पांच अन्य आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

अपर एसपी ने बताया कि एक अक्टूबर को अधिवक्ता अशोक कुमार गुप्ता ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि बीती रात लगभग एक बजे धमाके की आवाज सुनकर बाहर आए तो देखा कि लान में खड़ी कार का पिछला सीसा टूटा हुआ था। घर पर लगे सीसीटीवी फुटेज को चेक करने पर बाइकसवार युवक आतेजाते नजर आए। बाइक पर पीछे बैठे व्यक्ति ने घर के अंदर बम फेंका था। 21 नवंबर को निरीक्षक अपराध कोतवाली कर्वी राजकुमार वर्मा ने मुखबिर की सूचना पर देवांगना घाटी के पास से बाइकसवार तीन लोगों को रोका। इन्होंने अपने नाम बंटी पाल पुत्र मनोज निवासी मुंडेरा थाना धूमनगंज (प्रयागराज), आकाश

● विवेचना के बाद सात लोगों के नाम की गई एफआईआर

उर्फ राहुल तिवारी पुत्र कमलेश निवासी सीओडी नैनी (प्रयागराज) और ऋषभ कनौजिया उर्फ सांडा पुत्र रामबाबू निवासी झलवा थाना धूमनगंज बताए। पुलिस की कड़ाई से पूछताछ में इन्होंने अधिवक्ता के घर पर हमले में हाथ होने की बात कुबूली। उन्होंने बताया कि आकाश ने बताया कि ऋषभ व बंटी से उसकी मुलाकात नैनी जेल में हुई थी। जमीन के सिलसिले में उसका चित्रकूट आना जाना होता है। इसी दौरान मित्रता अधिवक्ता सुरेश तिवारी से हो गई थी। बताया कि एक दिन सुरेश तिवारी ने बताया कि कचहरी में हुए एक झगड़े में अधिवक्ता अशोक गुप्ता की शह पर कुछ लोगों ने उनके साथ मारपीट की थी। इससे उनका काफी अपमान हुआ है। एएसपी ने बताया कि आकाश के अनुसार, वह बंटी पाल के साथ सुरेश तिवारी के घर गया, जहां सुरेश तिवारी व अधिवक्ता नवीन त्रिपाठी ने अशोक गुप्ता के ऊपर बम से हमला करने को कहा। सुरेश ने यह भी कहा कि घटना करने के लिए 50 हजार रुपये देंगे। कुछ पैसा बंटी को दिया भी था। आकाश के अनुसार, इसके बाद उसने बंटी पाल, यश दीक्षित, अभय पासी व ऋषभ उर्फ सांडा को फोन करके प्रयागराज से बुलाया था। ये बम बनाने में माहिर हैं। घटना वाले दिन पांचों लोगों ने सुरेश व नवीन के साथ अशोक गुप्ता का घर देखा। आकाश ने पुलिस को बताया कि इसके बाद सुरेश तिवारी ने उसे बम बनाने के लिए पैसे भी दिए। इस पर कर्वी की एक दुकान से काफी मात्रा में पटाखे खरीदे और हनुमान धारा के पास एक मंदिर, जहां प्लानिंग के तहत राहुल तिवारी द्वारा कीर्तन कराया जा रहा था, के पास खाली प्लाट पर पटाखों से बारूद निकालकर उसमें छर्रा आदि भरकर चार बम तैयार किए गए थे। रात्रि में दो बाइकों से अधिवक्ता के घर जाकर बम फेंके गए। घटना के बाद सुरेश तिवारी ने कुछ पैसा दिया था और कुछ पैसा बाद में देने के लिए कहा था। उसी पैसे को लेने आए थे तभी पुलिस द्वारा देवागंना घाटी के पास पकड़ लिया। वहीं पुलिस ने बाइक को सीज कर दिया है। वहीं अपर पुलिस अधीक्षक सत्यपाल सिंह ने बताया कि पकड़े गए तीनों आरोपियों का आपराधिक इतिहास है। इनके खिलाफ प्रयागराज के विभिन्न थानों में कई रिपोर्ट दर्ज हैं।

विवाद में तीन लोगों पर जताई थी शंका

- एएसपी ने बताया कि हालांकि अधिवक्ता ने बताया था कि उनका स्वप्निल अग्रवाल से संपत्ति और पत्रकारों संजय सिंह राणा व निरंजन पांडेय से भी अन्य विवाद हैं। इस पर पुलिस ने विस्फोटक पदार्थ अधिनियम व अन्य धाराओं में इन तीनों के साथ दो अज्ञात लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कर ली थी। बाद में विवेचना में दूसरी कहानी सामने आई और आरोपी भी दूसरे सामने आए।

एफआईआर में वकीलों सहित पांच और नाम

- एएसपी ने बताया कि आरोपियों के बयान और पर्याप्त साक्ष्यों के आधार पर रिपोर्ट में दंगा, आपराधिक साजिश, मृत्यु व संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की धाराओं को जोड़ा गया है। रिपोर्ट में बंटी पाल, आकाश उर्फ राहुल तिवारी, ऋषभ कनौजिया उर्फ सांडा, यश दीक्षित, अभय पासी उर्फ छोटू, सुरेश तिवारी और नवीन त्रिपाठी के नाम हैं।

बार के पदाधिकारी रह चुके हैं दो आरोपी

- गौरतलब है कि आरोपी अधिवक्ता सुरेश तिवारी अधिवक्ता संघ के तीन बार जिलाध्यक्ष रह चुके हैं। नवीन त्रिपाठी भी पूर्व महासचिव हैं। वहीं, अधिवक्ता नवीन चंद्र ने बताया कि यह सब अशोक गुप्ता की साजिश है। जिस आरोपी ने उन लोगों का नाम लिया है, उससे प्लाटिंग का विवाद चल रहा है। किसी के नाम लेने से कोई दोषी नहीं हो जाता। पुलिस अधीक्षक से मिलकर वे अपना पक्ष रखेंगे।

कौशांबी पुलिस की गिरफ्त में आरोपी युवक। अमृत विचार

कौशांबी के सर्राफ से लूट में जिले के 5 युवक गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

अमृत विचार। कौशांबी के सराय अकिल कस्बे में एक सर्राफ से हुई लूट में वहां की पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी चित्रकूट जिले के निवासी हैं। मुठभेड़ के दौरान तीन आरोपियों के पैर में गोली भी लगी हैं।

कौशांबी पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, भगौतीगंज कस्बा सराय अकिल निवासी अंशू सोनी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 19 नवंबर की रात दुकान से घर जाते समय बिन्नई मोड़ के पास बोलेरो सवार लोगों ने पांच किलोग्राम चांदी और लगभग 24 ग्राम सोने के आभूषणों से भरा चित्रकूट बैग छीन लिया था और भाग गए थे। एसपी कौशांबी राजेश कुमार ने घटना के खुलासे के लिए कई टीमों का गठन किया था। सीसीटीवी फुटेज, चेकिंग और सर्विलांस की मदद से जो नाम सामने आए थे, उनके संबंध में मुखबिरों का कहना था कि ये इलाके के नहीं हैं और संदिग्ध बोलेरो जुगराजपुर गांव के पास देखी गई है। पुलिस ने 20 नवंबर को इस बोलेरो को गांव के पास घेर लिया। इस पर बोलेरो में बैठे तीन लोगों ने पुलिस टीम पर फायर किया और भागने की कोशिश की। इस पर पुलिस ने गोलियां चलाईं, जो आरोपियों राजापुर निवासी आकाश उर्फ अर्जुन सेन पुत्र गणेश सेन, अर्जुन पुत्र धनराज और रामप्रकाश यादव पुत्र शिवभवन यादव निवासी बहिलपुरवा के पैरों में लगीं। इन सबको मंझनपुर जिला अस्पताल भेजा गया। आरोपियों से लूट का बैग, बोलेरो, तीन तमंचे और रुपये बरामद हुए। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने बताया कि वे महिला पुल होते हुए चित्रकूट भागना चाहते थे कि पुलिस ने दबोच लिया। बोलेरो में बैठे दो अन्य आरोपियों विपिन और शनि सोनकर को भी पुलिस ने पकड़ लिया। ये भी राजापुर निवासी हैं। आरोपी आकाश और अर्जुन पर राजापुर थाने में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

गणना पत्र वितरण की जानकारी करते उप जिलाधिकारी फूलचंद यादव। अमृत विचार

गणना प्रपत्र वितरण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

संवाददाता, राजापुर चित्रकूट

● उप जिलाधिकारी ने मौके पर जाकर देखी कार्यप्रणाली

अमृत विचार। उप जिलाधिकारी फूलचंद यादव ने शनिवार को एसआईआर से संबंधित गणना पत्र वितरण को मौके पर जाकर देखा। उन्होंने बीएलओ को आगाह किया कि इसमें लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

एसडीएम ने बताया कि पंचायत चुनाव को देखते हुए राज्य निर्वाचन आयोग के आदेशानुसार सन् 2003 की मतदाता सूची के अनुसार मतदाताओं का सत्यापन करने के लिए गणना पत्र वितरण के निर्देश दिए गए हैं। कस्बा सहित ग्रामीण क्षेत्रों में बीएलओ के माध्यम से गणना प्रपत्र वितरण शुरू किया गया है। बीएलओ को निर्देश दिए गए हैं कि घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क करें और काम को जल्द से जल्द पूरा करें। उन्होंने निरीक्षण के दौरान कई जगहों पर काम की धीमी गति देख बीएलओ पर नाराजगी जताते हुए फटकार लगाई। आगाह किया कि लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बताया कि मतदाता की यूनिट आईडी के आधार पर फॉर्म भरना है। मतदाता सूची में नाम नहीं है तो मतदाता अपने माता-पिता की यूनिक आईडी के आधार पर फॉर्म भरकर संबंधित बीएलओ के पास जमा कर दें। नवविवाहिताएं माता-पिता के यूनिक आईडी फार्म में डाल कर गणना पत्रक जमा करें। उन्होंने बताया कि द्वितीय चरण में छूटे हुए मतदाताओं को नोटिस जारी की जाएगी।

इसके बाद भी किसी मतदाता ने संज्ञान नहीं लिया तो वह मतदान के अधिकार से वंचित रह जाएगा। उन्होंने लोगों से सहयोग की अपील की।

सभी लोग एसआईआर में करें सहयोग : डीएम

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

अमृत विचार। जिला निर्वाचन अधिकारी पुलकित गर्ग ने शनिवार को गणना प्रपत्र संबंधी गतिविधियों की समीक्षा की। एक एक बीएलओ के कामों की जानकारी ली। लोगों से अपील की की वे इस काम में सहयोग करें।

जिलाधिकारी ने बताया कि चार नवंबर से चार दिसंबर तक विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचन नामावलियों का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण किया जा रहा है। इसके तहत बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं को गणना प्रपत्रों का वितरण एवं संग्रहण कर रहे हैं। अभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र चित्रकूट में 385302 व मानिकपुर में 353646 मतदाता हैं। इनके सापेक्ष 235170 (31.82 फीसदी) गणना प्रपत्र आनलाइन कर दिए गए हैं। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील की कि वे गणना प्रपत्र जल्द से जल्द बीएलओ के पास जमा कर दें।

बच्चों को बताया साफ-सफाई का महत्व

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

अमृत विचार। पीएमश्री कंपोजिट विद्यालय कछारपुरवा में स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत शनिवार को अभिभावक सम्मेलन, पौधरोपण कार्यक्रम हुआ। बच्चों को सफाई का महत्व बताया गया। बच्चों ने विभिन्न विषयों पर पोस्टर बनाए। एलोवेरा, तुलसी के पौधे लगाए गए। इस मौके पर शिक्षक यामेंद्र दत्त पांडेय, उपेंद्र कुमार शर्मा, उषा रानी त्रिपाठी, रचना यादव, विद्यासागर सिंह, सरला देवी, सोनू गौतम, ममता देवी, गीतांजलि, प्रियंका द्विवेदी, दीपा देवी, सियाराम सिंह रहे।

अपने पोस्टर दिखाते स्कूल के बच्चे। अमृत विचार

महंत सहित तीन पर लगाया गैंगरेप का आरोप

सीतापुर (चित्रकूट)। तीर्थक्षेत्र में एक अखाड़े के महंत सहित तीन लोगों पर मध्य प्रदेश की एक महिला ने गैंगरेप का गंभीर आरोप लगाया है। बताया जाता है कि पुलिस से न्याय न मिलने पर पीड़िता ने न्यायालय का रुख किया था। न्यायालय के आदेश पर महंत सहित तीन लोगों के खिलाफ गैंगरेप की रिपोर्ट भी दर्ज हुई थी। बताते हैं कि पुलिस ने जांच के बाद मामले में फाइनल रिपोर्ट लगा दी थी। न्यायालय ने इस फाइनल रिपोर्ट को खारिज करते हुए दोबारा विवेचना के निर्देश दिए हैं, जिससे पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो गए हैं।

खेलकूद से आती शरीर में बीमारियों से लड़ने की क्षमता

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

● वॉलीबाल के उद्घाटन मैच में अयोध्या ने झांसी को हराया

अमृत विचार। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जन्म शताब्दी के अवसर पर हो रहीं खेल प्रतियोगिताओं के क्रम में शनिवार को स्पोर्ट्स स्टेडियम में चार दिवसीय राज्य स्तरीय सीनियर महिला वॉलीबाल प्रतियोगिता की शुरुआत हुई। उद्घाटन अवसर पर पूर्व सांसद आरके सिंह पटेल ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेलने से शरीर में बीमारियों से लड़ने की क्षमता आती है।

प्रतियोगिता में 18 मंडलों की टीमें हिस्सा ले रही हैं। उद्घाटन के दौरान पूर्व सांसद ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उद्घाटन मैच झांसी एवं अयोध्या मंडल के बीच हुआ, जिसमें अयोध्या के खिलाड़ी जीते। अन्य मैचों में बस्ती मंडल ने मेरठ मंडल और आगरा ने कानपुर मंडल, प्रयागराज ने अलीगढ़, आजमगढ़ ने सहारनपुर, वाराणसी ने झांसी मंडल, मुरादाबाद ने लखनऊ मंडल, प्रयागराज ने अलीगढ़, गोंडा ने मिर्जापुर और आजमगढ़ ने सहारनपुर मंडल की टीम को हराया। क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी भानु प्रसाद ने बताया कि विजेता खिलाड़ियों के खाते में इनाम की राशि भेजी जाएगी। जिला क्रीड़ाधिकारी अरविंद कुमार सोनकर, संदीप गुप्ता, डा. तुषारकांत शास्त्री, सबल सिंह, प्रेमशंकर शुक्ला, श्यामसुंदर यादव, कमलेश कुमार, फरजाना, अंगद सिंह, फिरोज अंसारी, अख्तर हुसैन, हितेंद्र सिंह आदि खेल प्रशिक्षक मौजूद रहे। रंजीत, रामजन्म, राजेश पटेल, शिवशंकर यादव, मलिक इरफान, मोहम्मद रफीक, प्रवीण कुमार, आशीष कुमार, ज्ञानेंद्र कुमार, विकास चतुर्वेदी, वीर प्रताप सिंह, धीरेंद्र सिंह निर्णायक की भूमिका अदा की।

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते पूर्व सांसद आरके सिंह पटेल। अमृत विचार

पहल बारा विधायक डॉ. वाचस्पति की मेहनत लाई रंग, आवागमन होगा सुगम, हजारों लोगों को मिलेगी राहत

सवा तीन करोड़ की लागत से बनेगा बुंदेला नाला पर पुल

अभिनव राज त्रिपाठी,मऊ चित्रकूट

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात करते हुए बारा विधायक डॉ. वाचस्पति।

बरसात के समय कुछ इस तरह से जान जोखिम में डालकर निकलते हैं लोग।

अमृत विचार। आजादी के सात दशक बीत जाने के बाद अब बुंदेला नाला की तस्वीर बदलेगी। मऊ-परदवां संपर्क मार्ग पर चित्रकूट प्रयागराज सीमा स्थित जर्जर बुंदेला नाले में अब पुल बनाने की कवायद शुरू होगी। इससे इस क्षेत्र में खुशी की लहर है।

गौरतलब है कि प्रयागराज के बारा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पड़ने वाले बुंदेला नाले पर पुल के लिए विधायक डॉ. वाचस्पति ने काफी प्रयास किए। बताया कि नाले पर अब जल्द ही पुल बनेगा। गौरतलब है कि बदहाल बुंदेला नाले पर आयेदिन हादसे होते रहते थे। बरसात के समय चित्रकूट का प्रयागराज जनपद से संपर्क कट जाता था। मऊ-परदवां संपर्क मार्ग के अंतिम छोर में स्थित बुंदेला नाला पर पुल निर्माण की मांग स्थानीय जनता लंबे अरसे से कर रही थी। डॉ. वाचस्पति के इस प्रयास पर भाजपा नेता चेतन दुबे, मऊ बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष प्रफुल्ल चंद्र त्रिपाठी, पूरब पताई के पूर्व प्रधान ठाकुर हरकेश बहादुर सिंह, वरिष्ठ समाजसेवी प्रेम बड़गैंया, वरिष्ठ भाजपा नेता विष्णु देव त्रिपाठी, एडवोकेट कुंवर बृजेश सिंह, मऊ चेयरमैन अमित द्विवेदी, पूर्व प्रधान पप्पू बरहा, एडवोकेट अमन सिंह, शादाब गनी, विकास द्विवेदी, विपुल पांडेय, हर्षित त्रिपाठी, प्रकाश निषाद, दीपक परदवां सहित अनेक लोगों ने धन्यवाद दिया है।

मऊ से प्रयागराज की दूरी होगी कम: बुंदेला नाला एक बरसाती नदी है जो शंकरगढ़ की पहाड़ियों से निकल कर प्रयागराज के लालापुर थानांतर्गत प्रतापपुर के पास यमुना नदी में मिल जाती है। प्रयागराज से घूरपुर लालापुर होते हुए सड़क मऊ में मिलती है।

इस मार्ग से मऊ से प्रयागराज की दूरी लगभग बीस किलोमीटर कम हो जाती है। सबसे बड़ी बाधा बुंदेला नाला है। स्थानीय लोग बताते हैं कि सरकार ने बहुत पहले एक रपटा बनवाया था लेकिन वर्तमान में वह क्षतिग्रस्त है। बरसात में लोग मजबूरी में जान जोखिम में डालकर यात्रा करते थे।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

स्थानीय पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

बुंदेला नाला पर पुल निर्माण से स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। प्रयागराज के लालापुर स्थित मनकामेश्वर मंदिर एवं मऊ के बरहा कोटरा स्थित प्रसिद्ध ऋषियन मंदिर व बरियारी कला स्थित लेटे हुए हनुमान जी मंदिर की कनेक्टिविटी बढ़ेगी। इससे आसानी से लोग इन जगहों पर जा सकेंगे। स्थानीय व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा।

'अमृत विचार' ने कई बार उठाया जर्जर नाले का मुद्दा

'अमृत विचार' ने कई बार बुंदेला नाले पर खबरें प्रकाशित कर पुल निर्माण की आवश्यकता जताई थी। जनमुद्दों को धार देने के लिए स्थानीय लोगों ने 'अमृत विचार' की सराहना करते हुए अखबार का आभार जताया है।

इन गांवों को मिलेगी सहूलियत

- मऊ परदवां संपर्क मार्ग पर स्थित घुरेहटा, पाली, कनभैय, परदंवा, मेड़े लाला का पुरवा, बेनीपुर, बरहा कोटरा, पूरब पताई, पश्चिम पताई, पाठक का पुरवा, टिटीहीरिया, बेलहा, बरियारी कला, डेंगरन का पुरवा, चौगिरिया, गढ़वा, गंजरी, सहित पचासों गांव के हजारों लोगों को पुल निर्माण से लाभ मिलेगा।

जल्द ही शुरू होगा पुल निर्माण का काम

- बारा विधायक डॉ. वाचस्पति ने बताया कि बुंदेला नाला पर पुल निर्माण उनकी प्राथमिकता में था। इस संबंध में उन्होंने विधानसभा में भी आवाज उठाई थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुल निर्माण के लिए धन आवंटित कर दिया है। लगभग सवा तीन करोड़ की लागत से पुल का निर्माण होगा। पुल निर्माण की टेंडर प्रक्रिया जल्द ही शुरू कर दी जाएगी तत्पश्चात कार्यदायी संस्था द्वारा पुल निर्माण का काम तेजी से शुरू कर देगी। इससे प्रयागराज और चित्रकूट के बीच कनेक्टिविटी बेहतर होगी।

कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, चित्रकूट।

संख्याः 1330 / जि0आ0 अ0/ चित्रकूट / अपील व आ0 सू0/2025-26/ दिनांक, नवम्बर 21, 2025

हिन्दी दैनिक अमृत विचार की हीरक वर्षगांठ पर सभी जनपदवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

अपील/आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि युवाओं के बीच नशा का बढ़ता प्रचलन चिंता का विषय है इस नशे की आदत से युवा वर्ग समाज के रचनात्मक विकास में अपना योगदान नहीं कर पा रहा है। ऐसी स्थिति में आप सभी से अपील है कि युवाओ को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें नशीली दवाओं के दुष्प्रभाव के सम्बन्ध में जागरूक करे, ताकि युवा वर्ग नशा मुक्त जीवन यापन करते हुए समाज के रचनात्मक विकास में महत्वपूर्ण सदस्य की भूमिका अदा कर सकें।

(अखिलेन्द्र बहादुर सिंह)
जिला आबकारी अधिकारी चित्रकूट।

पुलकित गर्ग
जिलाधिकारी चित्रकूट

अमृत विचार

कानपुर, रविवार 23 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

विधायक व डीएम ने गरीबों को बांटे कंबल

कालपी। नगर के मां वनखंडी देवी शक्तिपीठ में निराश्रित एवं जरूरतमंदों को कंबल और भोजन थाल का वितरण किया गया। महंत जमुना दास महाराज, क्षेत्रीय विधायक विनोद चतुर्वेदी, जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडे और पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार मौजूद रहे। कंबल व भोजन थाली पाकर जरूरतमंदों के चेहरे खिल उठे। मां प्रसादम सेवा न्यास की ओर से आयोजित कार्यक्रम में डीएम राजेश कुमार पांडेय ने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा करना सबसे बड़ा पुण्य है। एसपी डॉ. दुर्गेश कुमार, क्षेत्रीय विधायक विनोद चतुर्वेदी, संजीव उपाध्याय आदि के द्वारा कंबलों व भोजन थाली का वितरण किया गया। महंत ने आशीष वचन दिया। सीओ अवधेश कुमार सिंह, कोतवाल अजय ब्रह्म तिवारी, भाजपा नगर अध्यक्ष सुबह द्विवेदी, कृष्ण पाल सिंह चौहान, (बबलू ठाकुर) आदि लोग प्रमुख रूप से मौजूद रहे। कंबल व भोजन थाली पाकर जरूरतमंदों के चेहरे में रौनक दिखाई दी।

दंपति सहित तीन लोगों पर धोखाधड़ी की रिपोर्ट

कालपी। पुलिस ने अदालत के आदेश पर पति-पत्नी सहित 3 लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर किया है। कानपुर देहात के अहरौली मोड़ पुखरायां निवासी जेबा खान पत्नी मुहम्मद शमी ने नगर के रामगंज में साहिबे आलम और रमजानो पत्नी साहिबे आलम से रामगंज निवासी आरिफ अली हाशिमी के जरिए प्लाट खरीदा था। जिसके लिए उसने एक लाख नकद और ढाई लाख रुपये जरिए बैंक भुगतान किया था लेकिन जब वह कब्जा करने गया तो उसके पति द्वारा यह प्लाट किसी और को बेचा गया था जिसे बाद में रमजानो के नाम पर भी रजिस्ट्री की गई थी उसी रजिस्ट्री के जरिए उसने उसे भी प्लाट बेचा था। लेकिन इससे पहले उक्त मामले में मामला दर्ज हो चुका था। उसके प्लाट को कब्जे में लेने की हसरत अधूरी रह गयी थी। हालांकि इस दौरान उक्त महिला से दी गई रकम भी मांगी गई लेकिन नहीं दी गई। जिसके चलते उसे अदालत का सहारा लेना पड़ा था। अदालत ने महिला व उसके पति और सहयोगी के खिलाफ मामला दर्ज करने के निर्देश दिए।

ओवरटेक करने में बाइक फिसली, दो लोग घायल

पनवाड़ी। झांसी-मिर्जापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बस को ओवरटेक करते समय बाइक असंतुलित होकर गिर गई, जिससे उसमें सवार दो युवक घायल हो गए। ग्रामीणों की सूचना पर एम्बुलेंस से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पनवाड़ी में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार किया जा रहा है। थाना पनवाड़ी के हैवतपुरा गांव निवासी सुंदरम (18) पुत्र जुगल सिंह अपने मित्र सचिन (18) पुत्र दीनदयाल के साथ बाइक कस्बा राठ जा रहे थे, तभी आफतपुरा गांव के समीप आगे जा रहे बस को ओवरटेक करते हुए सुंदरम का बाइक से संतुलन बिगड़ गया और बाइक फिसल गई, जिससे दोनो युवक सड़क पर गिरकर बुरी तरह घायल हो गए। घटना होने के बाद भी चालक ने बस नहीं रोकी। आसपास के ग्रामीणों ने 108 एम्बुलेंस को फोन करके बुलाया और कुछ देर बाद एम्बुलेंस आने पर दोनो घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया।

गोवर्धन नाथ जू मेले में उमड़ी भीड़

बिक्री बढ़ने से दुकानदारों के चेहरे खिले, खेल प्रतियोगिताओं का दर्शक उठा रहे लुत्फ

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। ऐतिहासिक गोवर्धन नाथ जू मेला एकादशी के बाद से अब अपने पूरे सबाब पर पहुंच गया है। मेले में ग्रामीण अंचलों के साथ साथ अब कस्बे के लोगों की भीड़ जुटना शुरू हो गई है, जिसके चलते झूला संचालक व खानपान आदि की दुकाने लगाने वाले दुकानदारों की खूब बिक्री होने से उनके चेहरे खिल नजर अ रहे हैं। भीड़ जुटने के साथ ही चरखारी मेला लोगों से गुलजार हो गया है। शनिवार को भी मेला मैदान भीड़ से खचाखच भरा रहा। महिलाओं पुरूषों ने मेले में पहुंचकर खरीदारी कर मेले का आनंद लिया। वहीं मेले में होने वाले सांस्कृतिक व खेल प्रतियोगिताओं का दर्शक खूब मजा ले रहे हैं।

ऐतिहासिक गोवर्धन नाथ जू मेले का शुभारंभ चरखारी रियासत के महाराज सर मलखान सिंह दुबे ने 1883 में किया था। यह मेला भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं पर आधारित है। इस मेले का ऐतिहासिक महत्व के साथ साथ धार्मिक महत्व पवित्र कार्तिक मास में कार्तिक स्नान एवं व्रत रखने वाली महिलाओं के लिए विशेष पुन्य लाभ प्राप्त करने वाला है। ऐसी मान्यता है कि कार्तिक व्रत रखने वाली कतकरियां एकादशी के दिन भगवान गोवर्धन्नाथ जू मंदिर में दर्शन कर मनोकामनाओं की प्राप्ति होती है। यही कारण है कि चरखारी ही नहीं समूचे बुंदेलखण्ड के लोग भक्ति भाव के साथ यहां दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं।

ऐतिहासिक मेले में आने वाली भारी भीड़ को देखते हुए नगर पालिका ने बेहतर इंतजार किए, वहीं दूसरी तरफ पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए और बैरिकेडिंग लगाकर भारी वाहन के आवागमन पर रोक लगाई। पुलिस कर्मचारी साधा वस्त्र में घूमकर जेबकतरों व आराजकतत्वों पर नजर रखते दिखाई दिए, जिससे किसी भी तरह की घटना न घट सके। मेले में खोया पाया विभाग ने सराहनीय कार्य करते हुए भारी भीड़ के दौरान घर वालों से बिछड़ने वाले बच्चों को परिजनों से मिलाने का काम किया। इतना ही नहीं मेला मैदान में लाउडस्पीकर लगाकर समय समय पर ऐलान भी किया गया कि खोये हुए बच्चे यहां से ले जाएं।

गोवर्धन नाथ मेले में खरीदारी करते लोग। अमृत विचार

मेले में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

- मेले में बढ़ती भीड़ को देखते हुए पुलिस व्यवस्था चाक चौबंद रही। मेले में आने वाली भारी भीड़ को व्यवस्थित करने के लिए पुलिस क्षेत्राधिकारी चरखारी दीपक दुबे ने कोतवाली प्रभारी निरीक्षक, चौकी प्रभारी के अलावा पुलिस फोर्स की व्यवस्था की गई है, जो मेले में नियमित ड्यूटी कर रहे है। चेयरमैन मंजू कुशवाहा, प्रतिनिधि पप्पू कुशवाहा, प्रधान लिपिक अयूब खां, सहित तमाम लोग व्यवस्था में जुटे है। पुलिस भी भीड़ में किसी भी तरह की अव्यवस्था न हो सके, इसके लिए मुस्तैदी से ड्यूटी करती दिखाई दी।

एएसपी ने देखा कबरई थाने का हाल

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह ने कबरई थाने का अर्धवार्षिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बैरक, मेस, पार्किंग और थाना परिसर का जायजा लेते हुए साफ-सफाई पर खास ध्यान दिए जाने के निर्देश दिए। एएसपी ने महत्वपूर्ण अभिलेखों की समीक्षा करते हुए थाना क्षेत्र में कानून व सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए जाने के थानाध्यक्ष को निर्देश दिए। अपर पुलिस अधीक्षक ने मिशन शक्ति केंद्र, साइबर हेल्प डेस्क का निरक्षण करते हुए संबन्धित शिकायतों के साथ साथ महिला शिकायतों को त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिए।

अर्धवार्षिक निरीक्षण के दौरान एएसपी ने थाना परिसर की सफाई व्यवस्था, बैरक, मैस, हवालात, वाहन पार्किंग और शौचालयों की स्थिति को बारीकी से देखा। शस्त्रागार में सुरक्षा व्यवस्था, शस्त्रों की देखभाल और रजिस्टरों के रख रखाव की भी जांच की गई। अपराध रजिस्टर, त्यौहार रजिस्टर, ग्राम अपराध रजिस्टर, चुनाव रजिस्टर और फ्लाईशीट जैसे अभिलेखों को देखकर उन्होंने इन्हें

कबरई थाने का निरीक्षण करतीं एएसपी वंदना सिंह। अमृत विचार

- **शिकायतों का त्वरित निस्तारण करने के दिए खास निर्देश**

समय पर अपडेट रखने को कहा। उन्होंने साइबर हेल्प डेस्क का निरीक्षण करते हुए साइबर अपराधों से संबंधित शिकायतों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए साथ ही विद्यालयों, बाजारों और सोशल मीडिया पर साइबर जागरूकता चलाने के लिए भी कहा।

अपर पुलिस अधीक्षक ने मिशन शक्ति केन्द्र, महिला हेल्प डेस्क का निरीक्षण करते हुए वहां दर्ज होने वाली महिला शिकायतों की प्रक्रिया की समीक्षा की। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात महिला पुलिसकर्मी को निर्देश दिया कि सभी शिकायतें साफ साफ दर्ज हों और उन पर की गई कार्रवाई को समय समय पर अपडेट किया जाए साथ ही पीड़ित महिलाओं से फीडबैक लेकर काम की गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर ज़ोर दिया। थाने में रखे मुकदमाती माल और मालखाने की व्यवस्था को देखते हुए एएसपी नियमित सत्यापन करने व न्यायालय की अनुमति के अनुसार लंबित मालों का समय से निस्तारण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के अंत में उन्होंने सभी पुलिस कर्मियों को अपराध नियंत्रण, गश्त, पिकेट ड्यूटी, लंबित विवेचनाओं के समयबद्ध निपटान और जनता से बेहतर संवाद स्थापित करने के निर्देश दिए। इस दौरान थानाध्यक्ष सत्यवेन्द्र सिंह भदौरिया मौजूद रहे।

कोर्ट के आदेश से खमा-धवर्रा सड़क बनने का रास्ता साफ

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- **एसडीएम के आदेश में विवादित भूमि को ग्रामसभा की बताया गया**

अमृत विचार। जैतपुर ब्लाक की ग्राम पंचायत धवर्रा में सड़क की विवादित भूमि को लेकर एसडीएम कोर्ट ने ग्राम सभा के पक्ष में निर्णय दे दिया है, जिससे प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से खमा से धवर्रा तक सड़क निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। दो साल तक चले इस मुकदमे में दोनों पक्षों को सुनने के बाद एसडीएम की अदालत ने गाटा संख्या 85 से 94 तक को ग्राम समाज की भूमि घोषित कर दी है।

धवर्रा गांव में लगभग सात एकड़ भूमि पर रक्षा मंत्रालय ने अपनी बता सड़क बनाने पर रोक लगा दी थी। अक्टूबर माह में अभियंता जब ले आउट करने मौके पर पहुंचे, तो सेना के जिम्मेवार अफसरों ने अपनी भूमि बता निर्माण पर रोक लगा दी थी। पीएमजीएसवाई के अभियंताओं ने मामले को विवादित बता उच्चाधिकारियों को अपनी रिपोर्ट भेज दी थी। उधर सड़क निर्माण रोके जाने के बाद प्रशासनिक अमला हरकत में आ गया। लंबित राजस्व वाद सेना बनाम ग्राम समाज की सुनवाई तेज होनी शुरू हो गई, जिस पर एसडीएम कुलपहाड़ डॉ. प्रदीप कुमार ने अपना निर्णय सुना दिया। गाटा संख्या 85 से 94 को ग्राम समाज धौरा की भूमि घोषित कर दी गई। इस निर्णय से सेना के जिम्मेवार अफसरों को सूचित कर सड़क बनाए जाने का रास्ता साफ कर दिया है।

अब सड़क पर उतरेंगे पेंशनर्स

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। आठवें वेतन आयोग की टर्म्स ऑफ कंडीशन में पेंशनरों को सम्मिलित न किये जाने सहित अन्य समस्याओं को लेकर 29 नवम्बर को पेंशनर्स भवन कचहरी से तहसील तक रैली निकालकर पेंशनर विरोध जताएं। यह निर्णय उत्तर प्रदेश पेंशनर्स सेवा संस्थान की हुई बैठक में लिया गया। इसके बाद भी सरकार ने पेंशनरों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया तो पेंशनर अगली रणनीति बनाएंगे।

वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स सेवा संस्थान उत्तर प्रदेश में महामंत्री बीके तिवारी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि जिले स्तर के पेंशनरों की समस्याओं पर संवादहीनता बनी हुयी है। मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव से लेकर जनपद स्तर तक के अधिकारियों को पत्र लिखने के बाद भी कोई ध्यान नहीं दिया गया। यहां तक कि विभागीय अधिकारी पेंशनरों का उत्पीड़न कर रहे हैं, जिससे अब पेंशनरों ने सड़कों पर उतरने का निर्णय लिया है।

पेंशनर्स संस्थान के अध्यक्ष सुनील शर्मा ने बताया कि पेंशनर संगठनों 6 नवम्बर को प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर केन्द्रीय आठवें वेतन आयोग की टर्म्स ऑफ रैफरेंस में पेंशन पुनरीक्षण एवं अन्य पेंशनरों समस्याओं को सम्मिलित किये जाने के लिए पत्र भेजा जा चुका है, जिस पर कोई कदम न उठाए जाने पर पेंशनर्स सेवा संस्थान ने खाली कटोरी, चम्मच बजाकर सड़कों पर उरतने और सरकार का ध्यान खींचने का निर्णय लिया है। सीएम के नाम डीएम को ज्ञापन सौंपेगे।

बैठक में रूपरेखा तय करते पेंशनर्स। अमृत विचार

- **29 नवंबर को कचहरी परिसर से तहसील तक करेंगे विरोध प्रदर्शन**

45 शिकायतों में एक का भी नहीं हो सका समाधान

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- **समस्याओं के निस्तारण के लिए मौके पर भेजी गईं राजस्व टीमें**

अमृत विचार। चरखारी थाने में एसपी प्रबल प्रताप सिंह ने समस्याएं सुनकर निस्तारण का आश्वासन दिया। जिले में कुल 45 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 41 शिकायतें राजस्व से सम्बन्धित व 4 शिकायत पुलिस संबंधी रहीं। एक भी शिकायत का समाधान नहीं हो सका।

पुलिस अधीक्षक प्रबल प्रताप सिंह के सामने फरियादियों ने अपनी समस्याएं रखीं। उन्होंने राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर निष्पक्ष जांच कर निस्तारण के निर्देश दिए। यहां क्षेत्राधिकारी दीपक दुबे, थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार सिंह ने भी लोगों की समस्याओं को सुना। एसपी ने कहा कि समाधान दिवस का उद्देश्य जनसामान्य की समस्याओं को प्राथमिकता से सुनकर पारदर्शी एवं न्यायसंगत समाधान सुनिश्चित करना है।

इसी प्रकार जिले के समस्त थाना प्रभारियों ने राजस्व विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर अपने अपने थानों पर समाधान दिवस का आयोजन किया। शिकायतों के निष्पक्ष निस्तारण के लिए संयुक्त टीमों को मौके पर भेजकर कार्रवाई के लिए निर्देशित किया। कुलपहाड़ में क्षेत्राधाकारी रविकांत गोंड ने प्रभारी निरीक्षक महोबकंठ विनोद कुमार में जनसमस्याओं की सुनवाई की गई और निर्देश दिए गए।

पुण्यतिथि पर विभूतियों का सम्मान

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। बुंदेलखंड राज्य आंदोलन के जनक शंकर लाल मेहरोत्रा की 24वीं पुण्यतिथि पर शनिवार को आल्हा चौक के आंबेडकर पार्क में बांदा के पद्मश्री उमाशंकर पांडेय, दिल्ली के राजन धमेरिया, हमीरपुर के विनय तिवारी और महोबा के यज्ञेश गुप्ता को सम्मानित किया गया।

इस मौके पर लोकसभा में नौ बार बुंदेलखंड राज्य का मुद्दा उठाने वाले पूर्व सांसद पुष्पेन्द्र सिंह चंदेल ने कहा कि उन्होंने सिर्फ संसद में नहीं, पार्टी के हर फोरम में राज्य निर्माण का मुद्दा उठाया। पद्मश्री उमाशंकर पांडेय ने कहा कि बुंदेलखंड राज्य की 36 साल पुरानी मांग अभी तक पूरी नहीं हो पाई। बुंदेलखंड के साथ अन्याय हो रहा है। यहां जन धमेरिया, बुंदेली समाज के संयोजक तारा पाटकर, अजय, संतोष सिंह, गयाप्रसाद, अमरचंद विश्वकर्मा, हरिओम, मनीष जैदका, रोहित मिश्र, दिलीप जैन, भागीरथ, महेन्द्र, डा. देवेन्द्र, अन्नू पुरवार आदि रहे।

कार्यक्रम में प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करते पूर्व सांसद। अमृत विचार

हेलमेट और सीट बेल्ट जरूर लगाएं

महोबा। यातायात माह के अंतर्गत प्रभारी यातायात सुनील कुमार सिंह के नेतृत्व में शहर में विद्यालयों और सार्वजनिक स्थानों पर यातायात जागरूकता गोष्ठी आयोजित कर वाहन चालकों, छात्र-छात्राओं व स्कूल स्टाफ को सड़क सुरक्षा, हेलमेट, सीटबेल्ट के अनिवार्य उपयोग, सड़क संकेतों एवं यातायात नियमों की जानकारी देते हुए नियमों का पालन करने आह्वान किया गया। स्कूली बच्चों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सड़क सुरक्षा का संदेश देकर लोगों को जागरूक किया। टीम ने रॉयल इंटरनेशनल स्कूल गोष्ठी आयोजित की।

लेखपालों ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- **लेखपालों ने काली पट्टी बांधकर सांकेतिक विरोध प्रदर्शन किया**

अमृत विचार। लंबित मांगों और समस्याओं की अनदेखी से नाराज लेखपाल संघ ने बैठक के बाद जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। शनिवार को संगठन के निर्देश पर लेखपालों ने काली पट्ट बांधकर सरकारी कार्यों का निर्वाहन किया।

ज्ञापन में बताया कि उत्तर प्रदेश पृथक होकर उत्तराखंड राज्य में लेखपाल का पदनाम राजस्व उपनिरीक्षक एवं शैक्षणिक अर्हता स्नातक करते हुए प्रारम्भिक वेतनमान ग्रेड पे 2800 19 मार्च 2014 को किया जा चुका है। ज्ञापन में बताया कि 15 नवम्बर 2025 से आन्दोलन की सूचना दी गई थी, जिसके क्रम में इसी दिन तहसील समाधान दिवस के अवसर पर जिले की तीनों तहसीलों में सुबह दस बजे से दो बजे तक शांतिपूर्ण तरीके से धरना दिया गया था।

ज्ञापन में बताया कि छह वर्षों में उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ ने एक बार भी आंदोलन नहीं किया, अनुशासित रुप से अपने विभाग कार्य के साथ अन्य विभागों की महत्वपूर्ण योजनाओं को सफल बनाया। बावजूद इसके लेखपाल संवर्ग और संगठन की घोर उपेक्षा की गई है, जिससे अब लेखपाल संघ आंनदेलन के लिए विचार विमर्श कर रहा है। ज्ञापन देने वालों में लेखपाल संघ के जिलाध्यक्ष शिवभान, उपाध्यक्ष दीपक कुमार, अंजना वर्मा, चंद्रकुंवार, जिला सचिव लोकेंद्र सिंह यादव रहे।

सूचना

मैं कि रामलाल पुत्र टिरिया अनुसूचित जाति (चमार) निवासी तिदौली तहसील व जिला महोबा का हूं। मैं अपनी आराजी भूमि मौजा बरातपहाड़ी गाटा संख्या 14 रकबा .247 हेक्टेयर, गाटा संख्या 15 रकबा 1.067 हेक्टेयर कुल रकबा 1.314 हेक्टेयर भूमि उचित कीमत पर विक्रय करना चाहता हूं, जिस व्यक्ति को उपरोक्त भूमि का क्रय करना हो मुझसे संपर्क करें। **रामलाल पुत्र टिरिया ग्राम तिदौली महोबा।**

निरीक्षण के दौरान जानकारी लेते जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय। अमृत विचार

जिलाधिकारी ने देखी एसआईआर की प्रगति

संवाददाता, कालपी (जालौन)

अमृत विचार। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने शनिवार को एसआईआर की प्रगति का जायजा लिया। बीएलओ और सुपरवाइजर को निर्धारित समय सीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए है।

निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची से फर्जी मतदाताओं को बाहर करने के लिए एसआईआर प्रक्रिया शुरू की है, जिसे 4 दिसम्बर तक पूरा करना है। इसमें मतदाता को वर्ष 2003 की मतदाता सूची से जोड़ना है। इसी को लेकर अभियान चल रहा। इसमें बीएलओ को प्रत्येक मतदाता को फार्म देना है फिर उसे वापस लाकर निर्वाचन आयोग की वेवसाइट पर अपलोड करना है जिसकी निगहबानी भी उच्च स्तर से चल रही है और उसकी रिपोर्ट भी शासन से मांगी जा रही है लेकिन तहसील क्षेत्र में बीएलओ का कार्य सन्तोषजनक नहीं है। इसके चलते प्रशासनिक अधिकारियों को मैदान में उतरना पड़ा। आलम यह है कि तहसील सभागार में कम्प्यूटर आपरेटर लगाकर दिन रात डाटा अपलोड किया जा रहा है। इसी व्यवस्था को देखने के लिए शनिवार को समाधान दिवस में आए जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने इस व्यवस्था को भी देखा और बीएलओ को जरूरी टिप्स देकर एसआईआर को समय से पूरा करने के निर्देश दिए। इस दौरान एसडीएम मनोज कुमार सिंह, तहसीलदार अभिनव तिवारी, नायब तहसीलदार चन्द्रमोहन शुक्ल, मुकेश कुमार के अलावा सुपरवाइजर भी मौजूद रहे।

पुण्य तिथि | कवियों ने बहाई काव्य की रसधार, गूंजती रहीं तालियां

'धन्य भूमि है भगवान बुद्ध की, मत्था टेको'

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। शहर के अशोक चौक में कोआपरेटिव बैंक के पूर्व प्रबधंक संतोष वर्मा के आवास पर उसके पिता की पुन्यतिथि पर कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी की शुरुआत कवि रामप्रकाश शुक्ल विनम्र ने वाणी वंदना से की। हरिश्चंद्र वर्मा ने रचना प्रस्तुत करते हुए कहा कि जो कल मुलायम थे आज वो भी सख्त हो गए, जो कभी लौट के न आए वो ऐसा वक्त हो गए। उक्त कविता की उपस्थित लोगों ने खूब सराहा।

साईं कालेज के प्राचार्य डॉ. एलसी अनुरागी ने धन्य भूमि है भगवान बुद्ध की, मत्था टेको न करो देर पल की रचना से सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया। श्यामबिहारी निगम ने कहा कि मनुष्य को चाहिए कि कभी इतराए नहीं और जतन पर कभी घबराए नहीं। कहा कि जो व्यक्ति हर पल अपने प्रति ईमानदार रहता है, वास्तव में वही सच्चा जीवन जीता है और जो व्यक्ति ईश्वर को कभी नहीं भूलता और सदैव अपने कर्तव्यों को निष्ठापूर्वक निभाता है और बदले में जो मिल जाए उसी में संतुष्ट हो जाता है, वही सच्चा और सुखी है। साहित्यकार संतोष कुमार पटेरिया ने रचना पढ़ी कि चली विणमता की ये हवाएं कैसी ये लाचारी है, विवश पखेरु चिंता में है देखे किसकी बारी है।

संगीताचार्य पंडित जगप्रसाद तिवारी ने विलुप्त हो रही परम्पराओं पर चिंता व्यक्त करते हुए रचना सुनाई कि कहां गई वे रीति रिवाज, कहा गई वे बाते, कहां गए वे दिन गांवन के कहां गई वे राते। समाजसेवी शिवकुमार गोस्वामी ने कहा कि कर्म ही जीवन हमारा धर्म ही पहचान है, राष्ट्र हित बलिदान ही व्यक्तित्व की पहचान हो। गोष्ठी का संचालन कर रहे साहित्यकार प्रमोद कुमार सक्सेना ने रचना पढ़ी कि पुन्यतिथि के शुभ अवसर पर पावन दीप जलाए, लेकर यह संकल्प हृदयमें निज दायित्व निभाएं। वरिष्ठ साहित्सकार विदेश कुमार विद्यासन ने कहा कि स्मृति शेष विदेश आपकी जिस दिन आती है, काव्य कला के धनी धरोहर याद दिलाती है। अंत में जिला पर्यटन अधिकारी डॉ. चित्रगुप्त ने कहा कि जिले में साहित्यकारों व संगीतज्ञों की कोई कमी नहीं है। इस मौके पर लखनलाल चौरसिया सहित तमाम कवियो ने अपनी कविता प्रस्तुत की।

काव्य गोष्ठी में कविता पाठ करते कवि। अमृत विचार

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY
Rohilkhand Medical College Campus, Pilibhit Bypass Road,
Bareilly-243006 (UP) India, Phone : 0581-2526051, 053, 153
Email : registrar@biu.edu.in, Website : www.biu.edu.in
For any query contact : 9520876189, 9105500202, 9105500404

Applications are invited from Indian/NRI/Foreign National Students for Admission to Ph.D. Programmes January 2026 session in the following disciplines

- **Faculty of Medical Sciences** (All Clinical and Non-Clinical Specialities)
- **Faculty of Nursing** M.Sc. (N) with 3 years teaching or clinical experience
- **Faculty of Dental Sciences** (All Specilities)
- **Humanities and Journalism** English
- **Faculty of Pharmacy**
- **Faculty of Management**
- **Faculty of Allied Health Sciences (Faculty of Paramedical Sciences)** (Ph.D. in Medical Laboratory Technology/Physiotherapy)

Application Fee
- For Indian Candidate Rs. 2000/-
- NRI/Foreign National Candidate Rs. 5000/- or $60 USD

Last Date of Receiving Application : 30th November, 2025

Application Submission Address : To, The Registrar, Administrative Block, Bareilly International University, Bareilly-243006 (U.P.) India
For more details and application form & application fee, visit univerisity website : www.biu.edu.in
(https://biu.edu.in/reseach/Latest-Application-form-for-PHD-programme.pdf)

नौटंकी शैली में रामायण लिखने वाले
राधेश्याम कथावाचक

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

नौटंकी की शैली में लिखी गई रामायण ऐसी अनोखी कृति थी जिसने राधेश्याम कथावाचक को प्रसिद्धि के शिखर पर पहुंचा दिया, इस कृति का नाम भी उनके नाम पर राधेश्याम रामायण पड़ा। अपने जीवनकाल में राधेश्याम कथावाचक ने न सिर्फ तमाम नाटक लिखे, बल्कि कई फिल्मों की पटकथा लिखने के साथ गीतों की रचना की। हालांकि सबसे ज्यादा ख्याति उन्हें राधेश्याम रामायण से ही मिली। रामलीला के मंचों पर आज भी उनकी गायन शैली का प्रयोग किया जाता है। इस रामायण की विशेषता यह है कि राधेश्याम कथावाचक ने इसमें संवाद और अभिनय पक्ष को भी जोड़ा। इस कारण इसके संवाद मंचों पर की जाने वाली रामलीला में अपनाए गए। इस रामायण के मंचनीय होने के साथ संवाद और गायन गुण भी है। आज घर-घर में राधेश्याम रामायण है।

राधेश्याम कथावाचक का जन्म 25 नवंबर 1890 में शहर के मोहल्ला बिहारीपुर में हुआ था। राधेश्याम कथावाचक पर शोध कर कई किताबें लिखने वाले कृष्णायन कॉलोनी डेलापीर निवासी हरिशंकर शर्मा बताते हैं कि नौटंकी शैली राधेश्याम रामायण की सबसे बड़ी विशेषता है। उदाहरण के तौर पर पंचवटी के प्रसंग में उन्होंने लिखा है- 'मेरी नाक गई सो गई, अब अपनी नाक संभालो तुम, यदि जग में ऊंची नाक नहीं तो नकटा नाम धरा लो तुम', उन्होंने इसी लोक छंद के आधार पर अपनी रामायण की रचना की है, जो आगे चलकर तर्ज राधेश्याम या राधेश्यामी छंद के नाम से प्रसिद्ध हुई। इन छंदों को उनके नाम से जाना गया, जो उनकी बड़ी उपलब्धि थी। हरिशंकर शर्मा कहते हैं, पंडित जी लोक व्यक्ति थे, उस वक्त नौटंकी (स्वांग), रामलीला, रास, आला गायकी, लोक गीत का चलन था। सबसे ज्यादा उत्तर भारत में आल्हा गाई जाती थी, राधेश्याम रामायण इतनी प्रसिद्ध हुई कि वह सावन के दिनों में गांवों की चौपाल और शहरी इलाकों में गाकर सुनाई जाती थी। हरिशंकर बताते हैं कि पांच साल पहले उनकी मुलाकात जैसलमेर के एक बुजुर्ग सज्जन से हुई थी, वह उन्हें जयपुर में मीरा महोत्सव में मिले थे। उन्होंने पंडित जी से जुड़ा एक वाकया सुनाया। बताया कि पंडित जी यहां कथा सुनाते थे, उनका खेतों में बड़ा सा मंच के रूप में मचान बनता था। पंडितजी ने पूर्व दिशा से रामायण की शुरुआत की थी, उनके चारों ओर श्रोता बैठे थे, उन्होंने रामायण के विभिन्न प्रसंग पूर्व, पश्चिमी और दक्षिण दिशा की ओर अपना आसन करके सुनाए, वहां पर 50 से हजार से ज्यादा श्रोता थे। वहां कोई माइक नहीं था, उन्होंने अपने कंठ से रामायण सुनाई, उनकी आवाज आखिर में बैठे व्यक्ति तक पहुंचती थी। वर्ष 1930 में बरेली के साहूकारा स्थित दाऊ जी मंदिर में वहां के एक संगीतज्ञ नारायाण गोस्वामी थे, जिन्होंने राधेश्याम कथावाचक की रामायण को संगीतमय गायन ग्रामोफोन रिकार्ड के लिया किया था। जिसके रिकार्ड एचएमबी व अन्य कंपनियों ने रिकार्ड जारी किए थे।

नाटकों को राष्ट्रीय भावनाओं से जोड़ा

राधेश्याम का पेशा कथावाचन का था, नाटक उनका शौक था। लोगों के बीच उनके नाटक बेहद लोकप्रिय थे। उनके वीर अभिमन्यु नाटक को सबसे ज्यादा प्रसिद्ध मिली, जिसका देशभर के स्कूल- कॉलेजों, थिएटर, मंचों पर डेढ़ हजार से अधिक बार मंचन किया जा चुका है। आज भी इस नाटक का मंचन होता है। राधेश्याम ने अपने नाटकों को राष्ट्रीय भावनाओं से भी जोड़ा, जिसमें अछूत उद्धार और समाज सुधार की प्रमुखता थी। उन्होंने करीब 14 नाटक लिखे। जिसमें श्रवणकुमार, परिवर्तन, मशरिकी हूर, नारद मोह, महर्षि वाल्मीकि आदि सम्मिलित हैं। जिस समय राधेश्याम ने इस क्षेत्र में कदम रखा, उस समय पारसी रंगमंच का प्रभाव था। उन्होंने भारतीय पौराणिक आख्यानों को लेकर नाटकों की रचना की। नाटकों को नई दिशा दी।

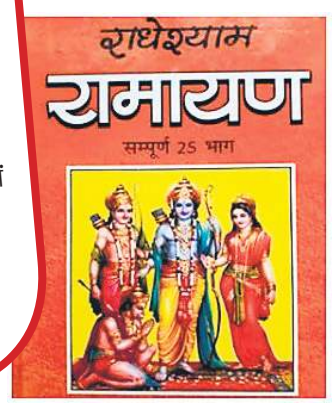

25 कथा खंड और आठ भाग में है राधेश्याम रामायण

राधेश्याम रामायण 25 कथा कांड और आठ भाग में है। मोहल्ला बिहारीपुर में वर्ष 1920 में राधेश्याम प्रेस की स्थापना हुई थी। इससे पहले उनकी रामायण आगरा, मुरादाबाद, लखनऊ और मथुरा से प्रकाशित होती थी। छोटे कथा खंड यहीं से प्रकाशित होते थे। उनका गायन, ढोलक और हारमोनियम पर होता था। वह खुद हारमोनियम बजाते थे। राधेश्याम रामायण संस्कृत और उर्दू मिश्रित खड़ी बोली में है। जिसमें मुहावरे, लोकयुक्तियों का प्रयोग किया गया, जो बहुत सरल है, जिसे लोग आसानी से समझ जाते हैं, जिन्हें उन्हें छंद का अर्थ बताने की जरूरत नहीं पड़ती है। यही वजह है कि यह बहुत जल्दी घर-घर तक पहुंच गई। राधेश्याम के पिता बांकेलाल शर्मा कथावाचक थे, वह भी चाहते थे कि बेटा उन्हीं की तरह कथावाचक बने। राधेश्याम ने 17-18 वर्ष की अवस्था में ही रामायण के कथा खंडों को लिख डाला था।

राधेश्याम कथावाचक का फिल्मी सफर

राधेश्याम कथावाचक ने 1931 में फिल्म शकुंतला के संवाद और कहानी लिखी थी। श्री सत्यनारायण फिल्म की कहानी के साथ गीतों को भी लिखा। फिल्म झांसी की रानी लक्ष्मीबाई में लिखे उनके गीत को मोहम्मद रफी ने गाया था। उनकी फिल्में काफी सफल रहीं। 26 अगस्त 1963 में उनका देहांत हो गया।

राधेश्याम पर लिखी किताबें

'सनातन के प्रहरी पं. राधेश्याम कथावाचक' किताब के लेखक हरिशंकर शर्मा कहते हैं कि पंडितजी ने राधेश्याम रामायण को सरल रूप में प्रस्तुत किया। उनके द्वारा संपादित पुस्तक राधेश्याम कथावाचक की डायरी 'अपने समय का सच' महाराष्ट्र विवि से संबद्ध महाविद्यालयों के पाठ्यक्रम में शामिल है। गुरुकुल कांगड़ी विवि के आर्काइव में उनकी दो किताबें 'रंगायन' और 'राधेश्याम कथा वाचक : सफर एक सदी' है।

कथावाचक राधेश्याम का हारमोनियम

विंडरमेयर : रंगमंच की सिखा रहा बारीकियां

शहर के सिविल लाइंस में स्थापित विंडरमेयर रंगमंच की दिशा में लगातार कुछ न कुछ नया कर रहा है। न सिर्फ लोगों को रंगमंच के करीब ला रहा है बल्कि बरेली की छिपी प्रतिभाओं को निकालने और उन्हें मंच देने का भी काम कर रहा है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के रंगमंच के मझे हुए कलाकारों के जरिये नई पौध को अभिनय की बारीकियों से सींचने काम कर रहा है।

विंडरमेयर नाम के ब्लैक बॉक्स थिएटर की स्थापना शहर के जाने माने चिकित्सक डॉ. बृजेश्वर सिंह ने वर्ष 2013 में की थी। रंग विनायक रंगमंडल समूह का गठन वर्ष 2007 में हुआ था। करीब 12 सालों से बरेली के लोगों को यह थिएटर रंगमंचीय दुनिया से रूबरू करा रहा है। यहां राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त तमाम नाटकों का मंचन हो चुका है और यह क्रम लगातार जारी है। रंगमंच के दिग्गज कलाकार, लेखक, नाटककार मानव कौल, रोहिणी हट्टंगड़ी, कुमुद मिश्रा, अश्वथ भट्ट, मकरंद देशपांडे, कुलभूषण खरबंदा, सुमित व्यास यहां मंचन कर चुके हैं। इस वक्त यहां अंतर्राष्ट्रीय स्तर की वर्कशॉप चल रही है, जिसमें जर्मन रंगमंच के कलाकार माटेन युवा कलाकारों को रंगमंचीय कौशल सीखाने के साथ उसकी बारीकियां बता रहे हैं। साथ ही मॉर्डन, पोस्ट मॉर्डन और एक्सिस थिएटर के बारे में भी अहम जानकारी दे रहे हैं। एक्सिस थिएटर में कई चीजों के माध्यम से दर्शकों से संवाद किया जाता है।

रंग विनायक रंग मंडल टीम के सदस्य एवं रंगमंच के कलाकार पुराना शहर के सैलानी निवासी दानिश खान बताते हैं कि रंग विनायक रंग मंडल की टीम रामलीला का मंचन करती है। अभी हाल में इस टीम ने अयोध्या में आयोजित दीपोत्सव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में मंचन किया था। रामलीला में श्रीराम का किरदार निभाने वाले दानिश बताते हैं कि मुख्यमंत्री ने उनकी टीम के रामलीला मंचन के कुछ अंश पोर्टल पर भी जारी किए थे। वह बताते हैं कि जो कलाकार नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में नहीं जा पाते हैं। विंडरमेयर की कोशिश रहती है, वहां के शिक्षकों के जरिये यहां के युवा कलाकारों को प्रशिक्षित किया जाए। यहां से जुड़े कई लोग टीवी, फिल्म और डायरेक्शन में अपना हुनर दिखा रहे हैं, इनमें कौशल मिश्रा, शिवा, सृष्टि माहेश्वरी, सविता, वर्षा जैसे तमाम नाम हैं। टीम में करीब 18 कलाकार हैं। बताया कि नवरात्र के समय विंडरमेयर में रामलीला का मंचन होता है।

विंडरमेयर को स्थापित करने वाले और दया दृष्टि चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. बृजेश्वर सिंह को रंगमंच से गहरा लगाव है। यही वजह कि वह डॉक्टरी पेशा के साथ इस विधा सी भी जुड़े हैं। लोगों को भी इससे जोड़कर रखना चाहते हैं। उन्हें रंगमंच-कला-संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए कई प्रतिष्ठित पुरस्कार मिल चुके हैं। वर्ष 2020 के रंगमंच प्रोत्साहन के लिए उन्हें प्रतिष्ठित यूपीएसएनए (उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी) पुरस्कार से सम्मानित किया गया। ऐसे कई प्रदेशों से उन्हें सम्मान मिल चुके हैं।

संगीत और रंगमंच के क्षेत्र में बरेली की एक गहरी और बहुआयामी विरासत है। बरेली की यह कलात्मक पहचान पारंपरिक कला विधाओं और आधुनिक अभिव्यक्तियों के एक अनूठे संगम का प्रमाण है, जो शहर के सांस्कृतिक ताने-बाने को निरंतर समृद्ध कर रही है। इतिहास की गूंज वर्तमान की आवाज़ के साथ मिलकर यहां का संगीत और रंगमंच एक अनूठी और जीवंत सांस्कृतिक पहचान बना रहा है। यह शहर इस बात का एक उत्कृष्ट उदाहरण है कि कैसे पारंपरिक कला विधाएं आधुनिक अभिव्यक्तियों के साथ मिलकर किसी क्षेत्र की कलात्मक पहचान को न केवल जीवित रखती हैं, बल्कि उसे निरंतर समृद्ध भी करती हैं।

मील के पत्थर

बरेली नाट्य महोत्सव में जुटे थे रंगमंच के दिग्गज

बरेली शहर में रंगमंच को आगे बढ़ाने के लिए अस्तिता फाउंडेशन की ड्रामा ड्रॉप आउट्स विंग भी काम कर रही है। इसके चेयरमैन एवं रंगमंच कलाकार कैंट स्टेशन रोड निवासी राजू सिंह चौहान बताते हैं कि दो जनवरी वर्ष 2025 में इस संगठन का गठन किया गया। जो किसी कारण कलाकार रंगमंच से छूट गए हैं, उन्हें जोड़ने का भी काम ड्रामा ड्रॉप आउट्स विंग कर रहा है। हम सभी कलाकारों का काम थियेटर को आगे बढ़ाना है। वर्तमान में इस संगठन से 35 कलाकार जुड़े हैं। संस्था की ओर से अर्बन हॉट स्थित प्रभावे में एक से सात सितंबर तक बरेली नाट्सय महोत्सव का आयोजन हुआ था। जिसमें रंगमंच के दिग्गज कलाकार जुटे थे। इसमें मेटा-पंचलाट समेत कई नाटकों का मंचन हुआ था। बड़ी संख्या में दर्शकों ने पहुंचकर कलाकारों के अभिनय को सराहा था। गोरखपुर, दिल्ली के श्रीराम सेंटर आदि स्थानों से रंगमंच के कलाकारों की टीमें आई थीं। इससे पहले मोहन राकेश के नाटक आषढ़ का एक दिन का मंचन हुआ था। अभिनेता सौरभ शुक्ला ने नाटक बर्फ का मंचन किया था। राजू बताते हैं कि दिसंबर में भी पांच नाटकों का मंचन किया जाएगा। बरेली नाट्य महोत्सव भी हर साल होगा।

चेयरमैन एवं रंगमंच कलाकार राजू सिंह चौहान

कला-संस्कृति की विरासत को संजो रहा रिद्धिमा

एसआरएमएस ट्रस्ट ने 8 फरवरी 2021 को अपने प्रेरणा स्रोत स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय राम मूर्ति के 111वें जन्मदिन पर रिद्धिमा ए सेंटर आफ परफार्मिंग एंड फाइन आर्ट्स को म्यूजिक संस्थान के रूप में स्थापित किया था। कथक गुरु जितेंद्र महाराज, शायर वसीम बरेलवी और शब्बू मियां की मौजूदगी में इसका लोकार्पण हुआ था। हाजियापुर स्थित रिद्धिमा में गायन, वादन, फाइन आर्ट्स, कथक, भरतनाट्यम और अभिनय की शिक्षा दी जा रही है। एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति ने सांस्कृतिक धरोहर और कला को संरक्षण देने का जो संकल्प लिया। इसी का नतीजा रहा कि स्थापना से ही रिद्धिमा ने संगीत और थिएटर प्रेमियों पर अपना जादू बिखेरना शुरू कर दिया था। रिद्धिमा ने कला को सहेजने का काम तो किया ही कलाकारों को अपना हुनर दिखाने के लिए मंच भी समर्पित किया। यही वजह रही कि यहां सांस्कृतिक कार्यक्रमों का मंचन अनवरत रूप से जारी है। प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जा रही हैं। यहां पर थिएटर प्रेमियों के लिए वर्ष 2021 में मार्च में जिंदगी डॉट काम से नाटक के मंचन का आगाज हुआ। इसके बाद नाटकों के मंचन का सिलसिला प्रति सप्ताह पहुंच गया। यहां पर पं.राधेश्याम कथावाचक के चर्चित नाटक वीर अभिमन्यु, अंधायुग, पोस्टर, प्रमोशन, अकबर द ग्रेट ने गुदगुदाया, दयाशंकर की डायरी, गालिब इन न्यू दिल्ली, अर्जुन प्रतिज्ञा, अंधायुग, पैगाम ए खुसरो, त्रिशंकु, टुकड़े टुकड़े धूप, वरदान, मैं पापिन क्यों, चाचा छक्कन इन एक्शन जैसे 150 से ज्यादा नाटकों का मंचन किया जा चुका है। स्थापना वर्ष से ही रिद्धिमा में थिएटर फेस्टिवल इंद्रधनुष का भी आयोजन किया जा रहा है। जिसमें सप्ताह में सात प्रसिद्ध नाटकों का मंचन होता है। इसके साथ ही फाग महोत्सव, सूफियाना कव्वाली, बज्म ए सुखन और साहित्य सरिता कार्यक्रम से रिद्धिमा के श्रोताओं को बरेली और आसपास के नवोदित शायरों और कवियों से रूबरू होने का मौका दिया जा रहा है। चित्रकला के प्रति विद्यार्थियों का रुझान बढ़ाने और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए रिद्धिमा में वार्षिक राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिताएं भी आयोजित होती हैं। इसके साथ ही नृत्य कला, फोटोग्राफी और थिएटर टेक्निक्स के लिए भी वर्कशाप का आयोजन अनवरत किया जाता है।

दुर्लभ वाद्य यंत्रों की विरासत

श्रीराम मूर्ति स्मारक रिद्धिमा में इंस्ट्रूमेंट म्यूजियम स्थापित किया गया है, जिसमें दुर्लभ वाद्ययंत्रों को संरक्षित करने की पहल की गई है। इसमें दो सौ से ज्यादा दुर्लभ वाद्य यंत्रों को देश के कोने कोने से लाकर यहां रखा गया। यह देश का ऐसा अनोखा इकलौता इंस्ट्रूमेंट म्यूजियम है, जहां पर इतनी बड़ी संख्या में वाद्ययंत्रों एक साथ संरक्षित किया गया है। संगीत प्रेमियों और युवा पीढ़ी को अपने गौरवशाली संगीत इतिहास के इन दुर्लभ वाद्य यंत्रों से परिचित कराने और सहेजने के लिए ही यहां संग्रहालय बनाया गया। वर्ष 2021 में तीन सितंबर को एसआरएमएस ट्रस्ट के सेक्रेटरी आदित्य मूर्ति ने वाद्य यंत्र संग्रहालय का शुभारंभ किया था। आदित्य मूर्ति के अनुसार हमारे हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की विश्व भर में धूम है। सभी देशों में हमारे वाद्य यंत्रों को सराहा जाता है। ट्रस्ट के चेयरमैन एवं पिता देव मूर्ति ने इन्हें संरक्षित करने का संकल्प लिया और रिद्धिमा में इंस्ट्रूमेंट म्यूजियम स्थापित किया। यहां जोगी सारंगी, रावण हत्था, गुलगुबा, अलगोजा, एकतारा जैसे फोक वाद्ययंत्र के साथ ही विचित्र वीणा, रुद्र वीणा, सरस्वती वीणा, मयूरी वीणा, सुरबहार, दिलरुबा, पखावज, मृदंग, गोपीचंद, कश्मीरी सारंगी, संतूर, सारिंदा जैसे शास्त्रीय वाद्ययंत्र भी रखे गए हैं।

प्रस्तुति : रामराज मिश्रा

अमृत विचार

रविवार, 23 नवंबर 2025

खुसरो दरिया प्रेम का, उल्टी वा की धार
जो उतरा सो डूब गया, जो डूबा सो पार

अमीर खुसरो जी कहते हैं, प्रेम की नदी अजीब दिशाओं में बहती है। जो इसमें उतरता है, वो डूब जाता है और जो डूब जाता है, उसका जीवन सफल हो जाता है।

गौरवशाली हैं प्राचीन भारत की उपलब्धियां

भारतीय स्वाधीनता को मिले 78 वर्ष हो गए। देश ने विकास के नए अंतरिक्ष स्पर्श किए हैं, लेकिन अंग्रेजी राज के और उसके बाद भी साम्राज्यवादी परंपराएं विद्यमान हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि अगले 20 वर्षों में गुलामी के प्रतीक समाप्त करेंगे। भारत का मन बदल रहा है। आत्मनिर्भरता बढ़ी है। संप्रभु राष्ट्र राज्य किसी दूसरे देश की सभ्यता का अनुकरण नहीं करते। साम्राज्यवादी मानसिकता से छुटकारा पाना पंच प्रण में एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। प्रधानमंत्री ने उचित ही इस मामले को फिर से दोहराया है।

> यूरोप के पास विश्व मानवता को देने के लिए कुछ नहीं था। दर्शन यूनान की उधारी है। चिकित्सा विज्ञान भारत से अरब गया था और अरब से यूरोप। गणित के अंक भारत में खोजे गए। ऐसे अनेक उल्लेख संभव हैं। नाट्य शास्त्र का उद्भव भारत में हुआ। दुनिया का पहला अर्थशास्त्र कौटिल्य ने भारत में लिखा। प्राचीन भारत की बड़ी उपलब्धियां हैं। उन पर गर्व करना चाहिए, लेकिन साथ में यह भी देखना है कि जिस प्राचीन भारत की उपलब्धियां गौरवशाली हैं, यहां पिछले 500 वर्षों में वैज्ञानिक आविष्कार कम क्यों हुए हैं?

स्वाधीनता संग्राम के समय गांधी जी का जोर भी इस बात पर था। ब्रिटिश संसद में लॉर्ड मैकाले ने भी भारतीय संस्कृति को नष्ट करने वाले विचार व्यक्त किए थे। कहा था, "उच्चतर जीवन मूल्य और उत्कृष्ट क्षमताओं को देखते हुए भारतवासियों पर तब तक विजय नहीं प्राप्त हो सकती जब तक भारत की सांस्कृतिक परंपरा की सशक्त रीढ़ नहीं तोड़ी जाती।" मैकाले जानता था कि सांस्कृतिक परंपरा में ही राष्ट्र का वैभव अंतर्निहित है। गांधी जी अंग्रेजी सत्ता के विरुद्ध आंदोलन कर रहे थे। यह आंदोलन राष्ट्रव्यापी था। राष्ट्रीय आंदोलनकारी अंग्रेजी सरकार के साथ ही अंग्रेजी सभ्यता से भी टकरा रहे थे। गांधी जी ने मैकाले के ज्ञान को अधम बताकर सत्याग्रही आक्रामकता का मार्ग चुना था। उन्होंने 'हिंद स्वराज' में लिखा था, "मैकाले हिन्दुस्तानियों को कमजोर मानता है। वह उसकी अज्ञान दशा है।" गाँधी जी ने कहा, "हिंदुस्तानी कभी कमजोर नहीं रहे। खेतों में हमारे किसान आज भी निर्भय होकर सोते हैं, जबकि अंग्रेज और आप वहां सोने के लिए आनाकानी करेंगे।"

भारतीय इतिहास का विरूपण किया गया। यूरोपीय विद्वानों ने इतिहास के साथ छल किया। आर्य भारत के मूल निवासी हैं। उन्हें योजनाबद्ध तरीके से विदेशी हमलावर बताया गया। कहा गया कि आर्य बाहर से आए और उन्होंने यहां की सभ्यता नष्ट कर दी। साम्राज्यवादी शक्तियों का तर्क था कि भारत में शक और हूण आए थे। सातवीं शताब्दी में इस्लाम आया। हमलावरों ने देश के भिन्न-भिन्न हिस्सों में लूटपाट की। उन्होंने देश पर कब्जा कर लिया, फिर यहां मुगलों का शासन हो गया। उन्होंने भारतीय संस्कृति और परंपरा के अनुसार जीवन यापन को कष्टप्रद बनाया। उसके बाद ईस्ट इंडिया कंपनी आई। कंपनी यहां व्यापार करने आई थी और सत्ताधीश हो गई। लगभग 200 साल तक ब्रिटिश सत्ता ने भारत की धन संपदा को लूटने का काम किया। उन्होंने स्कूली पाठ्यक्रम को भी विदेशी रंग में रंग दिया। साम्राज्यवादी शक्तियों का तर्क था कि वह भारत के लोगों को शिक्षित कर रहे हैं। अंग्रेजीराज का विरोध करने वाले लोगों का तर्क था कि भारत विदेशी सत्ता के अधीन ही रहता है। कभी इस्लामी शासकों के रूप में और कभी अंग्रेजों के रूप में। उनकी मानें तो भारत एक होटल जैसा है। यहां विदेशी आते हैं। लूटपाट करते हैं। आर्यों को हमलावर बताना भी इसी रणनीति का हिस्सा था।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उत्तर प्रदेश

अंग्रेजों द्वारा प्रचारित आर्य आक्रमण का कोई साक्ष्य इतिहास में नहीं मिलता। डॉक्टर अंबेडकर ने भी 'हू वेयर शूद्राज' में आर्यों के आक्रमण की बात को गलत बताया है। उन्होंने कहा कि आर्यों का सबसे बड़ा ग्रंथ ऋग्वेद है। ऋग्वेद में कहीं भी आर्य आक्रमण नहीं मिलता। डॉ. अंबेडकर ने भारत में बहने वाली नदियों का उल्लेख किया है। ऋग्वेद के ऋषि यहां की नदियों के गीत गाते हैं। अगर आर्य दूसरे देश से आए थे, तो उनके साहित्य में वहां की नदियों के उल्लेख क्यों नहीं हैं? ऋग्वेद की सबसे प्रिय दो नदियां हैं। सरस्वती और सिंधु। सिंधु प्रत्यक्ष है और सरस्वती किसी प्राकृतिक घटना के कारण विलुप्त हो गई थी। सरस्वती पर शोध जारी है। वैदिक संस्कृति को इतिहास से बाहर करना, साम्राज्यवादी साजिश का ही हिस्सा है। इस मनोग्रंथि से शीघ्रातिशीघ्र छुटकारा पाने की आवश्यकता है।

लगभग 200 वर्ष के लंबे शासन में भारत पर अंग्रेजी सभ्यता के प्रभाव पड़ रहे थे। कुछ लोग अंग्रेजों को प्रशंसा की दृष्टि से देखते थे। कुछ लोग अंग्रेजों को भारतीय राष्ट्र निर्माण का श्रेय दे रहे थे। गांधी जी ने इस बात को गलत बताया और कहा कि भारत एक प्राचीन राष्ट्र है। पूरी अंग्रेजी सभ्यता मानवता विरोधी है। उन्होंने ब्रिटिश सभ्यता को भारत के लिए खतरनाक बताया। दरअसल अंग्रेजों का ज्ञान उधार का है। प्राचीन रोम और यूनान यूरोप के प्रेरणास्रोत रहे हैं। भारत का दर्शन जब धरती-आकाश नाप रहा था, तब तक अंग्रेजों की अपनी कोई दार्शनिक परंपरा विकसित नहीं हो पाई थी।

आखिरकार भारत के लोग कालवाह्य सभ्यताओं के चक्कर में क्यों फंसे हुए हैं? उन्होंने लिखा, "जो रोम और ग्रीस गिर चुके हैं, उनकी किताबों से यूरोप के लोग सीखते हैं।" उन्होंने लिखा, "सभ्यता वह आचरण है, जिससे व्यक्ति अपना फर्ज अदा करता है।" भारत आदिकाल से ही सामूहिक जीवन में है, इसीलिए मनुष्य को सामाजिक प्राणी कहा जाता है। पूर्वजों ने परस्पर मेल मिलाप का आचार शास्त्र विकसित किया था। सामाजिक संगठन की मजबूती के लिए अनेक स्तर पर प्रयास करने होते हैं। भारतीय ऋषियों ने, "सबके साथ-साथ चलने, परस्पर संवाद करने और सभा समितियों के माध्यम से कर्तव्य निर्धारित करने की व्यवस्था की है।"

ऋग्वेद के आखिरी सूक्त में ऋषि कहते हैं, "हम साथ-साथ चलें- संगच्छध्वं-संवदध्वं-हम साथ-साथ वार्तालाप करें। हमारी समितियां समान हों। मन समान हों।" पूर्वज भी ऐसी ही उपासना करते रहे हैं, लेकिन ब्रिटिश सत्ता अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करना चाहती थी। गांधी जी ने लिखा, "अंग्रेज हिंदुस्तानी बनकर रहे तो हम उनको यहां समावेश कर लेंगे।" भारत की सभ्यता की क्षति राष्ट्रवादियों के बर्दाश्त के बाहर थी। गांधी जी ने लिखा, "अंग्रेज अगर अपनी सभ्यता के साथ रहना चाहें, तो उनके लिए हिंदुस्तान में जगह नहीं है।" यह गांधी जी ने बहुत बड़ी बात कह दी है।" उन्हें अपना भारतीयकरण करना चाहिए। ईसाईकरण भारतीय सभ्यता पर खतरा है। ईसाई मिशनरियां राष्ट्रीय चरित्र बिगाड़ रही हैं। अन्य भी कई वर्ग भारत में ऐसा ही कर रहे हैं।

स्वाधीनता आंदोलन भारतीय संस्कृति, दर्शन और सभ्यता का ही प्रतिनिधि था। ब्रिटिश सत्ता व सभ्यता से सीधा संघर्ष करने के लिए गांधी जी ने अनेक विदेशी विद्वानों का उल्लेख किया। उन्होंने 'इंडियन एंपायर' पुस्तक से तमाम उद्धरण दिए। उन्होंने मैक्समूलर के लेखन से भारतीय दर्शन की श्रेष्ठता सिद्ध करने वाले अनेक उदाहरण दिए। उन्होंने एचएस मेन की पुस्तकों से पाणिनि के व्याकरण और भारतीय भाषा विज्ञान की प्राचीनता वाले हिस्से उद्धरत किए। यूरोप के पास विश्व मानवता को देने के लिए कुछ नहीं था। दर्शन यूनान की उधारी है। चिकित्सा विज्ञान भारत से अरब गया था और अरब से यूरोप।

एनसाइक्लोपीडिया ब्रिटानिका के अनुसार गणित के अंक भारत में खोजे गए। ऐसे अनेक उल्लेख संभव हैं। नाट्य शास्त्र का उद्भव भारत में हुआ। दुनिया का पहला अर्थशास्त्र कौटिल्य ने भारत में लिखा। प्राचीन भारत की बड़ी उपलब्धियां हैं। उन पर गर्व करना चाहिए, लेकिन साथ में यह भी देखना है कि जिस प्राचीन भारत की उपलब्धियां गौरवशाली हैं, यहां पिछले 500 वर्षों में वैज्ञानिक आविष्कार कम क्यों हुए हैं?

एकाकी महिलाएं: विवादों से बचाएगी वसीयत

देश के सुप्रीम कोर्ट ने अदालतों में क़ानूनी मामलों को कम करने के उद्देश्य से हाल ही में देश की उन समस्त एकल महिलाओं से, जिनके पति या बच्चे नहीं हैं, उन्हें अपनी संपत्ति और अधिकारों को लेकर जल्द से जल्द वसीयतनामा तैयार करने की अपील की है। सुप्रीम कोर्ट की यह अपील कई मामलों में महत्वपूर्ण है, क्योंकि देश में इस समय एकल महिलाओं के निधन के बाद उनकी संपत्ति को लेकर मायके और ससुराल वालों के बीच अदालती मामले काफी बढ़ने लगे हैं। सुप्रीम कोर्ट के दो सदस्यीय बेंच के न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश की पीठ ने माना है कि देश की अदालतों में एकल महिलाओं की मृत्यु के बाद उनकी संपत्ति को लेकर मायके और सुसराल पक्ष के बीच चलने वाले लम्बे क़ानूनी विवादों से एक और न्यायपालिका पर तो बोझ बढ़ता ही है, साथ ही मृतका के परिजनों का भी आर्थिक नुकसान होता है। इसका देश भर में रहने वाली एकल महिलाओं पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा और वसीयतनामा बनाने के मामले में तेजी भी आएगी।

अरविंद रावल
लेखक

लाखों महिलाएं अलग-अलग कारणों से एकाकी जीवन यापन कर रही हैं, जिनमें अधिकतर महिलाएं या तो शासकीय सर्विस में हैं या फिर प्राइवेट सर्विस में। कुछ महिलाएं बिजनेस के क्षेत्र में भी कार्य कर अपना जीवन यापन करती हैं। पिछले कुछ वर्षों से एकल महिलाओं की तादाद तेजी से बढ़ी भी है। एकल महिलाओं कि मृत्यु के बाद उनकी संपत्ति को लेकर उनके माता-पिता के साथ ही ससुराल पक्ष के लोग भी हक जताते हैं! देश भर की अदालतों में इस समय मृतक एकल महिलाओं की संपत्ति और अधिकारों को लेकर लाखों की तादाद में क़ानूनी मामले लंबित हैं, यह मुकदमे लंबे और खर्चीले होते जाते हैं, जिससे अदालतों का वक्त भी जाया होता है और मृतक एकल महिलाओं से संबंधित उसके वास्तविक हकदारों का समय और पैसा भी बर्बाद होता है।

> सुप्रीम कोर्ट ने अदालतों में क़ानूनी मामलों को कम करने के उद्देश्य से हाल ही में एकल महिलाओं से, जिनके पति या बच्चे नहीं हैं, उन्हें अपनी संपत्ति और अधिकारों को लेकर जल्द से जल्द वसीयतनामा तैयार करने की अपील की है! यह अपील कई मामलों में महत्वपूर्ण है।

कई बार देखा गया है कि वसीयत न होने की बिना पर मामले काफी ज्यादा उलझ जाते हैं। कई दूसरे दावेदार भी आ जाते हैं, जो संपत्ति पर अपना हक जताते हैं। कई पक्षकार होने की वजह से अदालतों में यह मामले लंबे घसिटते रहते हैं। इन लंबित मुकदमों की वजह से सही दावेदारों का नुकसान होता है। अहम बात यह भी है कि वसीयत को रजिसटर्ड जरूर कराया जाना चाहिए। रजिस्टर्ड वसीयत न होने के बिना पर उसे फर्जी या गलत कहने का मामला भी बनता है और कई बार अदालत तक मामला पहुंच जाता है।

एकल महिलाओं की तरह ही देश का हर आदमी भी अपने जीते जी संपत्ति या अधिकारों की वसीयत क़ानूनी रूप से तैयार कर लेता है, तो निश्चित ही फिर कोई क़ानूनी विवाद की गुंजाईश नहीं के बराबर रहेगी और अदालतों पर भी अनावश्यक दबाव नहीं बढ़ेगा। उनका भी वक्त बचेगा तथा अन्य क़ानूनी मुकदमों के भी जल्द निराकरण होने की संभावनाएं बनेंगीं।

शोर खत्म कर रहा है संवेदनशीलता

आधुनिक जीवन की गति इतनी तीव्र हो चुकी है कि व्यक्ति अपने ही भीतर सिमटने लगा है। हेडफोन आज हर उम्र के हाथ में दिखते हैं। सड़क पर चलते हुए, बस में बैठे या रात की नीरवता में मोबाइल स्क्रीन के सामने। संगीत, पॉडकास्ट, गेम या रील यह सब अब हमारे कानों की दुनिया में स्थायी रूप से बस चुके हैं। पर क्या हम यह समझ रहे हैं कि यह सुविधा धीरे-धीरे हमारे स्वास्थ्य, व्यवहार और संवेदनशीलता को निगल रही है।

तकनीक ने मनुष्य के जीवन को अत्यंत सुविधाजनक बना दिया है। मोबाइल, लैपटॉप और इंटरनेट ने हमें आपस में जोड़ा है। दुनिया को हमारी हथेली पर ला खड़ा किया है, परंतु इस सुविधा के साथ एक अदृश्य खतरा भी धीरे-धीरे हमारे स्वास्थ्य को घेरे में ले रहा है और वह है हेडफोन का बढ़ता उपयोग। आज हेडफोन आधुनिक जीवन का प्रतीक बन चुके हैं। चाहे यात्रा हो या व्यायाम, ऑनलाइन क्लास हो या दफ्तर की मीटिंग, हर उम्र का व्यक्ति इनसे जुड़ा है। यह आवश्यकता धीरे-धीरे एक आदत में और फिर लत में बदलती जा रही है। भारत सहित पूरी दुनिया में हेडफोन का बाजार लगातार बढ़ रहा है।

कभी गांवों में पत्तों की सरसराहट, पक्षियों की चहचहाहट और बहते पानी की ध्वनि मन को शांति देती थी। आज इन प्राकृतिक स्वरों की जगह इलेक्ट्रॉनिक बीट्स ने ले ली है। हमारी पीढ़ी वह संगीत सुन रही है, जो सुकून नहीं देता, बल्कि उत्तेजना पैदा करता है। यह एक ऐसी स्थिति है, जहां शोर अब मनोरंजन नहीं, बल्कि निर्भरता बन चुका है। आज जब हर जगह तेज़ आवाज़ों का साया फैला है, तब यह समझना जरूरी है कि यह 'मौन खतरा' हमारी पीढ़ी को भीतर से कमजोर कर रहा है।

संध्या राजपुरोहित
लेखिका

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की एक अन्यर रिपोर्ट के अनुसार, विश्व भर में लगभग एक अरब से अधिक युवा प्रतिदिन अत्यधिक आवाज़ में संगीत सुनने के कारण भविष्य में सुनने की क्षमता खोने के खतरे में हैं। भारत में भी यह प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। 2024 की एक सर्वे रिपोर्ट के अनुसार, शहरी युवाओं में से लगभग 78 प्रतिशत प्रतिदिन चार घंटे से अधिक समय तक हेडफोन का उपयोग करते हैं। कई विद्यार्थी और किशोर तो दस-दस घंटे तक इनसे जुड़े रहते हैं। दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) के एक अध्ययन में यह तथ्य सामने आया है कि शहरी युवाओं में लगभग 15 फीसदी लोग आंशिक सुनने की समस्या से जूझ रहे हैं, जिसका मुख्य कारण हेडफोन का अत्यधिक उपयोग है।

दिनभर कानों में गूंजती आवाज़ें, न केवल श्रवण तंत्र को क्षतिग्रस्त करती हैं, बल्कि मस्तिष्क पर निरंतर दबाव भी डालती हैं। यही कारण है कि आजकल 'साइलेंस' का अर्थ ही बदल गया है। हम शोर के इतने अभ्यस्त हो चुके हैं कि बिना आवाज़ हमें बेचैनी घेर लेती है। डॉक्टरों का मानना है कि लंबे समय तक हेडफोन में तेज़ संगीत सुनने से श्रवण नाड़ी को स्थायी नुकसान पहुंचता है। परिणामस्वरूप व्यक्ति को 'टिनिटस' जैसी समस्या हो सकती है।

भावनात्मक एआई की उम्मीदें और खतरे

इन दिनों आए दिन एआई को लेकर कुछ न कुछ सामने आ रहा है। कभी वीडियो को लेकर तो कभी अनुवाद और लेखन के संदर्भ में पढ़ने और देखने को मिल जाता है। कहा जा रहा है कि एआई सब कुछ करने में समर्थ है। एक नया शब्द सामने आया है भावनात्मक एआई और उसका भविष्य। रिसर्च कहती है कि भावनात्मक एआई का भविष्य उज्ज्वल है। उनका मानना है कि जैसे-जैसे यह तकनीक बेहतर होती जाएगी, हम देखेंगे कि एआई हमारे साथ और अधिक सहज तरीकों से बातचीत करेगा। एआई न केवल बुनियादी भावनाओं को, बल्कि उन गहरी और जटिल भावनाओं को भी ग्रहण करेगा, जो हमारे अनुभवों को आकार देती हैं। यह प्रगति मशीनों के साथ हमारी बातचीत के तरीके को पूरी तरह से बदल सकती है।

> फिलहाल एआई इंसानी भावनाओं को नहीं पढ़ सकता और न ही वह इन्हें शब्द दे सकता है। तकनीक का प्रयोग अच्छी बात है, लेकिन उस पर निर्भर होना ठीक नहीं है। तकनीक कितनी भी समुन्नत क्यों न हो जाए, आदमी के दिमाग को वह पीछे नहीं छोड़ सकती।

एक्सपर्ट का मानना है कि एआई के विकास में जटिल भावनाओं को समझने की क्षमता भी विकसित हुई है। मशीन लर्निंग और प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण में हुई प्रगति की बदौलत एआई अब साधारण भावनाओं की पहचान से आगे बढ़ गया है। यह निराशा, व्यंग्य और सहानुभूति जैसे सूक्ष्म संकेतों को पहचान सकता है। आज एआई मानवीय भावनाओं के सूक्ष्म विवरणों को बेहतर ढंग से समझने में सक्षम होता जा रहा है। यह सिर्फ इस बात पर निर्भर नहीं करता कि क्या कहा जा रहा है, बल्कि यह भी कि कैसे कहा जा रहा है। एआई अब आवाज, चेहरे के भावों और यहां तक कि वाणी की लय में भावनात्मक बदलावों को भी पहचान सकता है। इससे उसे किसी व्यक्ति की भावनाओं को और गहराई से समझने में मदद मिलती है। बुनियादी भावना पहचान से लेकर संदर्भ और जागरूक व्याख्या तक की इस छलांग ने एआई के साथ हमारी बातचीत को किसी दूसरे व्यक्ति से बात करने जैसा बना दिया है।

अमित बैजनाथ गर्ग
वरिष्ठ पत्रकार

भावनात्मक एआई तकनीक के साथ हमारी बातचीत के तरीके में क्रांति ला रहा है। जहां तक स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र की बात है, तो इसमें भावनात्मक एआई मानसिक स्वास्थ्य सहायता के क्षेत्र में बदलाव ला रहा है। आभासी साथी रोगियों को अपनी भावनाओं को नियंत्रित करने में मदद करते हैं और टेलीमेडिसिन सत्रों के दौरान स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों के लिए बहुमूल्य जानकारी प्रदान करते हैं। वहीं मनोरंजन और गेमिंग उद्योग भी इसका लाभ उठा रहे हैं। खेलों और फिल्मों में एआई चालित पात्र खिलाड़ियों या दर्शकों की भावनाओं के अनुकूल ढल सकते हैं, जिससे अधिक आकर्षक और यथार्थवादी अनुभव बनते हैं। इसके अलावा कार्यस्थल पर भावनात्मक एआई कर्मचारियों की भलाई पर नजर रखता है। बर्नआउट के लक्षणों का पता लगाता है और उत्पादकता बढ़ाने वाले सहायक वातावरण को बढ़ावा देता है।

जैसे-जैसे भावनात्मक एआई हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा बनता जा रहा है, यह महत्वपूर्ण चुनौतियां और नैतिक प्रश्न भी उठा रहा है। एक बड़ी चिंता एआई द्वारा भावनाओं की गलत व्याख्या करने का जोखिम है। मानवीय भावनाएं जटिल होती हैं। जब एआई गलत व्याख्या करता है, तो इससे निराशाजनक या हानिकारक अनुभव भी हो सकते हैं, जिससे उपयोगकर्ताओं को गलत समझे जाने का एहसास होता है। इसमें निजता भी चिंता का विषय है। भावनाओं और व्यक्तिगत डाटा पर नजर रखने की संवेदनशील प्रकृति का मतलब है कि मजबूत सुरक्षा के बिना इस जानकारी का दुरुपयोग हो सकता है। एक और चुनौती एआई प्रणालियों में पूर्वाग्रह की है। ये अक्सर विभिन्न संस्कृतियों, भाषाओं और व्यक्तिगत अनुभवों में भावनाओं की सटीक व्याख्या नहीं कर पाते, जिसके परिणामस्वरूप गलत व्याख्या हो जाती है।

हमें इस बात को भी स्वीकार करना होगा कि एआई में भावनात्मक हेर-फेर का भी खतरा है। उदाहरण के लिए मार्केटिंग के क्षेत्र में एआई का इस्तेमाल मुनाफे के लिए भावनाओं का शोषण करने के लिए किया जा सकता है। वहीं फैसलों को ऐसे तरीके से प्रभावित किया जा सकता है, जो उपयोगकर्ता के सर्वोत्तम हितों के अनुरूप न हों। इससे गंभीर नैतिक चिंताएं पैदा होती हैं। खासकर जब एआई का इस्तेमाल पारदर्शिता या निष्पक्षता के बिना व्यवहार को प्रभावित करने के लिए किया जाता है। जैसे-जैसे हम भावनात्मक एआई को अपनाते हैं, इन चुनौतियों का सावधानीपूर्वक सामना करना महत्वपूर्ण हो जाता है। साथ ही यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक हो जाता है कि यह नैतिक सीमाओं को पार किए बिना हमारे जीवन को बेहतर बनाए।

ज्ञानेंद्रियां और कर्मेंद्रियां होती हैं 10 और एक होता है मन

श्रीमद्भगवत गीता की व्याख्याओं का अंत नहीं है। इस ग्रंथ के 18 अध्यायों में वैचारिक-स्तर के विविध-योग पर सूक्ष्म दृष्टि डालने पर लगता है कि अर्जुन की जिज्ञासाओं के समाधान का यह ग्रंथ है। महाभारत के भीष्म पर्व के बीच श्रीकृष्ण-अर्जुन संवाद का प्रथम अध्याय अर्जुन विषाद योग है, तो अंतिम 18वां अध्याय मोक्ष संन्यास योग है। पहले अध्याय में नेत्र विहीन धृतराष्ट्र के युद्ध परिणाम जानने की जिज्ञासा का समाधान 18वें अध्याय में संजय द्वारा किया जाता है। धृतराष्ट्र की नेत्रविहीनता का आशय अंधकार और वह भी मन के भटकाव का सूचक है, तो अंतिम 18वें अध्याय के अंतिम श्लोक में संजय 'जहां कृष्ण और अर्जुन हैं, वहीं श्री, विजय, विभूति है' का उत्तर देते हुए समाधान प्रस्तुत करते हैं।

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

कृष्ण योगेश्वर हैं, तो संजय का यह उत्तर सार्थक लगता है कि योग के जरिए यदि मूलाधार से लेकर सहस्रार तक के चक्रों को जागृत कर लिया जाए, तो यह शरीर रूपी पृथ्वी जो 'सुर-दुर्लभ सब ग्रंथन गावा' कहा गया है, वह शतप्रतिशत लागू हो जाएगा, क्योंकि अंतिम श्लोक में अर्जुन के लिए पार्थ शब्द का प्रयोग हुआ है। यानी पृथ्वीपुत्र अर्जुन पहले अध्याय में विषाद नहीं, बल्कि अपने जिज्ञासु स्वरूप को संपूर्ण पुरुष कृष्ण के समक्ष प्रकट करते हैं।

इसके अलावा इस ग्रंथ में अनेकानेक बार श्रीकृष्ण इंद्रिय, मन, शरीर की चर्चा अर्जुन से करते हैं कि इन्हें ही साध लेने वाला सच्चा साधक होता है। यदि श्रीकृष्ण के इन संकेतों पर ध्यान दिया जाए तो ज्ञानेंद्रियां और कर्मेंद्रियां दस होती हैं। एक मन होता है तथा योगशास्त्र के अनुसार सात चक्र होते हैं।

महाभारत ग्रंथ में भी कुल 18 पर्व आते हैं। युद्ध के मैदान में कौरवों के पास 11 तथा पांडवों के पास सात कुल 18 अक्षौहिणी सेना का संकेत भी उक्त अवधारणा को पुष्ट करता है। पांडवों के इन सात अक्षौहिणी सेना को साधने का मतलब मूलाधार से सहस्रार तक सातों चक्रों को जागृत करने से है। इस स्थिति में कोई भी पांडव जैसा श्रीकृष्ण का सखा हो सकता है तथा इस शरीर रूपी रथ की लगाम विवेक रूपी श्रीकृष्ण के हाथों में आ जाती है, वरना भौतिकता में अंधा डूबा मन धृतराष्ट्र बन जाता है और उससे निकलने वाले पुत्र रूपी भाव और कार्य दुर्योधन की सेना जैसे हो जाते हैं।

बीजेपी की सियासत गलत तो मजलिस की सही कैसे!

मुसलमानों की अपनी पार्टी, हिंदुओं की अपनी पार्टी, सिखों की अपनी पार्टी, जंगे आज़ादी के दौरान यह सोच उभरी थी, लेकिन महात्मा गांधी, पंडित नेहरू, सरदार पटेल, मौलाना आज़ाद, सुभाष चंद्र बोस, यहां तक कि शुरूआती दिनों में जिन्ना तक इस विचार के घोर विरोधी थे, लेकिन अंग्रेजों की साज़िश ने ऐसा दांव खेला की जिन्ना न सिर्फ इस विचार के समर्थक बने, बल्कि देश के बंटवारे तक पर अड़ गए I यहां यह बात बताना ज़रूरी है कि जिन्ना और उनके चेले-चपाटों को छोड़ कर उस समय के सभी मुसलिम नेता और उलमा इस विचार के घोर विरोधी थेI मौलाना आज़ाद के अलावा मौलाना हुसैन अहमद मदनी, मौलाना अबुल अला मौदूदी, मौलन अनजर शाह कश्मीरी, खान अब्दुल गफ्फार खान आदि सभी उलमा और मुसलिम नेता धर्म की बुनियाद पर सियासी पार्टियों के गठन के विरोधी थे।

इन दूर दृष्ट वाले नेताओं ने बंटवारे का पूरी ताक़त से विरोध किया। सड़कों पर लीगी लंपटों की गालियां सुनीं, मौलाना आज़ाद को जूते का हार तक पहनाया गया, मगर उन्होंने उस खतरे का आखिरी दम तक विरोध किया जो मुस्लिम लीग के उन्मादियों ने बंटवारे की शक्ल में देश के सामने खड़ा कर दिया था। मुस्लिम लीग और हिंदू महासभा ने साझा सरकारें तक बनाई थीं। जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंगाल में मुस्लिम लीग और हिंदू महासभा की साझा सरकार में उप मुख्यमंत्री थे, जिसके मुख्यमंत्री चौधरी फजल इलाही थे, जिन्होंने मुस्लिम लीग के ढाका इजलास में पाकिस्तान का प्रस्ताव पेश किया था। मुस्लिम लीग के जहरीले और 'पाकिस्तान का मतलब क्या ला इलाहा इल लल्ला' जैसे अधार्मिक गैर इस्लामी और घोर विभाजनकारी नारों ने देश के वातावरण को प्रदूषित कर रखा था।

लगभग एक सदी के बाद यह विभाजनकारी विचार फिर सर उठाने लगा है, 'नज़रियेए पाकिस्तान' की तरह अब देश के मुसलमानों को 'अपनी कयादत' का जहर पिलाया जा रहा है और जिस तरह मुस्लिम लीग और जिन्ना को आरएसएस और हिंदू महासभा का मूक समर्थन हासिल था, ठीक उसी तरह आज बीजेपी का मूक समर्थन आल इंडिया मजलिस इत्तेहादुल मुस्लमीन और बैरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी को हासिल हैI बीजेपी की चाल है कि जिस तरह जिन्ना खुद को एक क्षत्र मुस्लिम नेता के तौर पर पेश करते थे, उसी तरह ओवैसी भी मुस्लिम नेता के तौर पर उभरें, ताकि कांग्रेस समेत अन्य सेक्युलर पार्टियों को जो 15% वोट बैंक है, उसमें और बिखराव हो और उसका रास्ता बिलकुल साफ हो जाएI यह हिंदू नेता मुस्लिम नेता और हिंदू पार्टी मुस्लिम पार्टी का जो खेल है, वह देश की 'भावनात्मक एकता और अखंडता' के लिए जहर हलाहल है।

अगर हम बीजेपी-आरएसएस की धर्म की बुनियाद वाली राजनीति के विरोधी हैं, तो हमें इसी पैमाने से मजलिस की राजनीति का भी विरोध करना होगाI धार्मिक उन्माद पर देश का बंटवारा हो जाने पर भारतीय मुसलमान पीढ़ी दर पीढ़ी इसका खामियाजा भुगतते रहेंगे। वह एक ऐसे जुर्म की सजा पाते रहेंगे, जो उन्होंने क्या उनके पुरखों ने भी नहीं किया था। दो राष्ट्रवाद के ज़हरीले विचार को लात मार कर उसी सरज़मीन पर ही बसे रहने का फैसला किया था, जहां वह सदियों से अपने हिंदू, सिख और अन्य धर्म के भाइयों के साथ मिलजुल कर रह रहे थेI उन्होंने मौलाना आजाद के फैसले को माना और गांधी नेहरू के आश्वासन और आंबेडकर के संविधान के साथ ही साथ अपने गैर मुस्लिम पड़ोसियों पर भी विश्वास किया था।

समाज का एक बड़ा वर्ग बंटवारे के इस जख्म को भरने में लगा हुआ है, लेकिन जितना मजलिस की राजनीति और उसकी स्वीकारता मुसलमानों में बढ़ती जाएगी, उतना ही यह वर्ग कमज़ोर होता जाएगा और जो बंटवारा अभी 60 फीसदी सेक्युलर वोटर्स का है, वह घटते-घटते 15-20 प्रतिशत ही रह जाएगा I मजलिस जैसी पार्टियां और उनके तंग दिल, तंग नज़र समर्थक रंग भर रहे हैंI भेड़ों की गड़रिये से नाराजगी पर भेड़िए से दोस्ती वाली कहावत यह लोग चरितार्थ कर रहे हैं।

-उबैद उल्लाह नासिर

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह***
0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

कार्यालय नगर पालिका परिषद छिबरामऊ जनपद–कन्नौज

(निर्धारण सूची में संशोधन और परिवर्तन) उपविधि 2025 प्रारूप

उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1916 (अधिनियम सं0 2 सन् 1916) की धारा–147 और धारा–298 की उपधारा (1) के अधीन शक्ति का प्रयोग करके नगर पालिका परिषद छिबरामऊ कन्नौज जिस उपविधि के बनाने का प्रस्ताव करता है, उसका निम्नलिखित प्रारूप अधिनियम, 1916 की धारा–301 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों की सूचना के लिए और उसके संबंध में आपत्तियाँ एवं सुझाव आमंत्रित करने की दृष्टि से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है।

आपत्तियाँ और सुझाव, यदि कोई हों, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद छिबरामऊ को सम्बोधित करके लिखित रूप में प्रेषित किये जायेगे। केवल उन्ही आपत्तियों पर विचार किया जाएगा जो इस उपविधि के प्रकाशित होने के दिनांक से तीस दिनों के भीतर प्राप्त होंगे।

नगर पालिका परिषद छिबरामऊ (निर्धारण सूची में संशोधन और परिवर्तन), उपविधि 2025

संक्षिप्त नाम विस्तार और प्रारम्भ	1	(1) यह उवविधि नगर पालिका परिषद छिबरामऊ कन्नौज (निर्धारण सूची में संशोधन और परिवर्तन), उपविधि 2025 कही जायेगी। (2) यह नगर पालिका परिषद छिबरामऊ में लागू होगी। (3) यह गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से प्रवृत्त होगी।
परिभाषाए	2	(1) जब तक विषय या सन्दर्भ में कोई बात प्रतिकूल न हो, इस उपविधि में– (क) 'अधिनियम' का तात्पर्य उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1916 से है। (ख) 'आवादी' का तात्पर्य ऐसे क्षेत्र से है जो राजस्व अभिलेखों में आवादी के रूप में अभिलिखित हो जिसका उपयोग नगर पालिका परिषद सीमा में उस क्षेत्र के सम्मिलित होने के दिनांक को उसके निवासियों के आवास और तत्सम्बन्धी प्रयोजनों के लिए किया जा रहा हो। (ग) 'निर्धारण सूची' का तात्पर्य अधिनियम, 1916 की धारा–141 के अधीन तैयार की गई कर निर्धारण सूची से है। (घ) 'संशोधन और परिवर्तन' का तात्पर्य अधिनियम, 1916 की धारा–147 के अधीन कर निर्धारण सूची में संशोधन और परिवर्तन से है। (3) 'सम्पत्ति' का तात्पर्य यथास्थिति किसी भवन या भूमि या दोनों से है। (च) 'सम्पत्ति कर' का तात्पर्य नगर पालिका परिषद सीमा में आने वाले सामान्य कर/भवन या भूमियों या दोनों के वार्षिक मूल्य पर लगाए जाने वाले सामान्य कर/भवन कर, जल कर, जल निस्तारण कर और स्वच्छता कर से है। (2) इस उपविधि में प्रयुक्त किन्तु अपरिभाषित शब्दों और पदों के वही अर्थ होंगे जो अधिनियम में उनके लिए क्रमशः समनुदेशित हों।
निर्धारण सूची में संशोधन और परिवर्तन का कारण	3	(1) अधिनियम 1916 की धारा–144 के अधीन नगर पालिका परिषद कार्यालय में जमा प्रमाणीकृत कर निर्धारण सूची में संशोधन और परिवर्तन उक्त अधिनियम, 1916 की धारा–147 के अधीन उल्लिखित कारकों के प्रोद्भूत होने की स्थिति में किया जा सकेगा। (2) ऐसा व्यक्ति जो निर्धारण सूची के प्रमाणीकृत होने के पश्चात किसी कारणवश कराधान के लिए दायी हो गया है, उसका नाम सूची में सम्मिलित करके निर्धारण सूची में संशोधन और परिवर्तन किया जायेगा। (3) (क) किसी सम्पत्ति के स्वामित्व के हस्तान्तरण या स्वामित्व सामान्यतया निम्न के आधार पर प्राप्त होगा– (एक) पंजीकृत विक्रय पत्र द्वारा, (दो) पंजीकृत वसीयत द्वारा,. (तीन) पंजीकृत विभाजन विलेख द्वारा, (चार) पंजीकृत दान–पत्र द्वारा, (पाँच) विधिक उत्तराधिकार द्वारा। (ख) किसी सम्पत्ति के अध्यासी के स्थान पर किसी व्यक्ति के नाम की प्रविष्टि की स्थिति सामान्यतया इस प्रकार हो सकेगी– (एक) नगर पालिका परिषद सीमा में नव सम्मिलित आवादी क्षेत्र में स्थित सम्पत्ति, (दो) गैर जमींदारी उन्मूलन (नान जेड0ए0) क्षेत्र की सम्पत्ति, (तीन) किसी सम्पत्ति जिसका किराया दिया जाता हो या देय हो, (चार) सम्पत्ति का किराया मुक्त किरायेदार और अनुज्ञापी। (4) (क) सम्पत्ति के त्रुटिपूर्ण मूल्यांकन, वार्षिक मूल्य और कर की दर में वृद्धि/परिवर्तन होने से कर निर्धारण सूची में संशोधन और परिवर्तन किया जा सकेगा। (ख) किसी भी समय जब यह स्पष्ट हो जाये कि किसी सम्पत्ति का मूल्यांकन और कर निर्धारण सम्पत्ति के स्वामी / अध्यासी द्वारा गलत विवरण देने के आधार पर या तथ्यों के छिपाने या भ्रान्त कथन या किसी भूल के कारण किया गया है तो उसमें किए गये सुधार की प्रविष्टि कर तदनुसार कर निर्धारण सूची संशोधित की जा सकेगी।
सूची में संशोधन और परिवर्तन की प्रक्रिया	4	(1) (क) नियम 3 के अधीन निर्धारण सूची में व्यक्ति या सम्पत्ति का विवरण छूट जाने नव निर्माण या पुनर्निर्माण होने पर स्वामी या अध्यासी निर्धारित प्रपत्र के साथ सम्पत्ति का स्वकर निर्धारण कर के सम्पत्ति कर की धनराशि नगर पालिका परिषद द्वारा यथा निर्दिष्ट बैंक या कार्यालय में जमा कर सकेगा। नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी या उनके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा स्वकर निर्धारण प्रपत्र के आधार पर अपेक्षित प्रविष्टियाँ निर्धारण सूची में की जाएँगी। (ख) अन्यथा स्थिति में सम्पत्ति का स्वामी या अध्यासी विहित प्रपत्र–1 में अपेक्षित सूचना निर्माण या पुनर्निर्माण के समापन अथवा अध्यासन के दिनांक जो भी पहले हो के 60 दिवसों के भीतर अधिशासी अधिकारी को अनिवार्य रूप से देगा। अधिशासी अधिकारी या उनके द्वारा इस निमित प्राधिकृत अधिकारी तदुपरान्त नियमानुसार सम्पत्ति का मूलयांकन और कर निर्धारण कर उसे दतनुसार कर निर्धारण सूची में प्रविष्ट करेगा। (2) (क) सम्पत्ति के स्वामित्व या अध्यासन के हस्तान्तरण के फलस्वरूप कर निर्धारण सूची के संशोधन और परिवर्तन के निमित्त आवेदक नगर पालिका परिषद को प्रपत्र–2 में अपना प्रोफाइल बनाकर आवेदन करेगा। (ख) आवेदक नगर पालिका परिषद द्वारा निर्धारित आवेदन शुल्क, जो रू0 100.00 प्रति आवेदन होगा, का यथासम्भव ऑनलाइन भुगतान करेगा और यथास्थिति निम्नलिखित अभिलेखों को उपलब्ध करायेगा।

क्र0 सं0	अभिलेखों का प्रकार	मृत्यु के आधार पर	विक्रय पत्र विमाजन विलेख दानपत्र व अन्य के आधार पर	पंजीकृत वसीयम के आधार पर
1	आवेदक की फोटो (जे0पी0जी0 प्रारूप में)	V	V	V
2	आवेदक की पहचान का प्रमाण (जे0पी0जी0 प्रारूप मे)	V	V	V
3	आवेदक का शपथ–पत्र (पी0डी0एफ0 प्रारूप में)	V	V	V
4	पंजीकृत विक्रय विलेख या दानपत्र/विभाजन विलेख (पी0डी0एफ0 प्रारूप में)		V	
5	उत्तराधिकार प्रमाण–पत्र (पी0डी0एफ0 प्रारूप में)	V		
6	मृत्यु प्रमाण (जी0आई0एफ0, पत्र पी0एन0जी0, जे0पी0जी0, जे0पी0ई0जी0, पी0डी0एफ0 प्रारूप में)	V		V
7	रजिस्ट्रीकृत वसीयत (जी0आई0एफ0, पी0एन0जी0, जे0पी0जी0, जे0पी0ई0जी0, पी0डी0एफ0 प्रारूप में)			V
8	मूल पट्टा प्रतिलिपि विलेख की	V	V	
9	पूर्व में जारी नामान्तरण–पत्र की प्रतिलिपि यदि कोई हो	V	V	V

(ग) आवेदन कारण प्रोद्भूत होने के अधिकतम तीन माह के भीतर प्रस्तुत किया जा सकेगा। इस अवधि के पश्चात 50 रूपये प्रतिमाह बिलम्ब शुल्क के साथ आवेदन प्रस्तुत किए जा सकेंगे।

(घ) अधिशासी अधिकारी या उसके द्वारा एतदर्थ प्राधिकृत अधिकारी नियम–6 के अनुसार प्रमार की धनराशि की गणना करेगा और आवेदन करने की तिथि से पाँच कार्य दिवसों के अन्दर आवेदक को तत्सम्बन्ध में यथासम्भव ऑनलाइन भुगतान हेतु संसूचित करेगा। इसके साथ ही उस सम्पत्ति पर अवशेष सभी देयों के भुगतान हेतु भी सूचित किया जायेगा। आवेदक द्वारा तदनुसार पूर्ण धनराशि आगामी अधिकतम सात दिवसों में भुगतान की जायेगी निर्धारित अवधि में भुगतान प्राप्त हो जाने पर प्रस्तावित परिवर्तन या संशोधन के सम्बन्ध में प्रारूप–3 पर इस आशय की कम से कम एक महीने की नो टिस सभी सम्बन्धित हितबद्ध व्यक्तियों को जारी की जाएगी और उसकी उक प्रति आवेदक को भी दी जाएगी।

(ङ) खण्ड (घ) के अधीन जारी नोटिसों की सभी पक्षों को सम्यक् और सन्तोषजनक तामीली न होने की स्थिति में उक्त नोटिस उस नगर पालिका परिषद क्षेत्र में परिचालन वाले कम से कम दो दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित कराई जाएगी। समाचार पत्र में नोटिस के प्रकाशन का शुल्क उसके वास्तविक व्यय के अनुसार आवेदक द्वारा भुगतान किया जाएगा। वैकल्पिक रूप में आवेदक उसे नगर पालिका परिषद द्वारा इस निमित निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अपने निजी व्यय पर नगर पालिका परिषद क्षेत्र में परिचालन वाले दो दैनिक समाचार पत्रों में उक्त नोटिस सीधे प्रकाशित करा सकता है।

(च) खण्ड (घ) के अधीन संसूचित धनराशि का भुगतान नियत अवधि में न किए जाने पर एक अन्य अवसर प्रदान करते हुए पुनः एक सप्ताह का समय दिया जाएगा। इस अवधि में भी प्रभार की धनराशि न जमा करने पर आवेदन निरस्त कर दिया जाएगा।

(छ) खण्ड (घ) और खण्ड (ङ) के अन्तर्गत नोटिस में अंकित अवधि व्यतीत होने के पश्चात कोई उत्तर या आपत्ति प्राप्त न होने की स्थिति में अधिशासी अधिकारी द्वारा अभिलेखों के नियमसम्मत पाए जाने पर तदनुसार आदेश पारित करते हुए निर्धारण सूची में यथास्थिति संशोधन या परिवर्तन कर दिया जाएगा और सूची प्रमाणीकरण के लिए प्राधिकृत अधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षरों से उसे प्रमाणीकृत किया जाएगा।

(ज) खण्ड (घ) और खण्ड (ङ) के अधीन जारी नोटिस में नियत अवधि के भीतर उत्तर या आपत्ति प्राप्त होने की दशा में अधिशासी अधिकारी या उनके द्वारा निमित्त प्राधिकृत अधिकारी संक्षिप्त जाँच और सम्बन्धित पक्षों आपत्तिकर्ताओं या हितबद्ध व्यक्तियों को सम्यक सुनवाई का अवसर प्रदान करने के पश्चात उपलब्ध अभिलेखीय सामग्री और गुण–दोष के आधार पर उनका निस्तारण करने और समुचित आदेश पारित करने हेतु अधिशासी अधिकारी को अग्रसारित करेगा। किसी प्रकार के स्वत्वाधिकार से सम्बन्धित विवादित प्रकारण पर सक्षम न्यायालय का निर्णय अपेक्षित होगा।

(झ) निर्धारण सूची में संशोधन / परिवर्तन सम्बन्धी प्रभारों सहित अन्य समस्त देयों के भुगतान प्राप्त होने के दिनांक से अधिकतम 45 कार्य दिवसों की अवधि में अविवादित प्रकरणों सम्बन्धी आवेदन का निस्तारण किया जाएगा

(3) (क) कर निर्धारण सूची में सम्पत्ति के अध्यासन के आधार पर अंकित अध्यासियों के सम्बन्ध में संशोधन और परिवर्तन उक्त अधिनियम, 1916 की धारा–2 के खण्ड (11) के अधीन परिभाषित अध्यासी के पक्ष में किए जा सकेंगे।

(ख) कर निर्धारण सूची एवं तत्सम्बन्धी जारी आदेश में ऐसे संशोधन / परिवर्तन किए जाने पर 'अध्यासी' शब्द का स्पष्ट उल्लेख किया जाएगा जिसे प्रमाणीकृत किया जाएगा।

(ग) अध्यासन के आधार पर किए गए कर निर्धारण के विषय में वार्डवार कर निर्धारण सूची पृथक से तैयार की जाएगी और उसी में संशोधन / परिवर्तन सम्बन्धी अपेक्षित प्रविष्टियाँ की जाएगी।

(4) निर्धारण सूची के संशोधन अथवा परिवर्तन का प्रयोजन मात्र भवन, भूमि या दोनों के सम्पत्ति कर की वसूली के दृष्टिगत होगा।

हस्तान्तरण की नोटिस दिया जाना हस्तान्तरणकर्ता और हस्तान्तरिती की बाध्यता	5	(1) जब किसी सम्पत्ति के सम्पत्ति कर के भुगतान के लिए प्रथमतःदायी किसी व्यक्ति का स्वत्वाधिकार हस्तान्तरित होता है तो वह व्यक्ति जिसका स्वत्वाधिकार हस्तान्तरित हुआ है और वह व्यक्ति जिसे वह हस्तान्तरित किया गया है, हस्तान्तरण विलेख के निष्पादित होने के तीन माह के भीतर ऐसे हस्तान्तरण की सूचना अधिशासी अधिकारी को देंगे। (2) पूर्वोक्तानुसार प्रथमतः दायी किसी व्यक्ति की मृत्यु की दशा में वह व्यक्ति जिसे उत्तराधिकारी के रूप में या अन्यथा मृतक का स्वत्वाधिकार हस्तान्तरित हुआ है, अधिशासी अधिकारी कों मृतक की मृत्यु के छः माह के भीतर ऐसे हस्तान्तरण की सूचना देगा। (3) अधिशासी अधिकारी या उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत अधिकारी को उक्त सूचना के माध्यम से ऐसा हस्तान्तरण संज्ञान में आते है, इस उपविधि के प्रावधानो के अनुसार अन्तरिती का नाम निर्धारण सूची मे प्रविष्ट कर दिया जाएगा। (4) प्रत्येक व्यक्ति जो अधिशासी अधिकारी को इस प्रकार की सूचना दिये बिना पूर्वोक्तवत् हस्तान्तरण करता है, ऐसी उपेक्षा से उद्भूत अन्य देयता के सहित हस्तान्तरित सम्पत्ति पर निर्धारित सम्पत्ति कर के भुगतान का दायित्व निरन्तर बना रहेगा जब तक कि वह इस संबंध में सूचना/आवेदन नहीं देता अथवा जब तक कि ऐसा हस्तान्तरण निर्धारण सूची में अभिलिखित नही किया जाता। (5) जब ऐसी सूचना / आवेदन नियत अवधि में प्रस्तुत नही किया गया हो तो नगर पालिका परिषद में नियत विलम्ब षुल्क के साथ इसे प्रस्तुत किया जा सकता है। (6) यदि कोई भवन गिरा दिया गया हो या ध्वस्त हो गया हो तो जब तक अधिशासी अधिकारी को इसकी नोटिस न दे दी गई हो, तब तक स्वामी / अध्यासी सम्पत्ति कर के भुगतान का दायी होगा जैसा कि वह भवन गिराए जाने या ध्वस्त न किये जाने की स्थिति में दायी था।
निर्धारण सूची के संशोधन / परिवर्तन हेतु प्रभारों का लगाया जाना	6	(1) जहाँ कर निर्धारण सूची के संशोधन और परिवर्तन हेतु आवेदन नगर पालिका परिषद को प्रस्तुत किया जाय वहाँ आवेदक से प्रभार इस उपविधि के अनुसार उद्गृहीत किया जाएगा। प्रभारों की दरें निम्नवत होंगी। (क) किसी विधिक उत्तराधिकारी या रजिस्ट्रीकृत वसीयत के मामले में प्रभार की दरें निम्नवत होंगी:–

क्र0 सं0	सम्पत्ति का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	प्रभार की धनराशि (रूपये में)
1	1000 तक	500/–
2	1001–2000 तक	1000/–
3	2001–3000 तक	1500/–
4	3000 से अधिक	2500/–

(ख) नियम के उपनियम (3) के अधीन अन्य सभी मामलों में प्रभारों की दर जिलाधिकारी द्वारा नियत सर्किल रेट या पंजीकरण विलेख में अंकित धनराशि जो भी अधिक हो, के आधार पर निम्नवत् होगी–

क्र0 सं0	सम्पत्ति का मूल्य	प्रमार की धनराशि (रूपये में)
1	रू0 5 लाख तक	1000/–
2	रू0 5 लाख से रू0 10 लाख	2000/–
3	रू0 10 लाख से 15 लाख तक	3000/–
4	रू0 15 लाख से रू0 50 लाख तक	5000/–
5	रू0 50 लाख से ऊपर	10000/–

(2) उपर्युक्त दरों में परिवर्तन अधिनियम् 1916 की धारा 92 के प्राविधानों के अन्तर्गत नगर पालिका परिषद बोर्ड की स्वीकृति/अनुमति से किया जा सकेगा।

(3) उपनियम (1) के खण्ड (क) के अधीन एक से अधिक मध्यवर्ती संशोधन और परिवर्तन की स्थिति में प्रत्येक संशोधन और परिवर्तन पर उसमें विनिर्दिष्ट धनराशि के 10 प्रतिशत की दर से अतिरिक्त प्रभार देय होगा।

(4) यदि उपनियम (1) के खण्ड (ख) के मामलो में एक या एक से अधिक मध्यवर्ती विक्रय या अन्य अन्तरण हो और सम्बन्धित सम्पत्ति मध्यवर्ती क्रेताओ या अन्तरिती के नाम से निर्धारण सूची में अन्तरित न की ही गई हो तो प्रत्येक मध्यवर्ती विक्रय विलेख/अन्तरण पर इस उपविधि के अनुसार उपनियम (1) के खण्ड (ख) में विनिर्दिष्ट धनराशि के 25 प्रतिशत की दर से अतिरिक्त प्रभार उद्गृहीत किया जाएगा।

(5) यदि उस सम्पत्ति के संबंध में नगर पालिका से सम्बन्धित कोई धनराशि देय है तो उसका भुगतान निर्धारण सूची के संशोधन और परिवर्तन हेतु देय प्रभारों के साथ किया जसएगा।

आदेश का संशोधन या निरस्तीकरण	7	जहाँ अधिशासी अधिकारी स्वतः या अन्यथा, ऐसी जाँच जैसा वह उचित समझे से सन्तुष्ट है कि सूची में संशोधन या परिवर्तन छल, सारवान तथ्यों के दुर्व्यपदेशन करके अथवा तथ्यों को छिपाकर अथवा मिथ्या, अशुद्ध और अपूर्ण अभिलेखों के आधार पर किया गया है तो वह सम्बन्धित व्यक्ति को सुनवाई का युक्तियुक्त अवसर देते हुए पुनः सुनवाई कर सकता है और लिखित रूप में कारणों को अभिलिखित करते हुए संशोधन या परिवर्तन निरस्त कर सकता है उसे संशोधित कर सकता है अथवा परिवर्तित कर सकता है।
अपील	8	अधिशासी अधिकारी के किसी आदेश से क्षुब्ध कोई व्यक्ति उस दिनांक जिस दिनांक को उसे विनिश्रय संसूचित किया गया है से तीस दिन के भीतर उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा–160 के अधीन अपील कर सकता है।

(सुनील कुमार सिंह)
अधिशासी अधिकारी

(मनोज दुबे)
अध्यक्ष

प्रपत्र–1
(नियम–4 (1 ख) देखें)
भवन निर्माण / पुनर्निर्माण / परिवर्तन/परिवर्धन सम्बन्धी सूचना–प्रपत्र

1. भवन स्वामी / अध्यासी का नाम–

2. भवन संख्या/आई0डी0 सहित भवन की अवस्थिति–

3. भवन का वर्तमान वार्षिक मूल्य–

4. सम्पत्ति कर भुगतान की अद्यतन रसीद सं0–

5. पूर्व से निर्मित भवन का आच्छादित क्षेत्रफल–

6. नव–निर्माण, पुनर्निर्माण या परिवर्धन अंश का क्षेत्रफल–

7. नव–निर्माण, पुनर्निर्माण या परिवर्धन के समापन की तिथि–

8. अध्यासन की तिथि–

9. अन्य विवरण यदि कोई हो।–

स्थान– **हस्ताक्षर भवन स्वामी/अध्यासी**

दिनांक– **पता–**

मोबाइल नं0–

प्रपत्र–2
(नियम–4(2) देखें)
निर्धारण सूची में संशोध/परिवर्तन प्रपत्र

1.आवेदक का नाम, पितृ नाम और पता–

2. सम्पत्ति का विवरण–

(1) विक्रय और दान आदि के मामलों में–

(क) विक्रय संख्या/आई0डी0 और वर्तमान स्वामी का नाम

(ख) भूमि का क्षेत्रफल/भवन का आच्छादित क्षेत्रफल

(ग) वर्तमान वार्षिक मूल्य

(घ) अन्तरिती का नाम, पितृ नाम और पता

(ङ) हस्तान्तरण की प्रकृति–बिक्री/दान

(च)अन्तरण विलेख के निबन्धन की तिथि

(छ) कोई अन्य विवरण

(2) मृत्यु, वसीयत आधारित उत्तराधिकार के मामलों में–

(क) सम्पत्ति संख्या और वर्तमान स्वामी का नाम

(ख) भूमि का क्षेत्रफल / भवन का आच्छादित क्षेत्रफल

(ग) वर्तमान वार्षिक मूल्य

(घ) व्यक्ति का नाम (मृत्यु तिथि सहित), पितृ नाम तथा पता जिसके सापेक्ष उत्तराधिकारी द्वारा दावा किया गया है।

(ङ) आवेदक का मृतक से संबंध

(च) उत्तराधिकारियों का विवरण और अंश

(छ) उत्तराधिकार का आधार (पैतृक, वसीयत आदि)

(ज) कोई अन्य विवरण

(3) भ्रान्त कथन, भूल या लोप के मामलों में–

(क) सम्पत्ति संख्या और वर्तमान स्वामी का नाम

(ख) भूमि का क्षेत्रफल / भवन का आच्छादित क्षेत्रफल

(ग) वर्तमान वार्षिक मूल्य

(घ) भ्रान्त कथन त्रुटि या लोप की प्रकृति का विवरण

(ङ) भ्रान्त कथन, त्रुटि या लोप की पुष्टि में साक्ष्य

(च) कोई अन्य विवरण

टिप्पणी–

उप क्रमांक (1) (2) (3) में से यथा लागू विवरण भरें।

3. आवेदन शुल्क भुगतान का विवरण–

4. अपलोड किये गये अभिलेखों का विवरण–

प्रपत्र–3
(नियम–4 (2घ) देखें)
नोटिस

श्री/श्रीमती .....पुत्र / पुत्री / पत्नी श्री / श्रीमती..... निवासी ..... का नाम नगर पालिका परिषद छिबरामऊ की कर निर्धारण सूची में अंकित है।

2. (1) श्री/श्रीमती..... पुत्र/ पुत्री / पत्नी श्री / श्रीमती..... निवासी..... ..... द्वारा इस सम्बन्ध में आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि श्री / श्रीमती..... पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री/ श्रीमती..... ..... की मृत्यु दिनांक..... को हो गई है ....वह/वे उनके विधिक उत्तराधिकारी हैं और साक्ष्य रूप में .....प्रस्तुत किया गया हैं

(2) उनके द्वारा अपना नाम प्रविष्ट कर निर्धारण सूची को संशोधित/परिवर्तित करने का अनुरोध किया गया है।

3. यदि किसी व्यक्ति/व्यक्तियों को उपरोक्त के विरूद्ध कोई आपत्ति हो तो वह / वे अपनी आपत्तियाँ लिखित रूप में साक्ष्यों सहित इस नोटिस के प्रकाशित / प्राप्त होने के दिनांक से 30 दिन के भीतर नगर पालिका परिषद छिबरामऊ के कार्यलय में प्रस्तुत कर सकता/सकती है। उक्त तिथि तक कोई आपत्ति प्राप्त न होने की स्थिति में आवेदक/आवेदकों का नाम सूची में प्रविष्ट कर दिया जाएगा और कोई पश्चातवतह्न दावा ग्रहण नहीं किया जाएगा।

सम्पत्ति का विवरण

सम्पत्ति आई0डी0 जारी करने की तिथि मुहर	सम्पत्ति संख्या	अवस्थिति

हस्ताक्षर

जारी करने वाले अधिकारी का नाम पदनाम सहित

एयर इंडिया व एयर कनाडा में फिर बहाल हुआ कोडशेयर

नई दिल्ली। टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया ने कनाडा की एयरलाइंस एयर कनाडा के साथ कोडशेयर समझौता फिर बहाल किया है, जिससे यात्रियों को ज्यादा विकल्प मिल सकेंगे। एयर इंडिया ने शनिवार को बताया कि यह समझौता 2 दिसंबर से प्रभावी होगा। इससे उसके यात्री वैंकूवर और लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे के जरिये कनाडा के छह शहरों तक एयर इंडिया की वेबसाइट से एआई कोड के साथ टिकट बुक करा सकेंगे।

अमृत विचार

कानपुर, रविवार, 23 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

8,000 करोड़ रुपये जुटाएगी सागरमाला

नई दिल्ली। सागरमाला फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एसएमएफसीएल) देश की समुद्री ताकत को और मजबूत करने के लिए चालू वित्त वर्ष में बैंकों, वित्तीय संस्थानों और बॉण्ड के जरिए 8,000 करोड़ रुपये जुटाएगी। एसएमएफसीएल को पहले सागरमाला डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड के नाम से जाना जाता था। यह भारत की पहली समुद्री क्षेत्र विशिष्ट गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी है। एसएमएफसीएल ने कहा कि हाल ही में आयोजित वार्षिक आम बैठक में कंपनी के निदेशक मंडल ने चालू वित्त वर्ष में 8,000 करोड़ रुपये जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। साथ ही उधारी सीमा 25,000 करोड़ रुपये निर्धारित करने को भी स्वीकृति दी गई।

रवींद्रन को एक अरब डॉलर चुकाने का आदेश

नई दिल्ली। अमेरिका की अदालत ने बायजू अल्फा और अमेरिका स्थित ऋणदाता जीएलएएस ट्रस्ट कंपनी एलएलसी की याचिका पर बायजू रवींद्रन के खिलाफ डिफॉल्ट निर्णय सुनाया है। आदेश के तहत रवींद्रन को एक अरब डॉलर से अधिक की राशि चुकानी होगी। यह फैसला 20 नवंबर को आया। सुनवाई के दौरान डेलावेयर दिवाला अदालत ने पाया कि रवींद्रन ने उसके दस्तावेजी जानकारी आदेश का पालन नहीं किया और कई मौकों पर टालमटोल करते रहे। अदालत ने प्रतिवादी रवींद्रन के खिलाफ डिफॉल्ट निर्णय सुना दिया है। इसमें 533,000,000 डॉलर भुगतान के लिए तय की गई है, और खंड 2, 5 और 6 से संबंधित मामले में 540,647,109 .29 डॉलर की राशि चुकाने का आदेश दिया गया है।

इंडिगो की मूल कंपनी सेंसेक्स में होगी शामिल

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो का संचालन करने वाले इंटरग्लोब एविएशन 22 दिसंबर से बीएसई के 30 शेयरों वाले सूचकांक सेंसेक्स में शामिल हो जाएगी। बीएसई इंडेक्स सर्विसेज ने शनिवार को यह जानकारी दी। बीएसई इंडेक्स सर्विसेज ने बताया कि टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड को इस सूचकांक से बाहर कर दिया जाएगा। बीएसई इंडेक्स सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड ने अपने सूचकांकों के पुनर्गठन के तहत इन बदलावों की घोषणा की है, जो 22 दिसंबर को बाजार खुलते ही प्रभावी हो जाएंगे। बीएसई 100 सूचकांक में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड को शामिल किया जाएगा, जो अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड की जगह लेगा।

श्रम संहिता से मजबूत होगा देश का निर्यात तंत्र

अस्थिर वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धा और अनुपालन मानकों को पूरा करने के लिए सुधार की थी जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को कहा कि श्रम संहिताओं के लागू होने से देश का निर्यात तंत्र मजबूत होगा। यह सुधार अस्थिर वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धा और अंतर्राष्ट्रीय अनुपालन के मानकों को पूरा करने के लिए बहुत जरूरी थे।

अधिकारी ने कहा कि श्रमिकों के लिए ये प्रावधान निष्पक्ष मजदूरी, सामाजिक सुरक्षा, समानता, कौशल उन्नयन के अवसर और श्रम की गरिमा सुनिश्चित करते हैं। एक ऐतिहासिक कदम में सरकार ने शुक्रवार को 2020 से लंबित चारों श्रम संहिताओं को लागू कर दिया। वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारी ने कहा कि संहिताओं के हर प्रावधान अलग-अलग तरीके से भारत के निर्यात तंत्र को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि निर्यात करने वाले उद्योगों के लिए ये संहिताएं लचीलापन, सरलीकरण और पूर्वानुमान उपलब्ध कराती हैं, जो वैश्विक बाजारों की अस्थिरता में प्रतिस्पर्धा करने और विदेशी अनुपालन मानकों को पूरा करने के लिए जरूरी है। नियुक्ति और मजदूरी में लिंग के आधार पर भेदभाव पर रोक से समान काम के लिए समान वेतन सुनिश्चित होगा। निर्यात उद्योगों के लिए इससे घरेलू प्रथाएं अंतर्राष्ट्रीय श्रम और मानवाधिकार मानकों के अनुरूप होंगी। महिलाओं को उनकी सहमति और पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था के साथ रात की पाली में काम करने की अनुमति देने का प्रावधान उन निर्यात उद्योगों के लिए बहुत फायदेमंद है, जो 24 घंटे लगातार उत्पादन करते हैं, ताकि अंतर्राष्ट्रीय ऑर्डर समय से जा सकें। अब परिधान, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी सेवाओं जैसे क्षेत्र की कंपनियां उचित परिवहन, सुरक्षा और कल्याण व्यवस्था के साथ कानूनी रूप से महिलाओं को देर रात काम पर रख सकती हैं।

सरकार, नियोक्ता और कर्मचारियों के बीच संवाद जरूरी : आईएलओ

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के महानिदेशक गिल्बर्ट एफ हौंग्बो ने कहा कि भारत में श्रम संहिताएं लागू होने के बीच सरकार, नियोक्ता और कर्मचारियों के बीच सामाजिक संवाद बहुत जरूरी है, तभी ये संहिताएं कर्मचारियों और कारोबार, दोनों के लिए फायदेमंद होंगी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, भारत में श्रम संहिताओं को लागू किए जाने को मैं बड़ी दिलचस्पी से देख रहा हूं। खासकर सामाजिक सुरक्षा और न्यूनतम मजदूरी से जुड़े हिस्सों को। इस बीच श्रम संहिताओं पर प्रतिक्रिया देते हुए पॉलिसीबाजार फॉर बिजनेस के निदेशक सञ्जा प्रवीण चौधरी ने कहा कि 40 साल से ऊपर के कर्मचारियों के लिए सालाना स्वास्थ्य जांच अनिवार्य करना यह दिखाता है कि अब संगठन अपने कर्मचारियों की सेहत को कितनी गंभीरता से ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि लंबे समय में यह नीति और सक्रिय स्वास्थ्य प्रबंधन का मेल नियोक्ता और कर्मचारी दोनों को फायदा देगा। फाउंडेशन फॉर इकॉनॉमिक डेवलपमेंट के संस्थापक और निदेशक राहुल अहलूवालिया ने कहा कि नई श्रम संहिताएं विनिर्माताओं के लिए अनुपालन बोझ कम करती हैं और छंटनी की सीमा, तिमाही कार्य घंटे जैसे कई मामलों में राज्यों को अच्छा लचीलापन देती हैं।

गिग श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा देगी श्रम संहिता

जोमैटो और ब्लिंकिट की मूल कंपनी इटरनल लिमिटेड ने शनिवार को चारों श्रम संहिताओं के लागू होने का स्वागत किया। इससे गिग श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा तक पहुंच मजबूत होगी, जिसमें उसके जोमैटो और ब्लिंकिट कारोबार से जुड़े डिलीवरी साझेदार भी शामिल हैं। इटरनल ने शेयर बाजार को बताया कि लंबी अवधि में इन नए नियमों का उसके कारोबार की सेहत और स्थिरता पर कोई नकारात्मक वित्तीय असर नहीं पड़ेगा। सरकार ने शुक्रवार को चारों श्रम संहिताओं को अधिसूचित कर दिया, जिनके जरिए मौजूदा 29 श्रम कानूनों को एकीकृत किया गया है। ये संहिताएं - वेतन संहिता 2019, औद्योगिक संबंध संहिता 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य दशाएं संहिता 2020 हैं।

चावल-गेहूं नरम, दालों व खाद्य तेलों में घट-बढ़

नई दिल्ली, एजेंसी

- चावल 40 और गेहूं 15 रुपये प्रति क्विंटल हुआ सस्ता

दिल्ली थोक जिंस बाजार में आवक बढ़ने से शनिवार को चावल के भाव उतर गए। गेहूं में भी नरमी रही जबकि चीनी के दाम लगभग गत दिवस के स्तर पर ही स्थिर रहे। दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया।

औसत दर्जे के चावल का औसत भाव 40 रुपये प्रति क्विंटल घट गया। गेहूं भी 15 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। आटे की कीमत में पांच रुपये कमी आई। उड़द दाल की औसत कीमत 14 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ी जबकि अन्य दालें सस्ती हुईं। मसूर दाल 43 रुपये और तुअर दाल 38 रुपये प्रति क्विंटल गयी। मूंग दाल की कीमत 11 रुपये और चना दाल की 13 रुपये प्रति क्विंटल उतर गयी। स्थानीय बाजारों में सरसों तेल औसतन 38 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ।

सोया तेल के भाव 36 रुपये और पाम ऑयल के 10 रुपये प्रति क्विंटल बढ़े। सूरजमुखी तेल की कीमत कमोबेश गत दिवस के स्तर पर ही रही। मूंगफली तेल 157 रुपये और वनस्पति आठ रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया। मीठे के बाजार में आवक अधिक रहने से आज गुड़ 17 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। चीनी के भाव लगभग पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर ही रहे।

रेलवे ने एक अरब टन माल ढुलाई का आंकड़ा किया पार

नई दिल्ली, एजेंसी

- रेल मंत्रालय के अनुसार, यह उपलब्धि प्रमुख क्षेत्रों से व्यापक समर्थन से हुआ प्राप्त

रेलवे का माल ढुलाई प्रदर्शन भारत की आर्थिक रीढ़ को लगातार मजबूत कर रहा है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 19 नवंबर तक कुल माल ढुलाई ने एक अरब टन का आंकड़ा पार कर लिया है। रेल मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि इस दौरान कुल माल ढुलाई 102 करोड़ टन से अधिक रही।

मंत्रालय के अनुसार, यह उपलब्धि प्रमुख क्षेत्रों से व्यापक समर्थन को दर्शाती है। कोयला सबसे बड़ा योगदानकर्ता रहा, जिसकी मात्रा 50.5 करोड़ टन है। लौह अयस्क 11.5 करोड़ टन, सीमेंट 9.2 करोड़ टन, कंटेनर व्यापार 5.9 करोड़ टन, कच्चा लोहा और तैयार इस्पात 4.7 करोड़ टन, उर्वरक 4.2 करोड़ टन, खनिज तेल 3.2 करोड़ टन, खाद्यान्न तीन करोड़ टन, इस्पात संयंत्रों के लिए कच्चा माल लगभग दो करोड़ टन और अन्य माल 7.4 करोड़ टन रहा। दैनिक माल ढुलाई लगभग 44 लाख टन पर मजबूत बनी हुई है, जो पिछले वर्ष के 42 लाख टन से अधिक है, और यह बेहतर संचालन दक्षता और लगातार मांग को दर्शाता है।

इस्पात उद्योग को राहत 55 आईएस मानकों का प्रवर्तन टला

नई दिल्ली। इस्पात उद्योग को बड़ी राहत देते हुए सरकार ने 55 आईएस (इंडियन स्टैंडर्ड) मानकों का प्रवर्तन एक से तीन साल के लिए टाल दिया है। इस्पात मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि संभावित डाउनस्ट्रीम मूल्य निर्धारण प्रभावों, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) तथा उपभोक्ता उद्योगों के लिए इस्पात की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने की जरुरत और कुछ विशेष ग्रेड के लिए आयात पर निरंतर निर्भरता को ध्यान में रखते हुए गैर-वित्तीय नियामक सुधारों पर उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों के आधार पर यह फैसला किया है। समिति ने अनुचित व्यापार प्रथाओं की रोक, छोटे इस्पात उत्पादकों को समर्थन और आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहन देने के विचारों का आकलन किया।

भारत इजराइल कृषि सहयोग बढ़ाने पर सहमत

- इजराइल के कृषि मंत्री से मिले केंद्रीय उद्योग गोयल, द्विपक्षीय सहयोग पर हुई चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अपने इजरायल दौरे के दूसरे दिन शुक्रवार को यहूदी राष्ट्र के कृषि एवं खाद्य सुरक्षा मंत्री एवी डिचर से मुलाकात की, जिसमें दोनों देश खेती-बाड़ी के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए। गोयल और डिचर की बैठक के दौरान कृषि क्षेत्र में आपसी सहयोग की स्थित और उसके भविष्य पर विस्तार से चर्चा की गयी।

डिचर ने इज़राइल के 25 साल के खाद्य सुरक्षा रोडमैप, आधुनिक बीज-वर्धन रणनीति और कृषि के लिए पानी के पुनः उपयोग की प्रौद्योगिकी में देश की अग्रणी स्थिति के बारे में जानकारी दी। गोयल पेरेस सेंटर फ़ॉर पीस एंड इनोवेशन भी गये जहां उन्हें इजराइल के अग्रणी प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी के बारे में बताया गया। उन्होंने वहां ड्रिप सिंचाई प्रणाली, स्टेंट प्रौद्योगिकी और आयरन डोम प्रणाली सहित कई महत्वपूर्ण नवाचार देखे। साथ ही, भविष्य की प्रौद्योगिकी और इमर्सिव वर्चुअल-रियलिटी समाधानों से भी रूबरू हुए। उन्होंने पेरेस सेंटर को एक प्रेरणा देने वाला संस्थान बताया जो इजराइल की रचनात्मकता, नवाचार और सामाजिक प्रभाव की यात्रा को दिखाता है।

केंद्रीय मंत्री किबुत्ज़ रमत राचेल भी गए जहां उन्होंने को-ऑपरेटिव लिविंग, टिकाऊ कृषि पद्धति और समुदाय आधारित नवाचार के मॉडल को देखा। इन सबके जरिये गोयल ने इजराइल की प्रौद्योगिकी ताकत और ग्रामीण एवं सतत विकास के प्रति उनकी सोच के बारे में जानकारी मिली। अपनी यात्रा के पहले दिन 20 नवंबर को गोयल ने इजरायल के आर्थिक मामलों के मंत्री नीर बरकत से मुलाकात की थी।

दोनों नेता मुक्त व्यापार समझौते के लिए वार्ता द्विपक्षीय वार्ता शुरू करने पर सहमत हुए और वार्ता प्रक्रिया के निर्देशन के लिए टर्म्स ऑफ रिफ्रेंस समझौते पर हस्ताक्षर किये। उसी दिन उन्होंने विभिन्न इजराइली कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों से भी मुलाकात की। उन्होंने हीरा व्यापारियों से मुलाकात की। दोनों देशों के आर्थिक संबंधों में हीरे का व्यापार काफी महत्व रखता है। वाणिज्य एवं व्यापार मंत्रालय की विज्ञप्ति में बताया गया है कि गोयल ने इस यात्रा के दौरान कृषि, प्रौद्योगिकी, नवाचार और व्यापार में दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को मजबूती प्रदान करने के लिए कई बैठकें कीं।

राष्ट्रीय

शीतकालीन सत्र के लिए 10 विधेयक सूचीबद्ध

निजी कंपनियों के लिए असैन्य परमाणु क्षेत्र को खोलने के प्रावधान वाला विधेयक भी सूची में सरकार ने किया शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान पेश करने के लिए कुल 10 विधेयकों को सूचीबद्ध किया है, जिनमें निजी कंपनियों के लिए असैन्य परमाणु क्षेत्र को खोलने के प्रावधान वाला एक विधेयक भी शामिल है। 'परमाणु ऊर्जा विधेयक, 2025' भारत में परमाणु ऊर्जा के उपयोग और विनियमन को नियंत्रित करने के उद्देश्य लाया जा रहा है। इस सत्र के लिए उच्च शिक्षा आयोग विधेयक भी सरकार के एजेंडे में है।

लोकसभा बुलेटिन के अनुसार, प्रस्तावित कानून विश्वविद्यालयों और अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों को स्वतंत्र और स्वशासी संस्थान बनने और मान्यता व स्वायत्तता की एक मजबूत और पारदर्शी प्रणाली के माध्यम से उत्कृष्टता को बढ़ाने के लिए भारत के उच्च शिक्षा आयोग की स्थापना का मार्ग प्रशस्त करता है। राष्ट्रीय राजमार्ग (संशोधन) विधेयक भी परिचय के लिए सूचीबद्ध है, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय राजमार्गों के लिए तेज़ और पारदर्शी भूमि अधिग्रहण करना है।

कॉरपोरेट कानून (संशोधन) विधेयक भी एजेंडे में है, जिसका उद्देश्य व्यवसाय करने में आसानी की सुविधा के लिए कंपनी अधिनियम, 2013 और एलएलपी (सीमित देयता भागीदारी) अधिनियम, 2008 में संशोधन करना है। सरकार के एजेंडे में प्रतिभूति बाजार संहिता विधेयक (एसएमसी), 2025 है, जो भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड अधिनियम, 1992, डिपॉजिटरी अधिनियम, 1996 और प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) अधिनियम, 1956 के प्रावधानों को एक तर्कसंगत एकल प्रतिभूति बाजार संहिता में समेकित करने का प्रस्ताव करता है। सरकार मध्यस्थता और सुलह अधिनियम में संशोधन की भी योजना बना रही है।

विधि मंत्रालय ने कहा कि कानून की धारा 34 में प्रस्तावित संशोधन और कंपनी निदेशकों पर उच्चतम न्यायालय की टिप्पणी पर सरकार को इस मुद्दे को समिति के पास भेजना पड़ा है। प्रस्तावित संशोधन इसी का परिणाम है। पिछले सत्र के दो विधेयक भी विचार और पारित करने को सूचीबद्ध हैं। वर्ष का पहला अनुपूरक बजट भी एजेंडे में है। शीतकालीन सत्र आगामी एक दिसंबर को शुरू होगा। कुल 15 कार्य दिवस वाला यह सत्र 19 दिसंबर को समाप्त होगा।

यूजीसी का स्थान लेगा शिक्षा विनियामक

उच्च शिक्षा के एकीकृत विनियामक के लिए संसद सत्र में विधेयक पेश होगा जो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) का स्थान लेगा। प्रस्तावित विधेयक का नाम भारतीय उच्च शिक्षा आयोग विधेयक रखा गया है। नई नीति के तहत प्रस्तावित भारतीय उच्च शिक्षा आयोग (एचईसीआई), यूजीसी, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) और राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) का स्थान लेगा। यूजीसी गैर तकनीकी उच्च शिक्षा का विनियामक है जबकि एआईसीटीई तकनीकी शिक्षा का विनियमन करता है और एनसीटीई शिक्षक शिक्षा का नियामक निकाय है।

बाजार कानून से कारोबार होगा आसान

लोकसभा सचिवालय ने बताया कि शीतकालीन सत्र के लिए प्रतिभूति बाजार संहिता विधेयक को सूचीबद्ध किया गया है। यह एकीकृत बाजार संहिता कारोबार को आसान बनाएगा। विधेयक का मकसद सेबी कानून 1992, डिपॉजिटरीज कानून 1996 और प्रतिभूति लेनदेन (नियमन) कानून 1956 के प्रावधानों को संहिता में मिलाना है। बाजार संहिता का प्रस्ताव 2021-22 के आम बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने घोषणा की थी। बाजार संहिता से अनुपालन की लागत कम होगी और पूंजी बाजार नियामक सेबी, डिपॉजिटरी तथा सरकार द्वारा बनाए नियमों के बीच टकराव कम होगा।

मप्र : काम के दबाव से दो बीएलओ की मौत

रायसेन/दमोह (मप्र), एजेंसी

मध्यप्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए सर्वे करने वाले दो शिक्षक-सह-बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) की रायसेन और दमोह ज़िलों में बीमारी से मौत हो गई। शिक्षकों के परिजनों ने ज्यादा काम के दबाव को मौत का कारण बताया है।

सूत्रों के अनुसार, अधिकारियों ने बताया कि रायसेन ज़िले में बीएलओ छह दिनों से लापता है, उसकी तलाश जारी है। मृतकों में बीएलओ रमाकांत पांडे और सीताराम गोंड है। दोनों रायसेन और दमोह ज़िलों में पदस्थ थे। भोजपुर विधानसभा क्षेत्र के अनुविभागीय अधिकारी (एसडीओ) और इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर, चंद्रशेखर श्रीवास्तव ने शनिवार को बताया, सतलापुर के शिक्षक रमाकांत पांडे मंडीदीप में एसआईआर पर काम कर रहे थे। पांडे की मौत की सही वजह पर उन्होंने कहा, हम पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतज़ार कर रहे हैं। श्रीवास्तव ने कहा कि लापता बीएलओ भव्य सिटी निवासी शिक्षक नारायण दास सोनी है। वह छह दिनों से लापता हैं। पांडे की पत्नी रेखा ने दावा किया कि वह बहुत ज्यादा काम के बोझ से जूझ रहे थे।

जिला शिक्षा अधिकारी एसके नेमा ने बताया कि दमोह जिले में, रंजरा गांव में नियुक्त बीएलओ शिक्षक गोंड गिनती के फॉर्म भरते समय बीमार पड़ गए। उन्हें दमोह के जिला अस्पताल ले जाया गया और गंभीर हालत में जबलपुर रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। गोंड के दोस्तों ने दावा किया कि उन पर काम दबाव था क्योंकि वह केवल 13 प्रतिशत काम कर पाए थे। वहीं, दमोह ज़िले में सड़क हादसे में बीएलओ श्याम सुंदर शर्मा की मौत हो गई थी। उनके परिजनों ने बताया कि वह काम की वजह से दबाव में थे।

प. बंगाल: नदिया में मिला बीएलओ का शव मिला

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले में महिला बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) शनिवार सुबह अपने घर में मृत मिली। पुलिस के अनुसार, उसके परिजनों ने आरोप लगाया है कि वह मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) संबंधी काम से तनाव में थी और उसने आत्महत्या की। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बीएलओ की मौत पर दुख व्यक्त किया और कहा कि यह अब वास्तव में चिंताजनक है। बनर्जी ने 'एक्स' पर कहा, एक और बीएलओ, एक महिला पैरा-शिक्षक की मौत की खबर सुनकर सदमा लगा है, जिसने आज कृष्णानगर में आत्महत्या कर ली। एसी 82 छपरा के भाग संख्या 201 की बीएलओ श्रीमती रिंकू तरफदार ने अपने आवास पर आत्महत्या करने से पहले अपने सुसाइड नोट में भारत निर्वाचन आयोग को दोषी ठहराया है। इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि रिंकू तरफदार (52) नाम की बीएलओ का शव छपरा के कृष्णानगर स्थित बंगालझी इलाके में उनके घर के कमरे में छत से लटका मिला है।

अल-फलाह के कुलाधिपति के मकान पर कार्रवाई से रोक

दिल्ली कार विस्फोट

इंदौर, एजेंसी

फरीदाबाद के अल-फलाह विश्वविद्यालय के कुलाधिपति जवाद अहमद सिद्दीकी के महू स्थित पैतृक मकान का अनधिकृत निर्माण हटाने को लेकर छावनी परिषद के नोटिस के अमल पर मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ ने अंतरिम रोक लगा दी है। हिबानामा (इस्लामी परंपरा के मुताबिक भेंट स्वरूप किसी व्यक्ति के नाम जायदाद कर देना) के जरिये इस मकान पर मालिकाना हक का दावा करने वाले व्यक्ति की याचिका पर अदालत ने यह आदेश जारी किया।

दिल्ली में लाल किला के निकट धीमी गति से चलती कार में हुए विस्फोट की घटना के बाद, अल-फलाह विवि कानून प्रवर्तन एजेंसियों की जांच के घेरे में है। दस नवंबर को हुए इस विस्फोट में 15 लोगों की जान चली गई थी। विवि के कुलाधिपति सिद्दीकी महू के हैं और उनके पिता हम्माद अहमद महू के शहर काजी रहे थे जिनका वर्षों पहले निधन हो चुका है। इंदौर से 30 किमी दूर महू की छावनी परिषद के रिकॉर्ड में मुकेरी मोहल्ले का मकान जवाद के दिवंगत पिता के नाम पर दर्ज है।

जम्मू एसआईए ने सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल मामले में एक को पकड़ा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस की राज्य अन्वेषण अभिकरण (एसआईए) ने शनिवार को सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल मामले में एक व्यक्ति को पकड़ा है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी की पहचान बटमालू इलाके के निवासी तुफैल नियाज भट के रूप में हुई है। उसे सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल की जांच के दौरान गिरफ्तार किया गया है। अक्टूबर के मध्य में नौगाम के बनपोरा में दीवारों पर पुलिस और सुरक्षा बलों को धमकी देने वाले पोस्टर चिपकाने के मामले में श्रीनगर पुलिस द्वारा जांच शुरू करने के बाद पूरे गिरोह का भंडाफोड़ हुआ। श्रीनगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. जीवी संदीप चक्रवर्ती ने व्यक्तिगत रूप से जांच का नेतृत्व किया और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पहले तीन संदिग्धों (आरिफ निसार डार उर्फ साहिल, यासिर-उल-अशरफ और मकसूद अहमद डार उर्फ शाहिद) को गिरफ्तार किया गया। उनसे पूछताछ के बाद मौलवी इरफान अहमद को गिरफ्तार किया गया। वह पूर्व पैरा-मेडिक था और अब इमाम है। उसने कथित तौर पर पोस्टर मुहैया कराए थे और चिकित्सकों को कट्टरपंथी बनाया था। जांचकर्ता फरीदाबाद स्थित अल फलाह विश्वविद्यालय पहुंचे। वहां डॉ. मुजफ्फर गनई और डॉ. शाहीन सईद को गिरफ्तार किया गया और 2,900 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री जब्त की गई।

आरोपी की एनआईए मुख्यालय में वकील से मुलाकात की याचिका मंजूर

नई दिल्ली। अदालत ने लाल किला के पास चलती कार में हुए विस्फोट मामले के आरोपी जसीर बिलाल वानी की एनआईए मुख्यालय में अपने वकील से मुलाकात की अनुमति देने वाली याचिका को स्वीकार कर लिया। अदालत के सूत्रों ने बताया कि यह अनुमति पटियाला हाउस अदालत की प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना ने दी। शुक्रवार को दिल्ली उच्च न्यायालय ने आरोपी की इस याचिका पर कोई आदेश देने से यह कहते हुए इनकार कर दिया था कि वानी यह दर्शाने में विफल रहा कि निचली अदालत ने उसके अनुरोध को खारिज कर दिया है।

श्रम संबंधी 29 मौजूदा कानून चार संहिताओं में किए गए पेश: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस में शनिवार को दावा किया कि श्रम संबंधी 29 मौजूदा कानूनों को चार संहिताओं में समाहित करके नए रूप में पेश किया गया और इसे एक क्रांतिकारी सुधार के रूप में प्रचारित किया जा रहा है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि केंद्र सरकार को कर्नाटक की कांग्रेस सरकार और राजस्थान की पूर्व कांग्रेस सरकार से सामाजिक सुरक्षा उपायों के संबंध में सीख लेनी चाहिए।

रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 29 कानूनों को चार संहिताओं में समाहित करके नए रूप में पेश कर दिया गया है। इसे क्रांतिकारी सुधार के रूप में प्रचारित किया जा रहा है जबकि नियमों को अभी तक अधिसूचित नहीं किया गया है। क्या ये संहिताएं श्रमिक न्याय के लिए भारत के श्रमिकों की पांच आवश्यक मांगों को वास्तविकता बना देंगे? इन मांगों में राष्ट्रीय न्यूनतम मजदूरी 400 रुपये प्रति दिन करने की बात भी है और इसमें मनरेगा भी है। रमेश के अनुसार, शहरी क्षेत्रों के लिए रोजगार गारंटी अधिनियम हो, जीवन बीमा और दुर्घटना बीमा सहित सभी असंगठित श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा देने और सरकारी कार्यों में रोजगार की ठेकेदारी को रोकने की प्रतिबद्धता होनी चाहिए।

सीजेआई गवई के कार्यकाल में हुए 11 ओबीसी, 10 एससी जज नियुक्ति

नई दिल्ली, एजेंसी

- हाईकोर्ट के जजों के रूप में नियुक्ति के लिए सरकार को 129 नामों में से 93 नामों को गवई ने दी है मंजूरी

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) न्यायमूर्ति बीआर गवई के छह महीने के कार्यकाल में देश के विभिन्न उच्च न्यायालयों में अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग के 10, जबकि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और पिछड़ा वर्ग (बीसी) के 11 जलों की नियुक्ति हुई। न्यायमूर्ति गवई देश के पहले बौद्ध और दूसरे दलित प्रधान न्यायाधीश हैं। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम का नेतृत्व किया, जिसने विभिन्न हाईकोर्ट के जजों के रूप में नियुक्ति के लिए सरकार को 129 नामों की सिफारिश की, जिनमें से 93 नामों को मंजूरी दी गई। न्यायमूर्ति गवई के कार्यकाल के दौरान पांच न्यायाधीशों-न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया, न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई, न्यायमूर्ति एएस चंदुरकर, न्यायमूर्ति आलोक अराधे और न्यायमूर्ति विपुल मनुभाई पंचोली की भी शीर्ष अदालत में नियुक्ति हुई। उच्चतम न्यायालय की वेबसाइट पर 14 मई से लेकर अब तक अपलोड किए गए न्यायाधीशों की नियुक्ति संबंधी विवरण के मुताबिक, जब न्यायमूर्ति गवई भारत के प्रधान न्यायाधीश बने, उसके बाद सरकार की ओर से उच्च न्यायालयों में नियुक्ति के लिए मंजूर किए गए 93 नामों में अल्पसंख्यक समुदायों के 13 न्यायाधीशों और 15 महिला न्यायाधीशों के नाम शामिल थे। विवरण के अनुसार, न्यायमूर्ति गवई के कार्यकाल में जिन न्यायाधीशों की नियुक्ति को मंजूरी दी गई, उनमें से पांच पूर्व या सेवारत न्यायाधीशों से संबंधित हैं, जबकि 49 न्यायाधीश बार से नियुक्त किए गए और बाकी सेवा संवर्ग से हैं। न्यायमूर्ति गवई रविवार (23 नवंबर) को पदमुक्त हो जाएंगे। उनके उत्तराधिकारी न्यायमूर्ति सूर्यकांत 24 नवंबर को शपथ लेंगे। भारत के 52वें प्रधान न्यायाधीश गवई ने अपने छह महीने के कार्यकाल के दौरान कई महत्वपूर्ण फैसले दिए हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की सदस्य ग्रीन ने की इस्तीफा देने की घोषणा

वाशिंगटन। अमेरिका के जॉर्जिया से प्रतिनिधि सभा की सदस्य मार्जोरी टेलर ग्रीन ने कहा कि वह जनवरी में संसद की सदस्यता से इस्तीफा दे देंगी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की किसी समय समर्थक रहीं ग्रीन अब उनकी आलोचक हैं। ग्रीन ने 'सोशल मीडिया' पर साझा किए गए करीब 10 मिनट के वीडियो में कहा कि उन्हें वाशिंगटन डीसी में हमेशा से ही तिरस्कृत किया गया है और वह कभी वहां के अनुसार नहीं ढल पाईं। ग्रीन ने यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़ी फाइल पर ट्रंप के रुख के साथ-साथ विदेश नीति और स्वास्थ्य देखभाल को लेकर उनकी आलोचना की थी। इसके बाद उनका हाल के महीनों में ट्रंप के साथ सार्वजनिक विवाद हुआ था।

चीन-अमेरिका ने की हवाई में सैन्य समुद्री परामर्श वार्ता की

बीजिंग। चीनी और अमेरिकी सेनाओं ने 18 से 20 नवंबर तक हवाई, संयुक्त राज्य अमेरिका में वर्ष 2025 के लिए चीन-अमेरिका सैन्य समुद्री परामर्श समझौते (एमएमसीए) की दूसरी कार्यकारी समूह बैठक तथा वार्षिक सत्र आयोजित किया। यह जानकारी शनिवार को चीनी नौसेना ने दी। यह वार्ता समानता और आपसी सम्मान के आधार पर हुई। दोनों पक्षों ने समुद्री तथा हवाई सुरक्षा स्थिति पर खुलकर और रचनात्मक ढंग से विचार-विमर्श किया। चीनी नौसेना के बयान के अनुसार दोनों पक्षों ने समुद्र और हवा में आमने-सामने की स्थितियों की समीक्षा की।

अमेरिका में पहली बार एक की 'बर्ड फ्लू' से मौत की आशंका

वॉशिंगटन। अमेरिका के वॉशिंगटन राज्य में एक व्यक्ति के पहली बार 'बर्ड फ्लू' के एक दुर्लभ प्रकार से मरने की आशंका जताई जा रही है। राज्य के स्वास्थ्य अधिकारियों ने हालांकि कहा है कि इससे लोगों को अधिक खतरा नहीं है। वॉशिंगटन के स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि मरने वाला व्यक्ति बुजुर्ग था जिसे पहले से स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याएं थीं और एच5एन5 (बर्ड फ्लू) वायरस से संक्रमित होने के कारण उसका इलाज चल रहा था। ऐसा लगता है कि वह वायरस के इस प्रकार से संक्रमित होने वाला पहला इंसान था। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि सिएटल से लगभग 125 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में ग्रेज हार्बर काउंटी के रहने वाले इस व्यक्ति के घर के पीछे पालतू मुर्गियों का झुंड रहता था जो जंगली पक्षियों के संपर्क में आ गया था।

कोटा में जेईई अभ्यर्थी ने की आत्महत्या

कोटा (राजस्थान), एजेंसी

कोटा में नौवीं मंजिल से गिरकर 17 वर्षीय जेईई अभ्यर्थी की मौत के मामले में पुलिस ने शनिवार को कहा कि प्रथम दृष्टया यह आत्महत्या प्रतीत होती है। मृतक छात्र की पहचान ईशान पालीवाल (17) के रूप में हुई है। वह मध्य प्रदेश के भोपाल के निवासी था और दो साल से कोटा में जेईई की तैयारी कर रहा था। वह राजीव गांधी नगर में बहुमंजिला इमारत में मां के साथ रह रहा था।

ईशान शुक्रवार दोपहर को नौवीं मंजिल की बालकनी से गिर गया। उसे गंभीर चोटें आईं और उसे निजी अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान ईशान की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि शनिवार को पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिवार को सौंप दिया गया। घटना के संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जा रही है।

जवाहर नगर पुलिस थाने के निरीक्षक राम लक्ष्मण ने कहा कि छात्र का इमारत की बालकनी से गलती से गिरना लगभग असंभव है। सबसे अधिक आशंका इस बात की है कि वह कूदा है। हालांकि, इसके पीछे का कारण जांच के बाद ही पता चलेगा, क्योंकि परिवार अभी सदमे में है। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया छात्र के कूदने की आशंका अधिक है और कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

छात्र आत्महत्या मामले में सहपाठियों के बयान दर्ज

नई दिल्ली। पुलिस ने दसवीं कक्षा के छात्र की आत्महत्या में सेंट कोलंबस स्कूल के कई छात्रों के बयान दर्ज किए और सीसीटीवी फुटेज खंगाले हैं। एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि 10वीं कक्षा के 16 वर्षीय छात्र ने महीनों तक शिक्षकों की प्रताड़ना सहने के बाद मंगलवार को राजेन्द्र प्लेस मेट्रो स्टेशन के प्लेटफॉर्म से छलांग लगा दी थी। ऐसा आरोप है कि घटना वाले दिन स्कूल के शिक्षक ने छात्र के फिसल कर गिरने के बाद उसका मजाक बनाया और अपमानित किया। पुलिस ने बताया कि डिजिटल वीडियो रिकॉर्डर (डीवीआर) जब्त किया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, इसमें उस क्षण की रिकॉर्डिंग है जब स्कूल के नाटक क्लब के प्रदर्शन के दौरान लड़के के फिसलने के बाद कर्मियों ने उसे डांटा और अपमानित किया। मौके पर मौजूद रहे लड़के के सहपाठियों और अन्य छात्रों के बयान दर्ज किए गए हैं और उनके बयानों की पुष्टि के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

यूक्रेन-रूस युद्ध समाप्ति की योजना से जेलेंस्की बाहर

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन-रूस युद्ध को समाप्त करने के लिए 28 सूत्री नई योजना पेश की और साथ ही साफ कर दिया है कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के पास लड़ाई को लंबे समय तक जारी रखने का विकल्प नहीं है और उन्हें इस योजना को स्वीकार करना होगा जो रूस की ओर झुकी प्रतीत होती है। ट्रंप पहले भी जेलेंस्की की सहमति के बिना ही यूक्रेन-रूस युद्ध को समाप्त करने की अपनी योजना पर आगे बढ़ चुके हैं।

ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यूक्रेन के राष्ट्रपति उनकी सरकार की युद्ध समाप्त करने की नई योजना पर अगले गुरुवार तक प्रतिक्रिया देंगे। ट्रंप ने ओवल ऑफिस में कहा, हम मानते हैं कि हमारे पास शांति स्थापित करने का एक तरीका है। जेलेंस्की को इसे मंजूर करना होगा। यूक्रेन की जेलेंस्की सरकार पर भ्रष्टाचार के साथ युद्ध के मैदान से मिल रही चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है रूस लगातार उसके ऊर्जा अवसंरचना पर बमबारी कर रहा है जिससे यूक्रेनवासियों के लिए सर्दी का मौसम कठिनाई भरा होने की आशंका है। ट्रंप द्वारा योजना के सार्वजनिक किये जाने के बाद से जेलेंस्की ने उनसे बात नहीं की है। जेलेंस्की ने कहा कि आने वाले दिनों में उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति से बातचीत होने की उम्मीद है। ट्रंप ने नई योजना में यूक्रेन पर दबाव डाल रहे हैं कि वह रूस को जमीन दे, सेना में कटौती पर सहमत हों साथ ही यूरोप भरोसा दे कि वह यूक्रेन को कभी नाटो सैन्य गठबंधन में शामिल नहीं करेगा।

● अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने यूक्रेन-रूस युद्ध को समाप्त करने के लिए 28 सूत्री नई योजना पेश की

रूस-यूक्रेन युद्ध पर अमेरिका की शांति योजना को लेकर यूरोपीय नेता दक्षिण अफ्रीका में बैठक करेंगे

कीव। यूरोपीय संघ (ईयू) के नेता शनिवार को दक्षिण अफ्रीका में एक बैठक में भाग लेंगे, जहां वे रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकने के लिए अमेरिका की प्रस्तावित योजना के विकल्प तलाशेंगे। कई यूरोपीय देशों का मानना है कि यह अमेरिकी योजना मॉस्को के हित में झुकी हुई है। रूस द्वारा यूक्रेन पर हमला किए जाने के लगभग चार साल बाद यह कूटनीतिक कवायद तेज हुई है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि इस योजना के चलते यूक्रेन एक कठिन स्थिति में आ सकता है, जहां उसे अपनी संप्रभुता की रक्षा और अमेरिका से मिलने वाले जरूरी समर्थन को बनाए रखने के बीच चुनाव करना पड़ सकता है। यूरोपीय देशों का मानना है कि यूक्रेन का रूस के खिलाफ संघर्ष उनकी अपनी सुरक्षा और भविष्य से जुड़ा हुआ है, इसलिए वे किसी भी शांति पहल में अपनी भागीदारी और परामर्श को आवश्यक मानते हैं।

अमेरिका की अड़चन के बावजूद जोहानिसबर्ग में जारी किया गया जी-20 घोषणा पत्र

द. अफ्रीका के मंत्री लामोला ने एसएबीसी के साथ वार्ता में घोषणा पत्र को बहुपक्षवाद की पुष्टि करार दिया

● सम्मेलन के शुरुआत में घोषणा पत्र का अपनाया जाना असामान्य

जोहानिसबर्ग, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग में जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने वाले शासनाध्यक्षों ने शनिवार को अमेरिका की अड़चन के बावजूद एक घोषणा पत्र को सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया। दक्षिण अफ्रीका के अंतर्राष्ट्रीय संबंध एवं सहयोग मामलों के मंत्री रोनाल्ड लामोला ने सरकारी प्रसारक 'एसएबीसी' के साथ बातचीत में इस घोषणा पत्र को 'बहुपक्षवाद की पुष्टि' करार दिया।

उन्होंने कहा कि यह उनके लिए एक महान पल है, क्योंकि उनका मानना है कि इससे (अफ्रीकी) महाद्वीप में क्रांति आएगी। आमतौर पर घोषणा पत्र को जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन के अंत में अपनाया जाता है। हालांकि, इस बार इसे सम्मेलन की शुरुआत में ही स्वीकार कर लिया गया। लमोला ने शिखर सम्मेलन के शुरुआती चरण में ही घोषणा पत्र को अपनाए जाने के असामान्य घटनाक्रम पर कहा कि उन शेरपाओं ने घोषणा पत्र पर विचार-विमर्श किया और सहमति जता दी, जिन्हें इसे स्वीकार करना था। घोषणा पत्र में क्या है, यहां मौजूद विभिन्न नेताओं के शेरपाओं ने उन्हें इसकी जानकारी दे दी है, इसलिए ऐसी कोई वजह नहीं थी, जो हमें इस घोषणा पत्र को (दो दिवसीय) शिखर सम्मेलन के पहले सत्र में मौजूद नेताओं के समक्ष पेश करने से रोके। उन्होंने कहा कि उन्हें खुशी है कि वे इसे अपनाने के लिए सहमत हो गए। इसमें अफ्रीकी महाद्वीप और दुनिया के लिए कई क्रांतिकारी पहलू शामिल हैं।

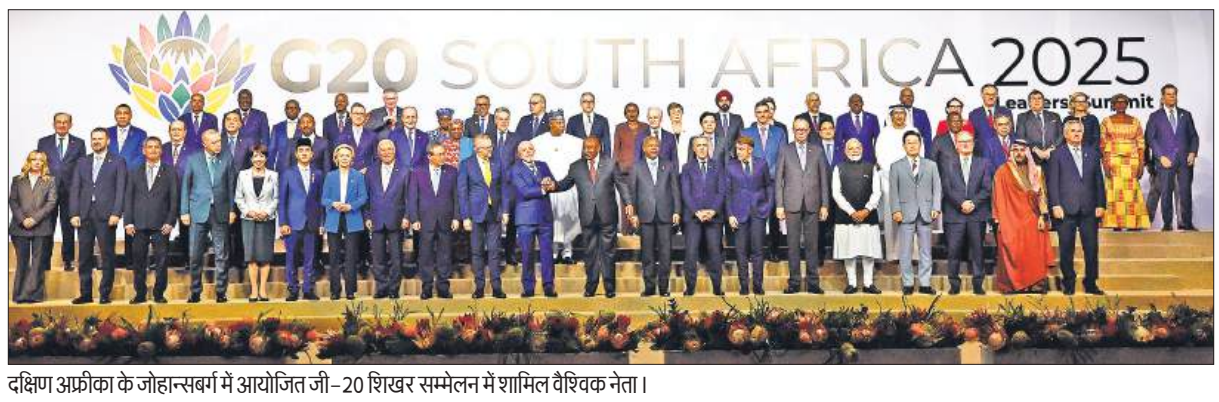

दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल वैश्विक नेता।

अमेरिका के बिना जारी रहेगा जी-20

शिखर सम्मेलन में हिस्सा न लेने और अपनी गैर-मौजूदगी में घोषणा पत्र को अपनाने के प्रयासों में बाधा डालने के अमेरिका के कदम के बारे में लमोला ने दोहराया कि जी-20 अमेरिका के साथ या उसके बिना भी बरकरार रहेगा। उन्होंने कहा कि जी-20 को केवल आमंत्रित व्यक्ति की अनुपस्थिति के आधार पर ठप नहीं किया जा सकता। बहुपक्षीय मंच को सक्रिय रहना चाहिए। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से इसने अच्छा काम किया है, इसलिए दक्षिण अफ्रीका सभी बैठकों में यही संदेश दे रहा था कि हमें घोषणा पत्र के साथ आगे बढ़ना होगा। लमोला ने कहा कि यह सुनिश्चित करना होगा कि घोषणा पत्र सफल हो और पूरी दुनिया इसमें शामिल हो। वे इस बात पर सहमत हुए हैं कि यही सही रास्ता है। अब यह सहयोग का ऐसा मंच है, जहां दुनिया के सभी नेता कह रहे हैं कि दुनिया को इसी राह पर जाना चाहिए। सहयोग ही एक मात्र रास्ता है। यह बहुपक्षवाद की पुष्टि है।

वैश्विक स्तर पर असमानताएं अन्यायपूर्ण : रामाफोसा

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने शनिवार को देशों के अंदर और देशों के बीच धन एवं विकास में असमानताओं को अन्यायपूर्ण और असतत बताते हुए इन्हें वैश्विक प्रगति के सबसे बड़े अवरोधों में से एक करार दिया। यहां जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करने के दौरान रामाफोसा ने यह बात कही। जोहानिसबर्ग में एकत्र लगभग 40 राष्ट्राध्यक्षों को संबोधित करते हुए रामाफोसा ने टिकाऊ भविष्य सुनिश्चित करने के लिए आर्थिक स्थिति, लैंगिक, नस्लीय और भौगोलिक आधार पर विभाजनों को समाप्त करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

ट्रंप के बॉयकॉट के साये में वैश्विक नेताओं की मौजूदगी

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा जी-20 शिखर सम्मेलन के बॉयकॉट और इस पर दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा की गहरी नाराजगी के बीच शिखर सम्मेलन शुरू हुआ। यह सम्मेलन पहली बार दक्षिण अफ्रीका में हो रहा है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तय्यिप एर्दोआन, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला फॉन डेर लेयेन, कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज़, चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग, जर्मनी के चांसलर फ्रीडरिष मेर्ज़, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीयर स्टार्मर, ब्राज़ील के राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला डा सिल्वा, इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा आदि शामिल हो रहे हैं।

मानव सेवा ही ईश्वर की सच्ची सेवा : राष्ट्रपति

राष्ट्रपति का स्वागत करते तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा व मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी।

पुट्टपर्थी (आंध्र प्रदेश), एजेंसी

● श्री सत्यसाई जिले के पुट्टपर्थी में सत्य साई बाबा के जन्म शताब्दी समारोह को किया संबोधित

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को कहा कि पूज्य आध्यात्मिक गुरु सत्य साई बाबा ने लाखों लोगों को सेवा के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। श्री सत्यसाई जिले के पुट्टपर्थी में सत्य साई बाबा के जन्म शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि सत्य साई बाबा ने इस विश्वास का प्रचार किया कि मानव सेवा ही ईश्वर सेवा है।

मुर्मू ने कहा कि सत्य साई बाबा ने अध्यात्म को निस्वार्थ सेवा और व्यक्तिगत परिवर्तन से जोड़ा। साईं बाबा ने लाखों लोगों को सेवा के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रपति के अनुसार, सत्य साई बाबा ने अपने अनुयायियों से आध्यात्मिकता को लोक कल्याण के साथ जोड़ने का आग्रह किया। यह देखकर खुशी होती है कि इतने सारे देशों में उनके भक्त वंचितों की सेवा कर रहे हैं। सत्य साई बाबा का निःस्वार्थ सेवा के माध्यम से निःस्वार्थ प्रेम का संदेश श्री सत्य साई संगठन को सेवा के वास्ते स्वयंसेवा करने के लिए प्रेरित कर रहा है।

राष्ट्रपति ने कहा कि प्राचीन काल से ही हमारे ऋषि-मुनियों ने अपने कार्यों और वचनों से समाज का मार्गदर्शन किया है और जन कल्याण के लिए अनेक पहल की हैं। उन्होंने कहा कि श्री सत्य साई बाबा ने व्यापक कल्याणकारी कार्यों के माध्यम से आदर्शों को वास्तविकता में बदलकर इस परंपरा का उदाहरण प्रस्तुत किया। इस बीच, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि सत्य साई बाबा के सिद्धांतों पर अमल करने से विश्व शांति स्थापित होगी। नायडू ने कहा कि वे (बाबा) जल परियोजनाओं के लिए प्रशांति निलयम को गिरवी रखने को भी तैयार थे। यह बात जानने पर उनके भक्तों ने इन परियोजनाओं के लिए भारी मात्रा में दान एकत्र किया।

ब्रिटेन ने 200 साल पुराने हिंदू चित्रों की अनूठी शृंखला के निर्यात पर लगाई रोक

लंदन, एजेंसी

● देवी मां की उत्पत्ति और विजय को दर्शाने वाले 56 चित्रों के लिए खरीदार की तलाश

ब्रिटेन सरकार ने इस सप्ताह 200 वर्ष पुराने उन रंगीन और अनूठे चित्रों की एक शृंखला के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है, जिनके बारे में कहा जाता है कि वे हिंदू धर्म के सबसे महत्वपूर्ण आख्यानों में से एक को दर्शाते हैं।

देवी मां की उत्पत्ति और विजय को दर्शाने वाले 56 चित्रों की एक शृंखला को रखने के लिए एक खरीदार की तलाश की जा रही है। इन चित्रों का मूल्य लगभग 2,80,000 पाउंड है। इस अनूठी शृंखला में, 56 चित्रों में सोने और चांदी के रंग का उपयोग किया गया है। ब्रिटेन की संस्कृति मंत्री बैरोनेस फियोना ट्विक्रॉस ने कहा कि यह शृंखला न केवल सुंदर है, बल्कि अद्वितीय है। क्योंकि हमारे देश में इस तरह की कोई अन्य लगभग पूर्ण कथा मौजूद नहीं है, इसलिए यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम इस शृंखला को ब्रिटेन में ही रखने का अवसर लें और शोधकर्ताओं को इसके रहस्यों को उजागर करने के लिए महत्वपूर्ण समय दें। यह शृंखला लगभग पूरी तरह से अक्षुण्ण है, जिसमें मूल 59 चित्रों में से 56 पृष्ठ हैं, तथा आवरण पृष्ठ पर संस्कृत और हिन्दी में शिलालेख हैं, जिनमें अलग-अलग चित्रों के विषयों का वर्णन है। ये 1810 की हैं और पंजाब के कांगड़ा क्षेत्र में चित्रित की गई थीं। संस्कृति, मीडिया और खेल विभाग (डीसीएमएस) ने कहा कि ब्रिटेन में कोई अन्य तुलनीय श्रृंखला मौजूद नहीं है, जिसका अर्थ है कि यह निर्यात प्रतिबंध ऐसे सचित्र आख्यानों के निर्माण और विकास दोनों के अध्ययन के लिए एक अद्वितीय अवसर पैदा करता है। ब्रिटेन सरकार ने इस सप्ताह कहा था कि ये चित्र ब्रिटेन और पंजाब के बीच जारी सांस्कृतिक संबंधों की याद दिलाते हैं, क्योंकि आधुनिक ब्रिटेन में दस लाख से अधिक हिंदू रहते हैं।

नाइजीरिया में 300 बच्चों का अपहरण

अबुजा। नाइजीरिया के नाइजर में बंदूकधारियों ने कैथोलिक संस्थान पर हमला कर 303 स्कूली छात्रों और 12 अध्यापकों का अपहरण कर लिया। देश के 'क्रिश्चियन एसोसिएशन ऑफ नाइजीरिया' (सीएएन) ने यह जानकारी दी।

सीएएन ने पहले बताया था कि 215 छात्रों का अपहरण किया गया है। सीएएन की नाइजर राज्य शाखा के अध्यक्ष मोस्ट रेवरेंड बुलुस दाऊवा योहाना के अनुसार सत्यापन प्रक्रिया और अंतिम गणना के बाद संख्या में बदलाव किया गया। योहाना ने शुक्रवार को स्कूल का दौरा किया था। उन्होंने बताया कि हमले के दौरान 88 अन्य छात्रों को भागने की कोशिश करते समय पकड़ लिया गया।

रवानगी

पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के हकीमपुर चेकपोस्ट पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद अपने वतन लौटने का इंतजार करते बांग्लादेशी नागरिक।

कांस्टेबल सहित तीन 7.11 करोड़ की लूट में गिरफ्तार

बेंगलुरु। बेंगलुरु के पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने शनिवार को बताया कि शहर में 7.11 करोड़ की लूट में पुलिस कांस्टेबल समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सिंह ने कहा कि अब तक 5.76 करोड़ रुपये बरामद किए जा चुके हैं और शेष राशि का पता लगाने के प्रयास जारी हैं।

सिंह ने कहा, हमने 11 टीम गठित की थीं और इस काम के लिए 200 पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को तैनात किया था। पूछताछ 30 से अधिक लोगों से की गई और तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। वाहन प्रभारी, सीएमएस इन्फोसिस्टम्स के एक पूर्व कर्मचारी और गोविंदपुरा पुलिस थाने में तैनात एक कांस्टेबल को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में कांस्टेबल अन्नप्पा नाईक, सीएमएस इन्फो सिस्टम का पूर्व कर्मचारी जेवियर और वाहन प्रभारी गोपी शामिल है। घटना में शामिल लोगों का पता लगाने के लिए सभी दक्षिणी राज्यों और गोवा में छह टीम भेजी गई थीं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 23 नवंबर, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, तृतीया 19 .24 तक तत्पश्चात चतुर्थी।

आज का पंचांग

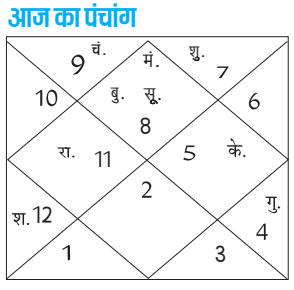

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल-मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुंभ, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-मूल 19 .28 तक तत्पश्चात पूर्वाषाढ़ा।

मेष — आज सहकर्मियों के माध्यम से गंभीर समस्याओं का निराकरण कर लेंगे। प्रेम संबंधों में मधुरता का भाव रहेगा। आपके काम की गुणवत्ता में वृद्धि होगी। नए संबंधों को लेकर परेशानी हो सकती है। संतान के कार्यों पर नजर बनाकर रखें।

वृष — आज गुप्त शत्रुओं से सावधान रहने की आवश्यकता है। बच्चे अपना समय बर्बाद कर सकते हैं। संतान के साथ अपना व्यवहार अच्छा रखें। परिवार में कलह उत्पन्न हो सकता है। अजनबी व्यक्तियों पर अधिक विश्वास न करें।

मिथुन — आज भोग-विलास का आनंद उठाएंगे। धार्मिक स्थल पर जाने का विचार बना सकते हैं। किसी दुविधा का समाधान मिल सकता है। आपको कुछ नया सीखने का मौका मिल सकता है। पुरानी डील में लाभ मिलने की संभावना है।

कर्क — आज व्यापार में नए साझेदार बन सकते हैं। परिश्रम का सार्थक परिणाम मिलेगा। इंटरव्यू आदि में सफलता मिलने के योग बनेंगे। आय के साथ-साथ आपके खर्च भी बढ़ेंगे। गैस-चूल्हा और बिजली के प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह — आज सरकारी कार्यों में बाधा आ सकती है। पैतृक संपत्ति प्राप्त होने के योग बन रहे हैं। रिलेशनशिप के मामलों में भाग्यशाली रहेंगे। धर्म-कर्म को लेकर अंधविश्वासी न बनें। दूसरों के विवादों में आपको नहीं फंसना चाहिए।

कन्या — आज व्यवसाय में बड़ा परिवर्तन करने से आपको बचना चाहिए। किसी भी कार्य में ठीक तरह से काम करने में मुश्किल होगी। कार्यक्षेत्र में अकस्मात परिवर्तन आ सकते हैं। दुष्टजन आपको हानि पहुंचाने का प्रयास करेंगे।

तुला — आज सहकर्मी आपके विरुद्ध चुगली कर सकते हैं। व्यापार में पार्टनर्स का सहयोग मिलेगा। प्रबुद्ध व्यक्तियों का सानिध्य प्राप्त होगा। आपकी कार्यकुशलता की लोग प्रशंसा करेंगे। इससे आपका उत्साह बढ़ेगा। घरेलू खर्च को लेकर बजट का ध्यान रखें।

वृश्चिक — आज उधार चुकाने के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। वाहन का प्रयोग सावधानी से करें। मेहनत में कमी न करें। राजनीति से जुड़े लोगों को सोच-समझकर दान करना चाहिए। जल्दबाजी के कारण कार्यों में विघ्न आ सकते हैं।

धनु — आज ज्ञानवर्धक साहित्य का अध्ययन करें। शुभ कार्यों में आपका मन लगेगा। व्यापार में इच्छित परिणाम प्राप्त होंगे। घर का वातावरण शांतिपूर्ण रहेगा। रचनात्मक कार्यों में आप रुचि लेंगे। अपनी जिम्मेदारियों को लेकर थोड़े परेशान हो सकते हैं।

मकर — आज वायरल से पीड़ित लोगों को सेहत का विशेष ध्यान रखना चाहिए। मन में हीन भावना पनप सकती है। वृद्धजनों के साथ बहसबाजी से बचें। विदेश यात्रा में आ रही बाधा दूर होगी। परिवार में कलह-क्लेश का वातावरण हो सकता है।

कुंभ — आज कुछ कड़े और महत्वपूर्ण निर्णय आपको लेने पड़ सकते हैं। आवश्यक सामान की खरीदारी में धन खर्च करेंगे। भारी उद्योगों से जुड़े लोगों की आय बढ़ सकती है। जीवनसाथी की सहायता से आपको करियर में लाभ मिलेगा।

मीन — आज आप अत्यधिक व्यस्त रहेंगे। अपनी प्रतिभा को पुनर्विकसित करने का अवसर मिल सकता है। सामाजिक कार्यक्रमों में आप सम्मिलित हो सकते हैं। आपका स्वास्थ्य काफी अच्छा रहने वाला है। प्रियजनों के साथ हर्षोल्लास में समय व्यतीत होगा।

सुडोकू-169

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		1						
			2					
		6		7				
				1		3		
9								
	5				8			
					4			

सुडोकू - 168 का हल

1	5	8	6	2	7	3	9	4
9	2	4	1	8	3	5	7	6
7	6	3	5	4	9	1	8	2
3	4	9	8	7	5	6	2	1
5	8	2	4	6	1	7	3	9
6	1	7	3	9	2	4	5	8
4	7	6	2	3	8	9	1	5
8	3	1	9	5	6	2	4	7
2	9	5	7	1	4	8	6	3

यह टेस्ट क्रिकेट का एक अच्छा दिन था, जिसमें बल्लेबाज को फोकस करके रन बनाने थे, जबकि गेंदबाज को विकेट के लिए उतनी ही मेहनत करनी पड़ी। इंडिया और साउथ अफ्रीका दोनों ने बहुत अच्छा अनुशासन दिखाया। भारत थोड़ा खुश हो सकता है, क्योंकि उसने वापसी की।

-अनिल कुंबले

स्टेडियम

कानपुर, रविवार 23 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

भारत को अपने प्रदर्शन से खुश होना चाहिए : कुंबले

गुवाहाटी। पूर्व भारतीय स्पिनर अनिल कुंबले ने कहा है कि भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के पहले दिन अपने प्रदर्शन से खुश होना चाहिए। दक्षिण अफ्रीका ने गुवाहाटी में दूसरे टेस्ट के पहले दिन 247/6 पर खत्म किया, जिसमें भारत ने शानदार बॉलिंग की। जियोस्टार के पोस्ट-मैच शो 'क्रिकेट लाइव' में बात करते हुए, एक्सपर्ट अनिल कुंबले ने कहा मुझे खुशी है कि लंच के बाद भारतीय बॉलर्स ने लगातार दबाव बनाया, जिससे जल्दी विकेट गिरे, जिससे सेशन में छह विकेट लेना एक असली लक्ष्य बन गया। इस तरह की चैलेंजिंग पिच पर रन बनाना आसान नहीं रहा है, और भारत ने कोई भी ढीली गेंद नहीं फेंकी। इस डिसिप्लिन्ड बॉलिंग ने भारत को वे विकेट लेने का असली मौका दिया। कुल मिलाकर, भारत आज अपने परफॉर्मेंस से काफी खुश होना चाहिए।

माहित संधू ने 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली। भारत की माहित संधू ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए तोक्यो में चल रहे बधिर ओलंपिक खेलों की निशानेबाजी प्रतियोगिता में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में स्वर्ण पदक जीता जो उनका चौथा पदक है। माहित ने 45 शॉट के बाद कुल 456 .0 अंक हासिल कर बधिर ओलंपिक खेलों का अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीता। दक्षिण कोरिया की डैन जियोंग ने 453 .5 अंक के साथ रजत और हंगरी की मीरा ज़ुज़ाना बियातोल्स्की ने 438 .6 अंक के साथ कांस्य पदक जीता। माहित ने फाइनल तक पहुंचने के दौरान बधिर खेलों का एक नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने क्वालीफाइंग दौर में 585 अंक बनाए और शीर्ष पर रहते हुए फाइनल में प्रवेश किया।

कुलदीप ने कराई भारत की वापसी

दूसरा टेस्ट मैच : अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज

गुवाहाटी, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए और भारत ने कुलदीप यादव की अगुवाई में आखिरी सत्र में चार विकेट लेकर दूसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच के पहले दिन शनिवार को यहां अच्छी वापसी की। भारत ने पहले दो सत्र में एक-एक विकेट लिया लेकिन तीसरे सत्र में वापसी करके उसने पहले दिन दोनों टीम का पलड़ा बराबरी पर रखा।

खराब रोशनी के कारण जब 81.5 ओवर में दिन का खेल समाप्त किया गया तब दक्षिण अफ्रीका ने छह विकेट पर 247 रन बनाए थे। पिच से अभी बहुत अधिक टर्न नहीं मिल रहा है, लेकिन भारत ने दिन में जो छह विकेट हासिल किए उनमें से चार विकेट स्पिनर ने लिए। कोलकाता में पहले टेस्ट मैच में स्पिनरों के सामने नतमस्तक होने वाले भारतीय बल्लेबाजों के लिए इसे अच्छा संकेत नहीं माना जा सकता। इस पर भी गौर करना होगा कि दक्षिण अफ्रीका इस मैच में तीन विशेषज्ञ स्पिनरों के साथ उतरा है। भारत की तरफ से बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप ने 48 रन देकर तीन विकेट लिए हैं। उनके अलावा जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और रविंद्र जडेजा को एक-एक विकेट मिला है। भारत ने दक्षिण अफ्रीका के दोनों सलामी बल्लेबाजों को तीन गेंद के अंदर पवेलियन की राह दिखा दी थी। बुमराह ने सुबह के सत्र के अंतिम ओवर की पांचवीं गेंद पर एडेन मार्करम (38) को बोल्ड किया। कुलदीप ने दूसरे सत्र के शुरू में ही दूसरे सलामी बल्लेबाज रियान रेकेलटन (35) को आउट करके दक्षिण अफ्रीका के खेमे में खलबली मचा दी थी। इन दोनों ने पहले विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी करके अपने कप्तान के पहले बल्लेबाजी करने के फैसले को सही साबित किया था।

इसके बाद तेम्बा बावुमा (41) और ट्रिस्टन स्टब्स (49) भी अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए। इन दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 84 रन की साझेदारी की। बुमराह को मार्करम का विकेट पहले ही मिल जाता लेकिन केएल राहुल ने स्लिप में उनका आसान कैच छोड़ दिया था। मार्करम तब छह रन पर खेल रहे थे। बुमराह ने हालांकि उन्हें इसका ज्यादा फायदा नहीं उठाने दिया। उनकी फुल लेंथ गेंद पर मार्करम ने ड्राइव करने की कोशिश की लेकिन गेंद ने उनकी गिल्लियां बिखेर दी। रिकेलटन ने विकेटकीपर ऋषभ पंत को कैच दिया। बावुमा और स्टब्स ने धैर्य से काम लिया और दूसरे सत्र में अपनी टीम को कोई और झटका नहीं लगने दिया। स्टब्स को लय हासिल करने में कुछ समय लगा लेकिन इसके बाद उन्होंने आत्मविश्वास से भरे शॉट खेले। उन्होंने कुलदीप और जडेजा पर छक्के भी लगाए। भारतीय गेंदबाज हालांकि तीसरे सत्र के शुरू में ही इन दोनों की एकाग्रता भंग करने में सफल रहे। बावुमा ने जडेजा की गेंद मिड ऑफ के ऊपर से खेलने का प्रयास किया लेकिन यशस्वी जायसवाल ने डाइव लगाकर उसे खूबसूरत कैच में बदल दिया। कुलदीप ने स्टब्स को अर्धशतक पूरा नहीं करने दिया जिन्होंने फ्लाइट लेकर गेंद पर स्लिप में राहुल को कैच थमाया। वियान मुल्डर (13) ने कुलदीप की ऑफ स्टंप से बाहर जा रही गेंद पर जायसवाल को कैच देकर अपना विकेट इनाम में दिया। पहली बार टेस्ट मैच की मेजबानी कर रहे एसीए स्टेडियम में भारत ने 81 ओवर के बाद नई गेंद ली। सिराज की पहली गेंद ही टोनी डि जॉर्जी (28) के बल्ले को चूमती हुई विकेट के पीछे चली गई जहां पंत ने बड़ी खूबसूरती से उसे कैच में बदल दिया। इस ओवर की पांचवीं गेंद के बाद अंपायरों ने दिन का खेल समाप्त घोषित कर दिया। उस समय सेनुरन मुथुसामी 25 और काइल वेरिन एक रन पर खेल रहे थे। भारत के नियमित कप्तान शुभमन गिल गर्दन में चोट के कारण इस मैच में नहीं खेल पा रहे हैं और इसलिए पंत को कप्तानी सौंपी गई है। वह भारत के 38वें टेस्ट कप्तान हैं। भारत ने अपनी अंतिम एकादश में दो बदलाव किए। गिल के स्थान पर साई सुदर्शन और अक्षर पटेल की जगह नीतीश कुमार रेड्डी को टीम में लिया गया है।

वियान मुल्डर का विकेट लेने के बाद जश्न मनाते कुलदीप यादव हुए। एजेंसी

दिन की सबसे अच्छी गेंद पर आउट हुआ : स्टब्स

गुवाहाटी : दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज ट्रिस्टन स्टब्स को जरा भी अंदाजा नहीं था कि भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव के नए स्पैल की पहली गेंद ही दिन की उनकी सबसे अच्छी गेंद होगी जिस पर वह अपना विकेट गंवा देंगे। दक्षिण अफ्रीका के इस खिलाड़ी ने स्वीकार किया कि दिल्ली कैपिटल्स टीम के अपने साथी कुलदीप का नेट पर कई बार सामना करने के बावजूद वह उनकी गेंदों के खिलाफ असहज रहे। स्टब्स ने कुलदीप की गेंदों पर दो छक्के लगाए और अर्धशतक से महज एक रन दूर थे जब इस स्पिनर की गेंद ने उनकी पारी खत्म कर दी। दिन का खेल खत्म होने पर 113 गेंद में 49 रन की पारी खेलने वाले स्टब्स ने कहा मैंने कई बार उनका सामना किया है। यह उनके नए स्पैल की पहली गेंद थी और मुझे लगता है कि यह उनकी अब तक की सबसे अच्छी गेंद है।

गर्व महसूस हो रहा है : हिमंत

गुवाहाटी : असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने गुवाहाटी के भारत के 30वें टेस्ट स्थल बनने पर खुशी व्यक्त करते हुए शनिवार को कहा कि इससे युवाओं को प्रेरणा मिलेगी। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दो मैच की श्रृंखला का दूसरा एवं अंतिम टेस्ट मैच यहां खेला जा रहा है। सरमा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा गुवाहाटी ने इतिहास रच दिया है! एसीए स्टेडियम को भारत का 30वां टेस्ट स्थल बनते देख गर्व हो रहा है।

दक्षिण अफ्रीका

247/6 (पहली पारी) (81.5 ओवर)

ऐडन मारक्रम बो बुमराह	38
रेयान रिकलटन का पंत बो कुलदीप	35
ट्रिस्टन स्टब्स का राहुल बो कुलदीप	49
बावुमा का जायसवाल बो जडेजा	41
टोनी डि जॉर्जी का पंत बो सिराज	28
मुल्डर का जायसवाल बो कुलदीप	13
सेनुरन मुथुसामी नाबाद	25
काइल वेरेने नाबाद	01

गेंदबाजी : बुमराह 17-6-38-1, सिराज 17 .5-3-59-1, रेड्डी 4-0-21-0, सुंदर 14-3-36-0, कुलदीप 17-3-48-3, जडेजा 12-1-30-1

03 विकेट

शतक लगाने के बाद जश्न मनाते ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रेविस हेड। एजेंसी

पर्थ टेस्ट : ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे ही दिन इंग्लैंड को दी शिकस्त

- एशेज सीरीज में ट्रेविस हेड ने खेली शतकीय पारी

पर्थ, (एपी), एजेंसी

ट्रेविस हेड (123) के शतक की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को यहां एशेज सीरीज के पहले टेस्ट में दूसरे दिन इंग्लैंड को आठ विकेट से शिकस्त दी।

जीत के लिए 205 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए हेड ने इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाते हुए 83 गेंद में 16 चौके और चार छक्के की मदद से 123 रन बनाए। उनके अलावा मार्नस लाबुशेन ने 51 रन की नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली। इंग्लैंड की दूसरी पारी सुबह 164 रन पर सिमट गई जिससे ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 205 रन का लक्ष्य मिला। ऑस्ट्रेलिया के लिए मिचेल स्टार्क 'प्लेयर ऑफ द मैच' रहे जिन्होंने मैच में कुल 10 विकेट झटके। इंग्लैंड ने पहली पारी में 172 और ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 132 रन बनाए थे।

संक्षिप्त स्कोर बोर्ड

इंग्लैंड (पहली पारी)	172/10
ऑस्ट्रेलिया (पहली पारी)	132/10
इंग्लैंड (दूसरी पारी)	164/10
ऑस्ट्रेलिया (दूसरी पारी)	205/2

इटली लगातार तीसरे साल डेविस कप फाइनल में

बोलोग्ना, एजेंसी। इटली लगातार तीसरे साल डेविस कप फाइनल में पहुंच गया है।

फ्लेवियो कोबोली ने सात मैच पॉइंट बचाए और जिजो बर्ग्स को हराकर सबसे शानदार 32-पॉइंट का फाइनल सेट टाई-ब्रेक जीता और अपने देश के लिए बेल्जियम पर 2-0 से जीत पक्की की। बोलोग्ना में बर्ग्स पर कोबोली की 6-3, 6-7(5), 7-6(15) की रोमांचक जीत तीन घंटे से ज्यादा समय तक चली, इससे पहले मातियो बेरेटिनी ने राफेल कोलिग्नन को 6-3, 6-4 से हराकर इटली को बढ़त दिलाई थी।

शानदार प्रदर्शन

छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के जगदलपुर में शनिवार को राज्य के खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित कबड्डी मैच के दौरान जोर आजमाइश करते खिलाड़ी। ● एजेंसी

गर्दन की चोट के कारण वनडे श्रृंखला से बाहर हो सकते हैं गिल

गुवाहाटी, एजेंसी

- विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत कप्तानी की दौड़ में

शुभमन गिल।

शुभमन गिल गर्दन की चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की आगामी वनडे श्रृंखला से भी बाहर रहेंगे।

बीसीसीआई के सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और सीनियर बल्लेबाज केएल राहुल के नाम पर कप्तानी के लिए विचार किया जा सकता है जबकि सीनियर बल्लेबाज रोहित शर्मा भी टीम में हैं। बीसीसीआई के विश्वस्त सूत्रों के अनुसार गिल की चोट सिर्फ गर्दन की ऐंठन नहीं है। उन्हें आराम की जरूरत होगी और भारतीय टीम प्रबंधन उनकी वापसी के लिये हड़बड़ी नहीं करेगा। गिल को कोलकाता में पहले टेस्ट में बल्लेबाजी के दौरान गर्दन में ऐंठन का सामना करना पड़ा था। वह चोट के कारण गुवाहाटी टेस्ट नहीं खेल सके हैं। वह इस समय मुंबई में हैं जहां उनके एमआरआई समेत बाकी टेस्ट हो रहे हैं। सूत्र ने कहा यह देखने के लिये टेस्ट किए जा रहे हैं कि मांसपेशी में चोट है या टिश्यू में चोट लगी है। अभी तक तो चयनकर्ताओं को उम्मीद है कि वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 खेल सकेंगे।

कप्तानी के लिए पंत प्रबल दावेदार हैं जो दूसरे टेस्ट में भी कप्तानी कर रहे हैं। पिछले एक साल में हालांकि उन्होंने एक ही वनडे खेला है। रोहित शर्मा के साथ यशस्वी जायसवाल पारी का आगाज कर सकते हैं। अभिषेक शर्मा रिजर्व सलामी बल्लेबाज हो सकते हैं । हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह तेज गेंदबाजी का जिम्मा संभालेंगे। जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जा सकता है। वहीं चोट से जूझ रहे हार्दिक पंड्या अगले साल विश्व कप तक सिर्फ टी20 खेलेंगे। कुलदीप यादव निजी कारणों से ब्रेक ले सकते हैं।

लक्ष्य सेन पहुंचे फाइनल में

सिडनी, एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई ओपन

भारत के स्टार शटलर लक्ष्य सेन ने शनिवार को यहां चीनी ताइपे के विश्व के छठे नंबर के खिलाड़ी चोउ टिएन चेन को तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के फाइनल में प्रवेश किया।

विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने शुरुआती गेम में मिली हार से उबरने के लिए जबरदस्त मानसिक दृढ़ता दिखाई और 86 मिनट तक चले सेमीफाइनल में दूसरे वरीय खिलाड़ी को 17-21, 24-22, 21-16 से हराया। वर्तमान सत्र में अभी तक कोई भी खिताब नहीं जीत पाने वाले 24 वर्षीय सेन का फाइनल में मुकाबला जापान के युशी तनाका से होगा। फाइनल रविवार को खेला जाएगा।

तनाका ने चीनी ताइपे के पांचवीं वरीयता प्राप्त लिन चुन यि को 21-18, 21-15 से हराया। लक्ष्य शुरुआत में थोड़े ढीले दिखे, जबकि चेन अपने शॉट चयन में कहीं ज़्यादा सटीक थे। इससे ताइवान के खिलाड़ी ने पहले गेम के इंटरवल तक 11-6 की बढ़त हासिल कर ली जो कुछ देर बाद 14-7 हो गई। लक्ष्य ने इसके बाद वापसी की। इन दोनों खिलाड़ियों ने 19-15 के स्कोर पर 44 शॉट की रैली खेली, जिसमें चेन ने जीत हासिल करके पांच गेम प्वाइंट हासिल किए।

लक्ष्य ने दो गेम प्वाइंट बचाए, लेकिन फिर एक शॉट नेट में डालकर पहला गेम गंवा दिया। दूसरे गेम के शुरू में दोनों खिलाड़ियों ने एक दूसरे को कड़ी टक्कर दी लेकिन चेन के सटीक हमले फिर से कारगर साबित हुए और उन्होंने 7-4 की बढ़त बना ली। लेकिन लक्ष्य ने शानदार वापसी की और इंटरवल तक 11-9 की बढ़त बना ली।

लक्ष्य का स्मैश बाहर चला गया, जिससे चेन ने वापसी करते हुए स्कोर 12-12 कर दिया। इसके बाद एक समय स्कोर 17-17 बराबरी पर था लेकिन चेन ने लक्ष्य के नेट पर शॉट मारने पर बढ़त बना ली। ताइवान के खिलाड़ी ने इसके बाद तीन मैच प्वाइंट हासिल किए लेकिन लक्ष्य ने उनका अच्छी तरह से बचाव किया और फिर दूसरा गेम जीत कर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। लक्ष्य ने तीसरे और निर्णायक गेम में 6-1 की बढ़त बना ली। चेन ने जिस तरह का खेल पहले गेम में दिखाया था उसको वह बरकरार नहीं रख पाए। लक्ष्य ने इसका पूरा फायदा उठाकर इंटरवल तक 11-6 बढ़त हासिल कर ली। भारतीय खिलाड़ी ने इसके बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा। ताइवान के खिलाड़ी ने चार मैच प्वाइंट बचाए लेकिन वह लक्ष्य को फाइनल में जगह बनाने से नहीं रोक पाए।

फिडे विश्व कप : सेमीफाइनल के दूसरे गेम भी रहे ड्रॉ

पणजी, एजेंसी

चीन के वेई यांग और उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंडारोव ने शनिवार को यहां फिडे विश्व कप सेमीफाइनल के दूसरे गेम में अपने प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ जोखिम नहीं लेते हुए ड्रॉ पर संतोष किया। वेई यांग ने सफेद मोहरों से खेलते हुए रूस के आंद्रे एसिपेंको से बाजी ड्रा कराई।

दूसरे सेमीफाइनल में उज्बेकिस्तान के युवा खिलाड़ी सिंडारोव ने अपने ही देश के नोडिरबेक याकूबबोएव से ड्रॉ खेलकर उन्हें एक और मौका दे दिया। कोई भी भारतीय सेमीफाइनल में नहीं पहुंचा तो इन चार में से तीन खिलाड़ियों ने मार्च 2026 में साइप्रस में होने वाले कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह पक्की कर ली है।

अजलन शाह कप : भारत का पहले मैच में सामना कोरिया से

इपोह, एजेंसी

- पांच बार की चैंपियन है भारतीय टीम, आज से 30 नवंबर तक चलेंगे मुकाबले

पांच बार की चैंपियन और टूर्नामेंट की दूसरी सबसे सफल टीम भारत 31वें सुल्तान अजलन शाह कप हॉकी टूर्नामेंट के पहले मैच में रविवार को कोरिया से खेलेगी। अजलन शाह कप 23 से 30 नवंबर के बीच खेला जाएगा।

भारत 2019 में उपविजेता रहने के बाद इसमे पहली बार खेल रहा है। इस बार भारत, बेल्जियम, कनाडा, कोरिया, न्यूजीलैंड और मलेशिया की टीमें भाग लेंगी जो राउंड रॉबिन प्रारूप में खेलेंगी। शीर्ष दो टीमें फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। संजय की कप्तानी वाली भारतीय टीम 24 नवंबर को बेल्जियम से खेलेगी जबकि 26 नवंबर को मलेशिया और 27 नवंबर को न्यूजीलैंड से सामना होगा।

आखिरी लीग मैच 29 नवंबर को कनाडा से खेलना है। एफआईएच विश्व कप 2026 और 2026 एशियाई खेलों की तैयारी के लिये यह टूर्नामेंट अहम माना जा रहा है। भारतीय टीम में पवन और मोहित एचएस गोलकीपर हैं जबकि डिफेंस में पी चंदुरा बॉबी, नीलम संजीप सेस, यशदीप सिवाच, जुगराज सिंह, अमित रोहिदास और कप्तान संजय हैं। मिडफील्ड में राजिंदर सिंह, राजकुमार पाल, नीलाकांता शर्मा, रबिचंद्र सिंह , विवेक सागर प्रसाद और मोहम्मद राहील मौसीन होंगे। फॉरवर्ड पंक्ति में सुखजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, सेल्वम कार्ति, आदित्य अर्जुन लालागे, दिलप्रीत सिंह और अभिषेक उतरेंगे।

दीपा को संस्मरण लेख के लिए मिला पुरस्कार

नई दिल्ली : भारत की पहली महिला पैरालंपिक पदक विजेता दीपा मलिक के सह लेखन वाले उनके संस्मरण 'ब्रिंग इट ऑन' को शनिवार को 'एकामरा स्पोर्ट्स लिटरेचर फेस्टिवल' के 'स्पोर्ट्स बुक ऑफ द ईयर 2025' पुरस्कार से नवाजा गया।

टेस्ट खिलाड़ी चेतेश्वर पुजारा की पत्नी पूजा पुजारा और नमिता काला द्वारा लिखी 'द डायरी ऑफ ए क्रिकेटर वाइफ' को ईएसएलएफ की 'बायोग्राफी ऑफ द ईयर 2025' पुरस्कार दिया गया। इस साल का ईएसएलएफ पुरस्कार पाने वाली अन्य खेल किताबों में शिखर धवन, चंद्रेश नारायण और नमिता काला की 'द वन, क्रिकेट, माई लाइफ एंड मोर' को 'ऑटोबायोग्राफी ऑफ द ईयर' व अमरनाथ 'फीयरलेस' को 'क्रिकेट बुक ऑफ द ईयर' का पुरस्कार मिला।

तैयारी | टूर्नामेंट की शुरुआत 7 फरवरी से और फाइनल 8 मार्च को होगा

भारत और पाकिस्तान टी-20 विश्व कप के एक ही ग्रुप में

दुबई, एजेंसी

भारत और श्रीलंका, जो अगले साल की शुरुआत में टी-20 वर्ल्ड कप के संयुक्त मेजबान हैं, उन्हें अलग-अलग ड्रॉ मिले हैं। टॉप रैंक वाली भारत को, यकीनन, एक आसान क्लस्टर में रखा गया है - कुछ ऐसा जो पाकिस्तान भी क्लेम कर सकता है - लेकिन श्रीलंका शायद उतना लकी महसूस न करे।

आइलैंड देश (आईसीसी रैंकिंग में नंबर 8) को तीन और फुल-मेंबर टेस्ट खेलने वाली टीमों - ऑस्ट्रेलिया (नंबर 2), जिम्बाब्वे (नंबर 11) और आयरलैंड (नंबर 12) - के साथ ओमान (नंबर 20) के साथ ग्रुप में रखा गया है। यह ग्रुप ऑफ डेथ हो सकता है।

दूसरी ओर, भारत और पाकिस्तान (नंबर 7) ही अपने ब्रैकेट में टेस्ट खेलने वाले देश हैं, जबकि नीदरलैंड्स (नंबर 13), नामीबिया (नंबर 15) और अमेरिका (नंबर 18) पांच टीमों की लाइनअप को पूरा करते हैं। हर पूल से दो टीमें सुपर आठ स्टेज के लिए क्वालीफाई कर रही हैं, इसलिए चैंपियनशिप के दूसरे वीकेंड - 15 फरवरी को होने वाले अपने ब्लॉकबस्टर मुकाबले में नतीजे चाहे जो भी हों, कट्टर दुश्मनों के लिए अगले राउंड में पहुंचना आसान होना चाहिए।

बेशक, यहां एक डिस्क्लेमर जोड़ना जरूरी है : पाकिस्तान 2024 के पिछले एडिशन में अमेरिका से हार गया था।

पांच-पांच टीमों के चार ग्रुप हैं, और यह कहा जा सकता है कि शुरुआती स्टेज में कई 'ग्रुप ऑफ डेथ' हैं। इंग्लैंड (नंबर 3) और वेस्टइंडीज (नंबर 6), दोनों पूर्व चैंपियन, बांग्लादेश (नंबर 9) के साथ हैं - जो एक पूर्ण सदस्य और एक मजबूत टीम है, खासकर सबकॉन्टिनेंटल कंडीशन में। तीनों को नेपाल (नंबर 17) के साथ ग्रुप में रखा गया है और वे दुनिया की 28वीं रैंक वाली टीम इटली के साथ हैं। रनर-अप साउथ अफ्रीका (नंबर 5) भी एक मुश्किल क्लस्टर में है। थ्योरी के हिसाब से, उन्हें अगले राउंड में पहुंचने के लिए न्यूज़ीलैंड (4) या अफ़गानिस्तान (10) में से कम से कम एक को हराना होगा - टी20 क्रिकेट में ये दोनों टीमें आसान नहीं होतीं - खासकर यह देखते हुए कि वे 7 फरवरी से 8 मार्च तक होने वाली चैंपियनशिप में अपने ग्रुप की दूसरी दो टीमों, यूएई (16) और कनाडा (18) के खिलाफ़ आसान समय की उम्मीद कर सकते हैं।

भारत अपना वर्ल्ड कप कैंपेन अमेरिका के खिलाफ शुरू करेगा, उसके बाद नामीबिया, पाकिस्तान और नीदरलैंड्स के खिलाफ लीग मैच होंगे।

हर पूल से दो टीमें करेंगी क्वालिफाई

हर पूल से पहली दो टीमें सुपर आठ के लिए क्वालिफ़ाई करेंगी, जहां से टॉप चार टीमें सेमीफ़ाइनल में पहुंचेंगी, जिसके बाद फ़ाइनल होगा। आईसीसी 25 नवंबर को मुंबई में ड्रॉ का खुलासा करेगी।

अहमदाबाद में फाइनल होगा

पहले से तय एग्रीमेंट के मुताबिक, भारत-पाकिस्तान का बड़ा मैच कोलंबो में खेला जाएगा। भारत में मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, दिल्ली और अहमदाबाद ऐसे शहर हैं जो मैचों की मेजबानी करेंगे। श्रीलंका में, कोलंबो के दो इंटरनेशनल ग्राउंड के अलावा कैंडी भी एक वेन्यू होगा। अहमदाबाद में फाइनल होगा, जब तक कि पाकिस्तान टाइटल क्लैश में न पहुंच जाए। मुंबई और कोलकाता सेमीफाइनल मैचों के लिए लाइन में हैं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि कौन सी टीमें लास्ट-फोर स्टेज के लिए क्वालिफ़ाई करती हैं। कोलंबो को एक सेमीफ़ाइनल और फाइनल के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है, यदि पाकिस्तान चैंपियनशिप में इतनी दूर तक आगे बढ़ता है।